दैनिक
बुलन्द मंज़िल
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

PRGI NO. - UPBIL/25/A4797

उ.प्र. के जनपद सम्भल से प्रकाशित...
बरेली मण्डल व मुरादाबाद मण्डल के जनपद अमरोहा, रामपुर, बिजनौर से प्रसारित...

वर्ष : 01 | अंक : 131 | संभल, गुरूवार 23 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य: 05/-रू.

पेज :- 03- महानगर के 9 मंडलों में मन की बात , डॉ श्यामा प्रसाद...

पेज :- 04- रोटरी क्लब हापुड़ के नवनियुक्त अध्यक्ष मुस्लिम कुरैशी..

चुनाव से ठीक पहले खरगे को ईसी का नोटिस

पीएम मोदी को आतंकी कहने पर फंसे कांग्रेस प्रमुख

नई दिल्ली। देश के चुनावी माहौल में कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आतंकवादी वाली टिप्पणी ने अब कानूनी मोड़ ले लिया है। चुनाव आयोग ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए खरगे के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। भारतीय चुनाव आयोग ने बुधवार को मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को आतंकवादी कहे जाने पर गहरा संज्ञान लिया और मामले में नोटिस जारी किया। आयोग के अधिकारियों के अनुसार, इस बयान को आदर्श आचार संहिता का गंभीर उल्लंघन माना गया है। नोटिस में खरगे से अगले 24 घंटों के भीतर अपना पक्ष रखने और स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। यह नोटिस तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में होने वाले मतदान से ठीक एक दिन पहले आया है। विवाद की शुरूआत मंगलवार को चेन्नई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हुई। खरगे वहां अन्नाद्रमुक और भाजपा के गठबंधन की आलोचना कर रहे थे। उन्होंने पेरियार और सी.एन. अन्नादुराई की द्रविड़ विचारधारा का हवाला देते हुए सवाल उठाया कि अन्नाद्रमुक के लोग मोदी के साथ कैसे जा सकते हैं। इसी दौरान उन्होंने कहा था कि ये अन्नाद्रमुक के लोग... वे मोदी के साथ कैसे जुड़ सकते हैं? वह एक आतंकवादी हैं... वह समानता में विश्वास नहीं करते। उनकी पार्टी समानता और न्याय में विश्वास नहीं करती। इस बयान के बाद भाजपा ने पलटवार करते हुए इसे कांग्रेस की ओछी राजनीति करार दिया। जब प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों ने इस आतंकवादी शब्द के इस्तेमाल पर स्पष्टीकरण मांगा, तो खरगे ने अपने बयान का संदर्भ बदलने की कोशिश की। उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि उनके कहने का मतलब यह था कि प्रधानमंत्री देश के लोकतांत्रिक ढांचे को आतंकित कर रहे हैं। खरगे ने स्पष्ट किया कि पीएम मोदी लोगों और राजनीतिक दलों को डरा रहे हैं। मैंने कभी नहीं कहा कि वह आतंकवादी हैं। मेरा मतलब यह है कि वह अपनी शक्ति और सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर रहे हैं और विपक्षी दलों को बदनाम कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्ष की आवाज दबाने के लिए किया जा रहा है।

सीएम सम्राट चौधरी ने अपनी पहली कैबिनेट में 22 प्रस्तावों पर लगाई मुहर

पटना। बिहार वासियों के लिए आज खास दिन है। नई सरकार की आज पहली बैठक लगी लंबी चली। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज अपनी अध्यक्षता में पहली बैठक बुलाई थी। पहली कैबिनेट में सीएम ने कुल 22 प्रस्तावों पर मुहर लगाई। बिहार सरकार के अपर सचिव अखिलेश कुमार सिंह की ओर से जारी पत्र में मंगलवार शाम 7:00 बजे कैबिनेट की बैठक की जानकारी दी गई है। इस बैठक में दोनों मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी और विजेंद्र यादव भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने विभाग की प्रमुख प्रस्ताव पर स्वीकृति दी है। आरक्षी शाखा की और से बताया गया की विधि व्यवस्था संधारण अपराद नियंत्रण शहरी क्षेत्र में स्कूल कॉलेज कोचिंग संस्थान आदि में जाने के क्रम लड़की महिलाओं की सुरक्षा के लिए महिला पुलिसकर्मी के लिए 1500 स्कूटी खरीद के लिए 18 करोड़ लाख रुपये एवं पुलिसकर्मियों को 3200 बाइक खरीदने के लिए 66 करोड़ 75 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर सम्राट चौधरी ने मुहर लगाई। इसमें बताया गया कि बेगूसराय के बरौनी में 20 एकड़ गैर मजरूवा खास की भूमि को नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फैशन टेक्नोलॉजी की स्थापना के लिए निशुल्क जमीन दी गई।

विपक्ष पर हमला बोला

सम्राट चौधरी ने पटना आने से पहले विपक्ष पर हमला बोला। उन्होंने बताया कि नीच सोच, नीयत और राजनीति, यही है कांग्रेस की असली पहचान। जो पार्टी आतंकियों की भाषा बोले, आतंक के समर्थकों का बचाव करे, वो माफी के लायक नहीं है। कांग्रेस की शर्मनाक करतूत देश के इतिहास के काले पन्नों में हमेशा के लिए दर्ज हो चुकी है। महिलाओं के अपमान को देश नहीं भूलेगा और नहीं माफ करेगा।

11 नए टाउनशिप डेवलप करेगी सरकार

सरकार की ओर से बताया गया कि बिहार में 11 जगहों (पटना, सोनपुर, गयाजी, दरभंगा, सहरसा, पूर्णिया, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, छपरा, भागलपुर और सीतामढ़ी) पर टाउनशिप डेवलप किए जाएंगे। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस प्रस्ताव पर मुहर लगा दिया है। पटना, सोनपुर, गया, दरभंगा, मुंगेर जिले में जो टाउनशिप सरकार डेवलप करेगी, वहां पर 31 मार्च 2027 किसी भी तरह की जमीन खरीद बिक्री या स्थानांतरण के निर्माण पर रोक लगाई जाती है।

दिल्ली में पीएम मोदी से मिले थे

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आज दोपहर 3:00 बजे दिल्ली से पटना पहुंचेंगे। इसके बाद वह शाम 6:00 बजे कैबिनेट की बैठक में शामिल होंगे। इससे पहले दिल्ली में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन समेत कई वरिष्ठ नेताओं और मंत्रियों से मुलाकात की। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज नई दिल्ली में शिष्टाचार मुलाकात की। विकसित भारत और समृद्ध बिहार के विजन पर मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। प्रधानमंत्री का स्नेह एवं सहयोग बिहार की प्रगति को नई गति प्रदान कर रहा है।

ठाकुरद्वारा हाईवे पर डंपर ने विक्रम को मारी टक्कर, दो लोगों की मौत

ठाकुरद्वारा-मुरादाबाद। हाईवे पर बुधवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार डंपर ने सामने से आ रहे विक्रम को जोरदार टक्कर मार दी। इसके बाद डंपर विक्रम को करीब 150 मीटर तक घसीटते हुए ले गया। हादसे में विक्रम चालक गुल हसन (45) निवासी गांव मासूमपुर, थाना डिलारी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक अज्ञात महिला ने भी दम तोड़ दिया। सात अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। आरोप है कि सूचना के बावजूद 108 एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंची। ग्रामीणों ने घायलों को निजी वाहनों से सरकारी अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने पर विधायक नवाब जान मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने ग्रामीणों के साथ मिल राहत कार्य शुरू किया। विधायक ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना और घटना पर दुख जताया। साथ ही सीओ से हाईवे पर डंपरों की तेज रफ्तार पर अंकुश लगाने की मांग की। हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया।

'परिवर्तन' बनाम 'जीतबे बांग्ला': बंगाल में पहले चरण के तहत 152 सीटों पर वोटिंग आज, मैदान में 1478 उम्मीदवार

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान आज 23 अप्रैल को 16 जिलों की 152 सीटों पर हो रहा है। भाजपा के पाल्टानो दरकार, चाई बीजेपी सरकार यानी परिवर्तन और तृणमूल कांग्रेस के आबार जीतबे बांग्ला के नारों के बीच सीधी टक्कर है। इस चरण में कुल 1478 उम्मीदवार मैदान में हैं और उत्तर बंगाल, जंगलमहल व राढ़ क्षेत्र को कवर करने वाली यह लड़ाई सत्ता की दिशा तय करने वाली मानी जा रही है। निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए 2,407 कंपनियां केंद्रीय बलों के साथ 10 हजार से अधिक पुलिसकर्मी तैनात हैं। सबसे ज्यादा बल मुर्शिदाबाद में तैनात किया गया है, जहां कुल 316 कंपनियां रहेंगी; इनमें 240 कंपनियां मुर्शिदाबाद पुलिस जिला और 76 कंपनियां जंगीपुर पुलिस जिला में तैनात होंगी। इस बार चुनाव केवल दो चरणों में कराया जा रहा है, जबकि 2021 में आठ चरणों में मतदान हुआ था। चुनाव आयोग का कहना है कि कम चरणों में पूरी प्रक्रिया को तेज और प्रभावी बनाया जा रहा है।

आज शाम चार बजे आएगा यूपी बोर्ड का रिजल्ट, 50 लाख से अधिक छात्रों की धड़कनें बढ़ीं

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद इस वर्ष हाईस्कूल और इंटरमीडिएट का परीक्षा परिणाम पिछले वर्ष की तुलना में तीन दिन पहले 23 अप्रैल को घोषित करेगा। परिणाम बृहस्पतिवार शाम चार बजे निदेशक माध्यमिक शिक्षा डॉ. महेंद्र देव और परिषद के सचिव भगवती सिंह द्वारा जारी किया जाएगा। इस वर्ष बोर्ड परीक्षा में कुल 53,37,778 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें 25,23,112 छात्राएं, 28,14,612 छात्र और 54 ट्रांसजेंडर शामिल हैं। पिछले वर्ष परिणाम 25 अप्रैल को घोषित किया गया था। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 18 फरवरी से शुरू होकर 12 मार्च तक चलीं। इस बार परीक्षाएं 15 दिन में संपन्न हुईं, जबकि वर्ष 2025 में यह अवधि 12 दिन थी। परीक्षा के लिए प्रदेश भर में 8033 केंद्र बनाए गए थे। हाईस्कूल में करीब 26 लाख और इंटरमीडिएट में लगभग 24.50 लाख छात्रों ने परीक्षा दी।

ईमानदारी, मरीजों का सम्मान की देन है जिज्ञासा हॉस्पिटल : डॉ. सी. पी. सिंह

बुलंद मंज़िल से खास बातचीत में बोले जिज्ञासा हॉस्पिटल के डायरेक्टर

दैनिक बुलंद मंज़िल / अंकित गोस्वामी

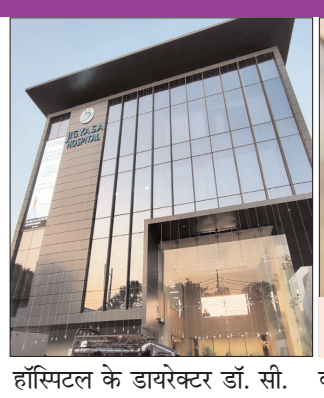

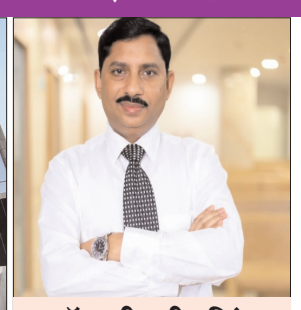

डॉ0 सी. पी. सिंह

मुरादाबाद/शहर । में नए बने प्रसिद्ध जिज्ञासा हॉस्पिटल में मरीजों की सैलाब खूब उमड़ रहा है। रोजाना तकरीबन 100 से 150 मरीजों की ओपीडी हो रही है। करीब 30 से 40 मरीज इमरजेंसी में आ रहे है। तीमरदारों को असुविधा न हो इसके लिए अस्पताल में रैन बसेरा भी तैयार किया गया है। अस्पताल में एक्सरे, एमआरआई, ब्लड, अल्ट्रासाउंड, एंजियोग्राफी की सुविधा भी मरीजों को मिल रही है। साथ ही आयुष्मान कार्ड वाले मरीजों का पांच लाख रूपए तक की इलाज किया जा रहा है। दिल्ली रोड पर मिगलानी सिनमा घर के निकट बने जिज्ञासा हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. सी. पी. सिंह ने बुधवार को बुलंद मंज़िल से खास बातचीत की। अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. सी. पी. सिंह ने बताया कि कामयाबी का सफर चुनौती पूर्ण रहा। ईमानदारी, मेहनत और मरीजों का सम्मान ही जिज्ञासा हॉस्पिटल की देन है। हमने हमेशा मरीजों का सम्मान किया। गरीब मरीजों की सबसे ज्यादा मदद की। यह मेरा तीसरा हॉस्पिटल है। उन्होंने बताया कि हॉस्पिटल में मरीजों को असुविधा न हो सके, इसके लिए अस्पताल में पूर्ण सुविधा है। हर जांच से लेकर ब्लड, एक्सरे, अल्ट्रासाउंड, एंजियोग्राफी भी की जा रही है। तीमरदारों के लिए बैठने, ठहरने के लिए रैन बसेरा भी स्थापित किया गया है। उन्होंने बताया कि 70 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए आयुष्मान कार्ड भी बनवाकर उपचार किया जाता है। मरीजों के साथ आने वाले वाहनों की पार्किंग का भी कोई शुल्क नहीं लिया जाता। हॉस्पिटल में लगभग 11 अन्य अन्य विभागों के स्पेशलिस्ट डॉक्टर मरीजों को परामर्श दे रहे है। हॉस्पिटल में 24 घंटे इमरजेंसी सुविधा है। उन्होंने बताया कि इस वक्त मौसम बदल रहा है। गेहूं की फसल की कटाई चल रही है। बुजुर्ग लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है। मास्क लगाकर रहे। सांस व अस्थमा के मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है। फलों का सेवन और स्वच्छ पानी पिएं।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आचरण ने लोकतंत्र को खतरे में डाला: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के बीच जारी कानूनी जंग में बड़ी टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि कोई मुख्यमंत्री व्यक्तिगत रूप से केंद्रीय एजेंसी की जांच प्रक्रिया में प्रवेश करता है या उसमें बाधा डालता है, तो इसे केवल केंद्र बनाम राज्य का राजनीतिक विवाद मानकर खारिज नहीं किया जा सकता। न्यायालय के अनुसार, यह सीधे तौर पर कानून के शासन और संवैधानिक मर्यादा से जुड़ा विषय है। अदालत ने कहा कि ममता बनर्जी के इस आचरण ने लोकतंत्र को खतरे में डाला है। यह मामला जनवरी 2026 में कोयला घोटाले की जांच के दौरान आई-पैक के कार्यालय और उसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास पर हुई छापेमारी से जुड़ा है। ईडी ने आरोप लगाया था कि छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खुद हस्तक्षेप किया था। वहीं, एजेंसी ने ममता बनर्जी की ओर से की गई इस कार्रवाई को अपनी वैधानिक ड्यूटी में बड़ी बाधा माना है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के रुख पर कड़े सवाल उठाए। शीर्ष अदालत ने कहा कि जब एक संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति किसी सक्रिय तलाशी अभियान वाली जगह पर चला आता है, तो यह जांच एजेंसियों की स्वतंत्रता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। जस्टिस मिश्र ने पश्चिम बंगाल सरकार के अधिवक्ता से पूछा, 'क्या ईडी के अधिकारियों से यह उम्मीद की जाती है कि जब मुख्यमंत्री खुद छापेमारी वाली जगह पर घुस आएं और कार्रवाई को बाधित करें, तो वे मूकदर्शक बनकर खड़े रहें।

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार ने कहा कि यह विवाद केवल केंद्र और राज्य के बीच का नहीं है, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति द्वारा किया गया कृत्य है जो मुख्यमंत्री जैसे उच्च संवैधानिक पद पर बैठकर पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था को चुनौती दे रहा है। राज्य सरकार की ओर से तकनीकी आधार पर अनुच्छेद 32 की वैधता पर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए जस्टिस कुमार ने कहा कि केशवानंद भारती केस से लेकर सीरवाई जैसे महान संविधानविदों ने भी कभी ऐसी स्थिति की कल्पना नहीं की होगी कि भारत में एक दिन ऐसा भी आएगा जब कोई मौजूदा मुख्यमंत्री स्वयं किसी जांच एजेंसी के दफ्तर में घुसकर उसकी वैधानिक प्रक्रिया में इस प्रकार हस्तक्षेप करेगा। अदालत ने एक काल्पनिक स्थिति का उदाहरण भी दिया। सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी के वकील से पूछा कि यदि केंद्र में उनकी सरकार होती और किसी अन्य राज्य का मुख्यमंत्री इसी तरह केंद्रीय एजेंसी की जांच में बाधा डालता, तो उनकी कानूनी प्रतिक्रिया क्या होती?

अनुच्छेद 32 और मौलिक अधिकारों पर बहस

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने दलील दी कि ईडी एक सरकारी विभाग है, कोई व्यक्ति नहीं, इसलिए वह अनुच्छेद 32 के तहत रिट याचिका दायर नहीं कर सकता। इस पर शीर्ष अदालत ने कहा कि ईडी के अधिकारी व्यक्तिगत रूप से भी भारत के नागरिक हैं। यदि उन्हें डराया-धमकाया जाता है या उनकी ड्यूटी करने से रोका जाता है, तो उनके मौलिक अधिकारों का हनन होता है।

क्या है पूरा मामला?

प्रवर्तन निदेशालय का दावा है कि आठ जनवरी 2026 को छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंची थीं। आरोप है कि वहां से जबरन महत्वपूर्ण फाइलें, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और यहां तक कि एक अधिकारी का मोबाइल फोन भी छीन लिया गया। एजेंसी ने इसे अधिकारियों का मनोबल गिराने वाली कार्रवाई बताया। दूसरी ओर, पश्चिम बंगाल सरकार का कहना है कि ईडी का इस्तेमाल चुनाव के समय तृणमूल कांग्रेस की रणनीतिक जानकारी जुटाने के लिए किया जा रहा है। राज्य पुलिस ने तर्क दिया कि उन्हें परिसर में हथियारबंद लोगों के घुसने की सूचना मिली थी, जिसके बाद सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए गए।

राहुल बाबा.. की संगत में बिगड़ी खरगे की भाषा', पीएम मोदी पर बयान से भड़के अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह ने बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आतंकवादी कहने की कड़ी आलोचना की और खरगे की इस भाषा का कारण राहुल गांधी के नकारात्मक प्रभाव को बताया। एक चुनावी रैली में बोलते हुए शाह ने कहा कि जिस नरेंद्र मोदी जी ने आतंकवाद का खात्मा किया, उन्हें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे आतंकवादी कह रहे हैं। राहुल बाबा के आसपास रहने से खरगे जी की भाषा भी बिगड़ने लगी है। राहुल गांधी को सीधे संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि सुनिए, राहुल बाबा.. आप मोदी जी पर जितनी गालियां बरसाएंगे, जितना कीचड़ उछालेंगे, कमल उतना ही अधिक गौरव से खिलेगा, और हम राज्य में यूसीसी (समान नागरिक संहिता) लाएंगे, जिससे तीन तलाक और चार विवाह करने की प्रथा समाप्त हो जाएगी। यह विवाद मंगलवार को तमिलनाडु चुनाव प्रचार के अंतिम दिन खरगे के भाषण के बाद शुरू हुआ, जब उन्होंने एआईएडीएमके के भाजपा के साथ गठबंधन की आलोचना की और प्रधानमंत्री मोदी को समानता में विश्वास न करने वाला आतंकवादी बताया,

जिससे राजनीतिक प्रतिक्रिया हुई। खरगे ने बाद में स्पष्ट किया कि मैंने उन्हें आतंकवादी नहीं कहा.. वे ईडी, सीबीआई और आयकर जैसी एजेंसियों के माध्यम से राजनीतिक विरोधियों को आतंकित कर रहे हैं और कहा कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। भाजपा ने खरगे की टिप्पणियों की निंदा की और माफी की मांग करते हुए चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को निर्वाचन आयोग पहुंचा और उसने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की आतंकवादी संबंधी टिप्पणी के लिए उनके (खरगे) खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस प्रतिनिधिमंडल में निर्मला सीतारमण समेत तीन केंद्रीय मंत्री शामिल थे। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में सीतारमण ने कहा, आज हम आयोग के समक्ष उपस्थित हुए ताकि उसका ध्यान इस ओर आकर्षित किया जा सके कि कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता जैसे प्रतिष्ठित व्यक्ति ने इतने निंदनीय शब्दों का प्रयोग किया है। वित्त मंत्री ने कहा कि चुनावी राज्य तमिलनाडु में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए खरगे ने प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहा जो अत्यंत निंदनीय है।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल

सम्पादकीय

संभल
गुरूवार, 23 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

संपादकीय

कूटनीति के जरिए पेट्रोलियम आपूर्ति को रखा बरकरार

28 फरवरी को ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमले के बाद पूरी दुनिया की चिंता ऊर्जा को लेकर थी। आज की दुनिया ऊर्जा के लिए जीवाश्म तेलों पर सबसे ज्यादा निर्भर है, जिसे हम पेट्रोल और डीजल के रूप में जानते हैं। इसके साथ ही प्राकृतिक गैस भी आज ऊर्जा की बड़ी स्रोत है। ईरान पर हमले के पहले बहुत लोगों ने होमुर्ज जलडमरूमध्य का नाम नहीं सुना था, लेकिन आज हर पढ़ा-लिखा और सचेत शख्स इसे जान गया है। फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित इस संकरे समुद्री रास्ते पर ईरान का कब्जा है। इसके जरिए पूरी दुनिया को आपूर्ति होने वाला बीस प्रतिशत पेट्रोलियम पदार्थ इसी रास्ते से गुजरता रहा है। जहां तक भारत का सवाल है तो ईरान पर हमले के पहले तक भारत आयात होने वाले कच्चे तेल के आधे हिस्से की आपूर्ति इसी रास्ते होती थी। इससे भारत की चिंताएं बढ़ना स्वाभाविक थी। लेकिन भारत ने ना सिर्फ होमुर्ज के जरिए अपनी आपूर्ति को बनाए रखने की कूटनीतिक कोशिशें जारी रखीं, बल्कि वैकल्पिक रास्ते की भी तलाश तेज कर दी। पेट्रोल डीजल आपूर्ति

भारत अपनी पेट्रोलियम जरूरतों का करीब 85 फीसद हिस्सा आयात करता है। इसका आधा हिस्सा होमुर्ज के रास्ते ही आता था। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार होमुर्ज के रास्ते भारत रोजाना ढाई से 2.7 मिलियन बैरल कच्चा तेल आयात करता था। लेकिन ईरान पर हमले के बाद यह घटकर इसका आधा ही रह गया है। वैसे तो होमुर्ज पर ओमान का भी दावा माना जाता है, लेकिन हकीकत में इस जलमार्ग पर पूरी तरह ईरान का दबदबा है। हमले के बाद ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने इस रास्ते पर ना सिर्फ निगरानी बढ़ा दी है, बल्कि सीमित आवाजाही हो ही मंजूरी दी है। भारत को इसकी आशंका थी, इसलिए उसने खाड़ी के देशों से तेल आयात के लिए वैकल्पिक मार्गों पर भी ध्यान देना शुरू कर दिया। संकट के क्षण में भले ही ईरान ने भारत के प्रति सहयोगी रूख अख्तियार कर रखा है, लेकिन भारत ने ह्यकेप ऑफ गुड होपह्न यानी अफ्रीका के दक्षिण से गुजरने वाले जलमार्ग का भी उपयोग बढ़ा दिया है। इस बीच भारत ने कूटनीतिक प्रयास जारी रखा। इसका असर यह हुआ कि ईरान भारतीय जहाजों को होमुर्ज से गुजरने की अनुमति दे रहा है। एलपीजी लदा एक जहाज कोचीन आ चुका है और ऐसे ही कुछ और जहाज तेल और गैस लेकर भारत आ रहे हैं। इस बीच भारत ओमान की खाड़ी से गुजरने वाले जहाजों को अपनी नौसेना के जरिए सुरक्षा दे रहा है। भारत सरकार के अनुसार, भारतीय रिफायनरियों के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है। इस बीच भारत ने रूस से भी कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति बढ़ा दी है। इसका असर यह हुआ है कि भारत में जिस तरह की महंगाई की आशंका थी, वैसी नहीं दिखी। हालांकि उद्योगों के लिए आपूर्ति किए जाने वाले व्यवसायिक गैस सिलिंडर की कीमतें बढ़ा दी गई हैं। तेल की बढ़ती कीमतों और व्यवसायिक गैस की आपूर्ति कम होने के चलते खाने-पीने वाली चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। महानगरों में सर्वसुलभ ठेले की चाय की कीमतें डेढ़ गुनी तक बढ़ चुकी हैं। लेकिन आपूर्ति श्रृंखला जारी रहने के चलते स्थिति खराब नहीं हुई है। जबकि पड़ोसी पाकिस्तान में आधी गाड़ियों को ही सड़कों पर उतरने की अनुमति है, वहां पेट्रोल भारत के मुकाबले करीब ढाई गुनी ऊंची दर पर मिल रहा है। लॉजिस्टिक्स समाधान

पश्चिम एशिया में संकट शुरू होने के बाद कूटनीति की कमान प्रधानमंत्री मोदी ने संभालते हुए युद्ध शुरू होने के महज 48 घंटों के भीतर आठ खाड़ी देशों संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत,ओमान, कतर, जार्डन, ओमान, बहरीन और इजरायल के नेताओं से बात की। इसके साथ ही उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रां और मलयेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहीम से बात की। इस बातचीत का मकसद वैश्विक हालात पर चर्चा के साथ ही भारतीय हितों को सुनिश्चित करना भी था। इस बीच ह्यगल्फ कोऑपरेशन काउंसिलह्न के महासचिव जासेम मोहम्मद अल बुदैवी से फोन पर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बात की है। इस बातचीत का मकसद खाड़ी देशों के इस संगठन के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के साथ ही भावी ऊर्जा संकट से भारत को मुक्ति दिलाने को लेकर रणनीति बनाना भी है। इसके पहले मंत्री हरदीप पुरी ने कतर की यात्रा की थी। दरअसल भारत इन देशों से भी पेट्रोलियम पदार्थों का आयात बढ़ाना चाहता है। भारत की कोशिश ईरान के विकल्प के रूप में अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए दूसरे देशों का भी सहयोग हासिल करने की है।

भारत को अपनी खेती के लिए रासायनिक खाद की भी जरूरत पड़ती है। भारत में खाद उत्पादन के लिए पेट्रोलियम पदार्थों का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है। बेशक रूस से भारत को कच्चा तेल और खाद की सामग्री मिल रही है, लेकिन भारत की कोशिश आपूर्ति को विविधरंगी बनाए रखना है। इसकी वजह यह है कि किसी एक देश पर किसी खास आयात के लिए पूरी तरह निर्भर होना भविष्य में ब्लैकमेलिंग की वजह बन सकता है। भारत के पास आज करीब साठ करोड़ का ऐसा विशाल मध्य वर्ग है, जिसकी खरीद क्षमता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में शायद ही कोई उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादक देश ऐसा होगा, जिसे भारत की जरूरत महसूस नहीं होगी। लेकिन भारत की अपनी जरूरतें भी हैं और यहां लोकतांत्रिक व्यवस्था है। ऐसी व्यवस्था में अगर किसी चीज की गंभीर कमी होती है तो अफरातफरी का माहौल उत्पन्न होना आसान हो जाता है। इससे महंगाई भी बढ़ती है। महंगाई बढ़ने से लोक के बीच नाराजगी बढ़ती है और फिर यह गुस्सा राज व्यवस्था के खिलाफ आंदोलनों के रूप में मुखर होता है। तेल और ईरान संकट को देखते हुए भारत ने कूटनीतिक कार्रवाई करते हुए जिस तरह अपनी जरूरतों के लायक आपूर्ति का संतुलन बनाए रखा है, वह गौर करने लायक है।

वैशाख एवं मेष संक्रांति संस्कृति और नववर्ष

सत्येन्द्र कुमार पाठक

काल–प्रवाह और माधव मास का गौरव भारतीय मनीषा ने काल को केवल अंकों की गणना नहीं, बल्कि चेतना के विस्तार का माध्यम माना है। 'कालोऽस्मि लोकक्षयकृत्प्रवृद्धो' के माध्यम से जिस काल-पुरुष की व्याख्या गीता में की गई है, उसी का एक अत्यंत मनोरम और पुण्यदायी स्वरूप है–वैशाख मास। वैशाख मास, जिसे 'माधव मास' भी कहा जाता है, चांद्रमास की गणना में द्वितीय और सौर गणना के अनुसार नववर्ष का संधिकाल है।

स्कंद पुराण के 'वैशाख माहात्म्य' में उल्लेख है कि जिस प्रकार विद्याओं में वेद, मंत्रों में प्रणव और वृक्षों में कल्पवृक्ष श्रेष्ठ है, उसी प्रकार समस्त मासों में वैशाख श्रेष्ठ है। यह मास ग्रीष्म ऋतु की पराकाष्ठा और मानवीय संवेदनाओं की परीक्षा का समय है।

माधव मास का नामकरण और अधिष्ठाता देव वैशाख मास के अधिष्ठाता देव भगवान मधुसूदन (विष्णु) हैं। 'माधव' शब्द 'मा' (लक्ष्मी) और 'धव' (स्वामी) से बना है, जिसका अर्थ है लक्ष्मी के स्वामी। यह मास भगवान विष्णु को इसीलिए प्रिय है क्योंकि इसमें भक्त अपनी इंद्रियों पर विजय प्राप्त कर परोपकार के कठिन व्रत का पालन करता है। नारद पुराण के अनुसार, ब्रह्माजी ने वैशाख को 'धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष'–इन चारों पुरुषार्थों को देने वाला सिद्ध किया है। इस मास की महिमा का वर्णन देवर्षि नारद ने राजा अम्बरीष से करते हुए कहा था:

न माधव समो मासो न कृतेन समं युगम्। न च वेदसमं शास्त्रं न तीर्थं गंगया समम्॥

वैशाख में सूर्योदय से पूर्व स्नान का विशेष महत्व है। इस समय नदियाँ और जलाशय सूर्य की प्रथम रश्मियों से ऊर्जित होते हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से, सूर्योदय से पूर्व जल में 'विष्णु-तत्व' का वास माना जाता है, जो साधक के शरीर और मन के तामसिक विकारों को नष्ट करता है।

ग्रीष्म के ताप में करुणा का शीतल लेप वैशाख मास की साधना अन्य मासों से भिन्न है। जहाँ कार्तिक में दीपदान की महत्ता है, वहीं वैशाख में 'वारिदान' (जल दान) की प्रधानता है। इसके पीछे गहरा सामाजिक और पारिस्थितिक (एड्ड'ड्ढें') दर्शन छिपा है। शास्त्रों के अनुसार, जो व्यक्ति वैशाख की तपती धूप में प्यासे यात्रियों के लिए प्याऊ (प्रपा) लगवाता है, वह साक्षात त्रिदेवों (ब्रह्मा, विष्णु, शिव) को संतुष्ट करता है। जल दान को 'जीवन दान' के समान माना गया है। छत्र (छाता): धूप से तप्त ब्राह्मण या दीन-दुखियों को छाता दान करने से व्यक्ति यमराज के दण्ड से मुक्त हो जाता है। यह दान छाया और सुरक्षा का प्रतीक है। हाथ से झलने वाला पंखा (बीजना) दान करने से व्यक्ति के जन्म-जन्मांतर के पाप नष्ट हो जाते हैं। वायु तत्व की सेवा विष्णु की सायुज्य मुक्ति दिलाती है। मार्ग में नंगे पाँव चलने वालों को खड़ाऊँ या जूते दान करना यमदूतों

के भय से मुक्ति का साधन माना गया है।

अन्न को 'प्राण' माना गया है। वैशाख में दोपहर के समय आए अतिथि को भोजन कराना विष्णु की सेवा है। अन्नदाता को मनीषी पुरुषों ने पिता के समान माना है क्योंकि वह जीवन की रक्षा करता है। वैशाख की महिमा को सिद्ध करने के लिए पुराणों में वर्णित कथाएँ 'कर्म' और 'फल' के सिद्धांत की व्याख्या करती हैं।

राजा हेमकान्त का उद्धार: एक सूक्ष्म सेवा की शक्ति - वंगदेश के राजा हेमकान्त की कथा इस मास की संवेदनशीलता को दशार्ती है। राजा ने क्रोधवश ऋषि शिष्यों का वध किया और ब्रह्महत्या का पाप मोल लिया। वर्षों तक भटकने के बाद, उन्होंने वन में मूर्छित पड़े महामुनि त्रित की रक्षा की। उन्होंने पलाश के पत्तों का छाता बनाकर मुनि को छाया दी और जल पिलाया। इस एक 'छत्र दान' के प्रभाव से उनके ३०० ब्रह्महत्याओं के दोष भस्म हो गए। इक्ष्वाकु वंश के राजा कीर्तिमान ने अपने राज्य में वैशाख धर्म (प्रातः स्नान और दान) को अनिवार्य कर दिया था। जब पूरी प्रजा वैकुण्ठ जाने लगी और यमलोक खाली हो गया, तब यमराज ने ब्रह्मा जी से शिकायत की। यह आख्यान स्पष्ट करता है कि सामूहिक धर्म-पालन समाज को किस प्रकार ऊर्ध्वगति प्रदान कर सकता है।

: मेष संक्रांति–सौर नववर्ष और बिशुआ का विज्ञान के अनुसार मेष संक्रांति वह क्षण है जब सूर्य अपनी कक्षा बदलते हुए राशि चक्र की प्रथम राशि मेष में प्रवेश करता है। ज्योतिष शास्त्र में सूर्य को 'आत्मा' का कारक माना गया है। मेष राशि सूर्य की उच्च राशि है, जहाँ वे सर्वाधिक बलवान होते हैं। इसी दिन से सौर नववर्ष का आरंभ माना जाता है। खगोलीय रूप से इसे 'महाविषुव' के समीप माना जाता है, जहाँ दिन और रात का संतुलन बदलता है । मगध और उत्तर भारत में इसे 'बिशुआ' या 'सतुआनी' कहा जाता है। 'बिशुआ' शब्द 'विषुव' का अपभ्रंश है। सत्तू का विज्ञानः ग्रीष्म की शुरूआत में सत्तू का सेवन शरीर को ठंडा रखता है और पित्त दोष को शांत करता है। यह ऋतुचर्या (Seasonal Diet) का हिस्सा है। कुम्भ दानः मिट्टी के नए घड़े में जल भरकर दान करना इस बात का प्रतीक है कि हम जल और पृथ्वी तत्वों का संरक्षण कर रहे हैं। संप्रदाय और नववर्ष का वैश्विक परिप्रेक्ष्य में मेष संक्रांति केवल एक धार्मिक तिथि नहीं, बल्कि विभिन्न संस्कृतियों के मिलन का बिंदु है। सौर संप्रदाय और दक्षिण भारत में सूर्य को मुख्य देव मानने वाला सौर संप्रदाय इसे नववर्ष मनाता है। दक्षिण भारत में 'पुथंडु' (तमिलनाडु) और 'विशु' (केरल) के रूप में यह पर्व नव-ऊर्जा का प्रतीक है। बैसाखी और खालसा पंथ में सिख धर्म में मेष संक्रांति (बैसाखी) का ऐतिहासिक महत्व है। १६९९ में इसी दिन गुरु गोविंद सिंह जी ने 'खालसा' की स्थापना की थी। यह अन्याय के विरुद्ध धर्म की विजय का पर्व है।

आज के युग में जहाँ जल संकट और जलवायु परिवर्तन एक बड़ी चुनौती है, वैशाख मास के धर्म हमें पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा देते हैं। जल संरक्षणः प्याऊ लगवाना आज के संदर्भ में जल स्रोतों की रक्षा और प्यासे पशु-पक्षियों के लिए जल की व्यवस्था करना है। वृक्षारोपणः 'छत्र दान' का आधुनिक अर्थ छायादार वृक्ष लगाना है। सामाजिक उत्तरदायित्वः यह मास हमें सिखाता है कि भीषण परिस्थितियों में ही मानवीय करुणा की वास्तविक परीक्षा होती है।

वैशाख मास और मेष संक्रांति का यह पर्व भौतिकवाद से अध्यात्म की ओर लौटने का एक वार्षिक निमंत्रण है। राजा कीर्तिमान की भक्ति, हेमकान्त का उद्धार और सूर्य का मेष राशि में संचरण–ये सभी घटनाएँ मनुष्य को संदेश देती हैं कि जीवन में कठोर तप और निस्वार्थ सेवा ही वह माध्यम है जिससे 'काल' को जीता जा सकता है। वैशाख मास मात्र एक महीना नहीं, बल्कि 'माधव' से मिलने की एक साधना है, जो जल की एक बूंद और श्रद्धा के एक छाते से भी प्रसन्न हो जाते हैं।

अक्षय तृतीया और भगवान परशुराम

सत्येन्द्र कुमार पाठक

अक्षय तृतीया का पर्व भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह दिन न केवल मांगलिक कार्यों के लिए अबूझ मुहूर्त माना जाता है, बल्कि यह भगवान विष्णु के छठे अवतार, भगवान परशुराम के प्राकट्य दिवस (जन्मोत्सव) के रूप में भी मनाया जाता है। वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को 'अक्षय तृतीया' कहा जाता है। शास्त्रों के अनुसार, इस दिन किए गए दान, पुण्य और सत्कर्मों का फल कभी समाप्त (क्षय) नहीं होता, इसलिए इसे 'अक्षय' कहा जाता है। इसी दिन से सतयुग और त्रेतायुग का आरंभ हुआ था। गंगा अवतरणः पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगीरथ के तप से प्रसन्न होकर मां गंगा इसी दिन पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं। अक्षय तृतीया के दिन ही भगवान परशुराम का जन्म हुआ था। उन्हें चिरंजीवी माना जाता है, अर्थात वे आज भी पृथ्वी पर सूक्ष्म रूप में विद्यमान हैं। शास्त्र और शास्त्र का समन्वयः भगवान परशुराम ब्राह्मण कुल में जन्मे थे (शास्त्र के ज्ञाता) लेकिन उनमें क्षत्रिय गुण भी थे (शस्त्र के धारी)। उनका जीवन यह संदेश देता है कि ज्ञान के साथ-साथ शक्ति का होना भी धर्म की रक्षा के लिए आवश्यक है। न्याय के प्रतीकः उन्होंने अहंकारी और अधर्मी राजाओं का दमन कर न्याय की स्थापना की थी। अक्षय तृतीया पर पूजन और परंपराएं भगवान विष्णु और परशुराम जी की संयुक्त रूप से पूजा करने का विधान हैः परशुराम जयंतीः मंदिरों और घरों में परशुराम जी की प्रतिमा का पूजन किया जाता है। कई स्थानों पर शोभायात्राएं निकाली जाती हैं। सतू का दानः अक्षय तृतीया पर सत्तू, घड़ा (मिट्टी का पात्र), पंखा और मौसमी फलों के दान का विशेष महत्व है, जो गर्मी के मौसम में जीव सेवा का प्रतीक है। कृषि उत्सवः ग्रामीण क्षेत्रों में किसान इस दिन को नई फसल और कृषि कार्यों के शुभारंभ के रूप में भी देखते है भगवान परशुराम और अक्षय तृतीया का साथ आना यह दशार्ता है कि जिस प्रकार इस तिथि का फल कभी समाप्त नहीं होता, उसी प्रकार परशुराम जी द्वारा स्थापित धर्म और न्याय के आदर्श भी शाश्वत (अक्षय) हैं।यह दिन हमें अपनी जड़ों, वीरता और सेवा भाव को स्मरण करने का अवसर प्रदान करता है। शाश्वत अस्तित्व भारतीय वाङ्मय में भगवान परशुराम का व्यक्तित्व एक ऐसे महामानव का है, जिन्होंने काल की सीमाओं को लांघकर 'चिरंजीवी' होने का गौरव प्राप्त किया। वैशाख शुक्ल तृतीया को अवतरित यह दिव्य विभूति केवल एक योद्धा नहीं, बल्कि एक महान समाज सुधारक, कृषि विशेषज्ञ, जल-प्रबंधक और शास्त्रवेत्ता थे। उनका जीवन 'अग्रतः चतुरो वेदाः पृष्ठतः सशरं धनुः' के आदर्श को चरितार्थ करता है, जहाँ ज्ञान की

सौम्यता और शस्त्र की प्रखरता का अद्भुत समन्वय है। ऋषि भृगु वंश का गौरव भगवान परशुराम का जन्म सप्तऋषियों में से एक महर्षि जमदग्नि और माता रेणुका के यहाँ हुआ था। वे भृगु ऋषि के वंशज होने के कारण 'भार्गव' कहलाए।

तत्कालीन समय में हैहयवंशी राजा सहस्रार्जुन का आतंक अपनी चरम सीमा पर था। सत्ता के मद में चूर होकर जब सहस्रार्जुन ने महर्षि जमदग्नि के आश्रम का विनाश किया और अंततः उनकी हत्या कर दी, तब परशुराम ने अन्याय के विरुद्ध शस्त्र उठाया। भगवान परशुराम का संघर्ष किसी जाति के विरुद्ध नहीं, बल्कि 'आततायी प्रवृत्ति' के विरुद्ध था। उन्होंने २१ बार पृथ्वी को उन राजाओं से मुक्त किया जो प्रजा का रक्षक बनने के बजाय भक्षक बन गए थे। उन्होंने सत्ता के विकेंद्रीकरण का मार्ग प्रशस्त किया। भारत के मानचित्र पर उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक भगवान परशुराम की उपस्थिति मंदिरों और तीर्थों के रूप में जीवंत है। ये स्थान शोधार्थियों के लिए श्रद्धा और इतिहास के केंद्र हैं। जानापाव कुटी (मध्य प्रदेश) इंदौर के समीप विंध्याचल की पहाड़ियों में स्थित जानापाव को भगवान परशुराम की प्रामाणिक जन्मस्थली माना जाता है। यहाँ से सात नदियाँ निकलती हैं, जो परशुराम जी के प्रकृति प्रेम और जल-प्रबंधन के ज्ञान को दशार्ती हैं। यह स्थान उनकी प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा का केंद्र रहा है। परशुराम कुंड (अरुणाचल प्रदेश) में पूर्वोत्तर भारत में लोहित नदी के तट पर स्थित यह कुंड एक प्रमुख तीर्थ है। यह स्थान भारत की अखंडता का प्रतीक है। मान्यता है कि यहाँ स्नान करने से व्यक्ति पापमुक्त होता है। यह पूर्वोत्तर की जनजातीय संस्कृति और सनातनी परंपरा के मिलन का बिंदु है। परशुराम मंदिर, चिपलून (महाराष्ट्र) कोंकण क्षेत्र में स्थित यह मंदिर प्राचीन वास्तुकला का बेजोड़ नमूना है। परशुराम जी ने अपने बाणों से समुद्र को पीछे हटाकर कोंकण की भूमि का सृजन किया था। यहाँ उनकी उपासना 'कोंकण के रक्षक' के रूप में की जाती है।

भगवान परशुराम की प्रासंगिकता केवल भारत तक सीमित नहीं है। 'वसुधैव कुटुंबकम' के भाव से उनकी शिक्षाएं वैश्विक स्तर पर फैलीं: नेपाल (पशुपतिनाथ क्षेत्र): नेपाल के कई प्राचीन मंदिरों में परशुराम जी की मूर्तियाँ स्थापित हैं। हिमालयी क्षेत्र में उन्हें योगेश्वर और तंत्र शास्त्र के आचार्य के रूप में पूजा जाता है। हाल के वर्षों में काठमांडू और अन्य क्षेत्रों में उन्हें 'मातृभाषा रत्न' के प्रतीक के रूप में भी सम्मानित किया गया है। दक्षिण-पूर्व एशियाः कंबोडिया (अंगकोर वाट) और जावा के प्राचीन शिलालेखों में विष्णु के अवतारों के वर्णन में परशुराम का उल्लेख मिलता है। यह दशार्ता है कि प्राचीन काल में भारतीय न्याय संहिता और शस्त्र विद्या (कलारीपयट्टु) इन देशों तक पहुँची थी।

परशुराम जी को केवल युद्ध से जोड़कर देखना अधूरा शोध होगा। उन्होंने एक नए समाज की नींव रखी जिसके मुख्य स्तंभ थेः पृथ्वी को जीतने के बाद उन्होंने समस्त भूमि स्वयं के उपभोग के लिए नहीं रखी, बल्कि उसे महर्षि कश्यप को दान कर दिया। यह सत्ता के प्रति अनासक्ति का विश्व इतिहास में सबसे बड़ा उदाहरण है। उन्होंने विजयी होकर भी 'त्यागी' की भूमिका चुनी। कोंकण और मालाबार तट पर समुद्र से भूमि प्राप्त करना उनके उन्नत भू-वैज्ञानिक ज्ञान का प्रमाण है। उन्होंने बंजर भूमि को उपजाऊ बनाकर समुदायों को बसाया और उन्हें आत्मनिर्भर बनाया। वे बच्चों और युवाओं के लिए आदर्श गुरु थे। उनकी शिक्षाओं में नैतिक मूल्यों और साहस का समावेश था। आज भी बच्चों के साहित्य में उनके जीवन को 'चरित्र निर्माण' के लिए आधार बनाया जाता है।

अक्षय तृतीया की तिथि और परशुराम जन्मोत्सव का एक साथ होना यह संदेश देता है कि जो कर्म न्याय और धर्म के लिए किए जाते हैं, वे 'अक्षय' (अविनाशी) होते हैं। शाश्वत अस्तित्वः परशुराम 'अष्टचिरंजीवी' में से एक हैं। उनका अस्तित्व यह विश्वास दिलाता है कि सत्य कभी पराजित नहीं होता। अक्षय तृतीया पर दान और पुण्य की परंपरा परशुराम जी के उस त्याग की याद दिलाती है जब उन्होंने पूरी पृथ्वी का दान कर दिया था।

आज के वैश्विक परिप्रेक्ष्य में, जहाँ संघर्ष और असुरक्षा का वातावरण है, परशुराम के सिद्धांत अत्यंत प्रासंगिक हैं:

शक्ति शांति के लिएः शस्त्र का उद्देश्य दमन नहीं, बल्कि रक्षा होना चाहिए। सांस्कृतिक एकताः उन्होंने उत्तर से दक्षिण तक भारत को एक सूत्र में पिरोया। उनका जीवन संदेश देता है कि जब सत्ता निरंकुश हो जाए, तो बौद्धिक वर्ग को समाज की रक्षा के लिए आगे आना चाहिए।

भगवान परशुराम केवल एक पौराणिक पात्र नहीं, बल्कि भारतीय अस्मिता और वैश्विक न्याय के जीवंत स्तंभ हैं। भारत के विभिन्न कोनों में स्थित उनके मंदिर उस अमोघ संकल्प की चौकियाँ हैं जो अधर्म के विनाश की घोषणा करती हैं। उनके वैश्विक उपासना केंद्रों का विस्तार इस बात का प्रमाण है कि न्याय और सत्य की कोई भौगोलिक सीमा नहीं होती।

परशुराम जी का जीवन हमें सिखाता है कि व्यक्ति को शास्त्र (ज्ञान) में पारंगत और शस्त्र (सामर्थ्य) में सक्षम होना चाहिए। अक्षय तृतीया पर उनकी आराधना हमें शक्ति, विवेक और लोक-कल्याण के अक्षय पथ पर चलने की प्रेरणा देती है।

भारतीय वाङ्मय और सनातनी परंपरा में 'समय' को केवल बीतते हुए काल के रूप में नहीं, बल्कि चेतना के विकास के रूप में देखा गया है। इसी चेतना के शिखर पुरुष हैं–भगवान परशुराम। वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की अक्षय तृतीया तिथि को अवतरित यह दिव्य विभूति केवल एक पौराणिक आख्यान नहीं, बल्कि जीवंत और अक्षय ऊर्जा का प्रतीक है। भगवान विष्णु के छठे अवतार के रूप में परशुराम जी का व्यक्तित्व उस 'अष्टचिरंजीवी' परंपरा का हिस्सा है, जो यह संदेश देती है कि आदर्श और मूल्य कभी मरते नहीं, वे युगों-युगों तक मार्गदर्शक बनकर विद्यमान रहते हैं।

परशुराम जी का जीवन 'अग्रतः चतुरो वेदाः पृष्ठतः सशरं धनुः' के उस मंत्र को चरितार्थ करता है, जहाँ ज्ञान (शास्त्र) की सौम्यता और शक्ति (शस्त्र) की प्रखरता का ऐसा संतुलन मिलता है जो लोक-कल्याण के लिए अनिवार्य है । भारतीय मनीषा में भगवान परशुराम का व्यक्तित्व एक ऐसे महामानव का है, जिन्होंने काल की सीमाओं को लांघकर 'चिरंजीवी' होने का गौरव प्राप्त किया। वैशाख शुक्ल तृतीया (अक्षय तृतीया) को अवतरित यह दिव्य विभूति केवल एक योद्धा नहीं, बल्कि एक महान समाज सुधारक, कृषि विशेषज्ञ, जल-प्रबंधक और अद्वितीय शास्त्रवेत्ता थे। उनका जीवन दर्शन 'अग्रतः चतुरो वेदाः पृष्ठतः सशरं धनुः' के आदर्श को चरितार्थ करता है–जहाँ ज्ञान की सौम्यता और शस्त्र की प्रखरता का अद्भुत समन्वय है।

भृगु वंश का गौरव और संघर्ष का दर्शन - महर्षि जमदग्नि और माता रेणुका के पुत्र के रूप में जन्मे परशुराम जी भृगु ऋषि के वंशज होने के कारण 'भार्गव' कहलाए। तत्कालीन समय में सत्ता जब निरंकुश होकर 'आततायी' हो गई, तब उन्होंने शस्त्र उठाया। उनका संघर्ष किसी विशिष्ट जाति के विरुद्ध नहीं, बल्कि उस 'प्रवृत्ति' के विरुद्ध था जो प्रजा का रक्षक बनने के बजाय भक्षक बन गई थी। २१ बार पृथ्वी को अधर्मी राजाओं से मुक्त करने के पश्चात, उन्होंने संपूर्ण भूमि महर्षि कश्यप को दान कर दी। यह सत्ता के प्रति 'अनासक्ति' का विश्व इतिहास में सबसे बड़ा उदाहरण है।

मगध और गयाः पितृ-ऋण और मोक्ष की भूमि - मगध की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक भूमि से परशुराम जी का संबंध अत्यंत भावुक और गहरा है। पितृ-तर्पणः पिता की हत्या के पश्चात, पितृ-ऋण से मुक्ति के लिए उन्होंने गया की फल्गु नदी और विष्णुपद क्षेत्र में पिंडदान किया था। यह घटना गया को सनातनी परंपरा में पितृ-मुक्ति का सर्वोच्च केंद्र बनाने में मील का पत्थर साबित हुई। राजगीर का तपोवनः राजगीर की पहाड़ियों और गर्म जल के कुंडों के समीप उनकी साधना के प्रमाण मिलते हैं। यहाँ उन्होंने 'योगेश्वर' के रूप में अपनी आध्यात्मिक ऊर्जा को पुष्ट किया।अक्षय वट का साम्यः गया का 'अक्षय वट' और अक्षय तृतीया पर जन्मे 'अक्षय' परशुराम, दोनों ही अविनाशी सत्य के प्रतीत है।

मिथिला और वैशाली (बज्जि) के क्षेत्रों में परशुराम जी का स्वरूप एक शिक्षक और व्यवस्थापक का है।

जनकपुर में शिव धनुष भंग के पश्चात श्री राम और परशुराम का मिलन भारतीय संस्कृति का वह बिंदु है जहाँ 'शक्ति' अपना उत्तरदायित्व 'मयार्दा' को सौंपती है। बज्जि संघ की लोकतांत्रिक भावना परशुराम जी के सत्ता-विकेंद्रीकरण के विचार से मेल खाती है। उन्होंने कभी स्वयं राजा बनना स्वीकार नहीं किया, बल्कि समाज को आत्मनिर्भर बनाया था। बिहार के ये अंचल परशुराम जी के 'शस्त्र' और 'शौर्य' पक्ष को उजागर करते हैं। अंगराज कर्ण ने इसी भूमि पर परशुराम जी से अस्त्र-शस्त्र की शिक्षा प्राप्त की थी। मुंगेर के कष्टहरणी घाट की परंपराएं उनके तप से जुड़ी हैं। बक्सर की पवित्र भूमि पर विश्वामित्र और परशुराम की ऋषीय चेतना का मिलन होता है। यहाँ उन्होंने असुरत्व के विनाश की नींव रखी थी।: भोजपुर के शौर्य में परशुराम जी एक ऐसे नायक हैं जो अन्याय के विरुद्ध 'परशु' उठाने में संकोच नहीं करत है।

कैमूर की पहाड़ियों और सोन नद के अंचल में परशुराम जी के भ्रमण के प्रमाण यहाँ की लोकगाथाओं में सुरक्षित हैं।

रोहतास और सासाराम के दुर्गम क्षेत्रों में उन्होंने जन-जातीय समुदायों को संगठित किया और उन्हें रक्षा व कृषि की शिक्षा दी। प्जिस प्रकार जानापाव (म.प्र.) में उन्होंने जल-प्रबंधन किया, उसी प्रकार सोन और कर्मनाशा के जल संचयन के प्रति उनकी चेतना इन क्षेत्रों में आज भी प्रासंगिक है।

परशुराम जी की प्रासंगिक भौगोलिक सीमाओं से परे है। नेपालः काठमांडू के पशुपतिनाथ क्षेत्र में उन्हें 'योगेश्वर ' के रूप में सम्मान प्राप्त है। दक्षिण-पूर्व एशियाः कंबोडिया (अंगकोर वाट) और जावा के शिलालेखों में उनके अवतार की महिमा अंकित है, जो प्राचीन भारतीय न्याय संहिता के विस्तार को दशार्ती है। भगवान परशुराम जी को केवल युद्ध से जोड़ना उनके साथ अन्याय होगा। वे एक 'भूमि सुधारक' थे। कोंकण का सृजनः समुद्र को पीछे हटाकर कृषि योग्य भूमि तैयार करना उनके उन्नत भू-वैज्ञानिक ज्ञान का प्रमाण है।: उन्होंने बंजर भूमि को उपजाऊ बनाकर समुदायों को आत्मनिर्भर बनाया। वे बच्चों के लिए ऐसे 'आदर्श गुरु' थे जिन्होंने चरित्र निर्माण को ही शिक्षा का मूल माना। अक्षय तृतीया की तिथि यह संदेश देती है कि जो कर्म न्याय और धर्म के लिए किए जाते हैं, वे 'अक्षय' (अविनाशी) होते हैं। आज के वैश्विक परिप्रेक्ष्य में, जहाँ संघर्ष का वातावरण है, परशुराम के तीन सिद्धांत अत्यंत आवश्यक हैं: शक्ति शांति के लिए: शस्त्र का उद्देश्य दमन नहीं, बल्कि रक्षा होना चाहिए। उन्होंने उत्तर से दक्षिण तक भारत को एक सांस्कृतिक सूत्र में पिरोया। जब सत्ता निरंकुश हो जाए, तो विद्वानों को समाज की रक्षा के लिए नेतृत्व करना चाहिए। भगवान परशुराम केवल एक पौराणिक पात्र नहीं, बल्कि भारतीय अस्मिता और वैश्विक न्याय के जीवंत स्तंभ हैं। मगध की ऐतिहासिकता, मिथिला की विद्वत्ता और भोजपुर-अंग की वीरता–इन सबके मूल में परशुराम जी की अक्षय चेतना विद्यमान है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि व्यक्ति को शास्त्र (ज्ञान) में पारंगत और शस्त्र (सामर्थ्य) में सक्षम होना चाहिए ताकि समाज में धर्म की स्थापना हो सके।

प्रमुख संदर्भ ब्रह्मांड पुराणः भार्गव चरित (परशुराम जी के अवतार और कार्यों का विस्तृत वर्णन)। श्रीमद्भागवत महापुराणः नवम स्कंध (हैहयवंश विनाश और सत्ता का त्याग)। महाभारतः शांति पर्व (राजधर्म अनुशासन) (भीष्म और कर्ण के साथ संवाद)। क्षेत्रीय गजेटियरः बिहार (गया, रोहतास, मुंगेर), मध्य प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश के ऐतिहासिक पर्यटन दस्तावेज।समकालीन शोधः मगध एवं कोंकण का ऐतिहासिक भूगोल - क्षेत्रीय भाषाओं और लोक साहित्य में परशुराम जी का चित्रण। राजकीय अभिलेखः नेपाल के पशुपतिनाथ क्षेत्र और कंबोडिया के शिलालेख

होमगार्ड भर्ती परीक्षा पर प्रशासन का सख्त पहरा—डीएम-एसपी ने कसे इंतजाम, 28 हजार से ज्यादा अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

दैनिक बुलंद मंज़िल/
असलम सैफी जिला प्रभारी

डीएम-एसपी होमगार्ड परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते हुए

अमरोहा। जनपद में होने जा रही होमगार्ड भर्ती परीक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आ रहा है। परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और नकलविहीन बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डाक्टर नितिन गौड़ और पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने स्वयं मैदान में उतरकर तैयारियों का जायजा लिया। दोनों अधिकारियों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को परखा और संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान आईएम इंटर कॉलेज, जेएस हिंदू इंटर कॉलेज और जेएस हिंदू पीजी कॉलेज के ब्लॉक-ए व ब्लॉक-बी समेत प्रमुख केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी और स्ट्रांग रूम की व्यवस्थाओं को बारीकी से जांचा गया। अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि परीक्षा पूरी तरह नकलविहीन और शुचितापूर्ण होनी चाहिए, इसके लिए हर स्तर पर सतर्कता अनिवार्य है। सीसीटीवी कंट्रोल रूम को लगातार सक्रिय रखने और हर गतिविधि पर नजर बनाए रखने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी डाक्टर नितिन गौड़ ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, स्वच्छता, निर्बाध विद्युत आपूर्ति और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि परीक्षा का आयोजन शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से कराया जाना प्रशासन की प्राथमिकता है। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सख्ती दिखाते हुए कहा कि परीक्षा केंद्रों के आसपास यातायात प्रबंधन दुरुस्त रखा जाए। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए पार्किंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या गड़बड़ी पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि जनपद में यह परीक्षा 25, 26 और 27 अप्रैल को आयोजित की जाएगी। कुल 10 परीक्षा केंद्रों पर प्रतिदिन दो पालियों में परीक्षा संपन्न होगी। प्रत्येक पाली में 4704 अभ्यर्थी शामिल होंगे, इस प्रकार कुल 28,224 परीक्षार्थी इस भर्ती परीक्षा में भाग लेंगे। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगी। परीक्षा के लिए जिन केंद्रों को निर्धारित किया गया है उनमें राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, कुंदन मॉडल इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज, एकेके इंटर कॉलेज, आईएम इंटर कॉलेज, जेएस हिंदू इंटर कॉलेज, जेएस हिंदू पीजी कॉलेज (ब्लॉक-ए व बी), भगवत सरन इंटर कॉलेज जोया और सिख इंटर कॉलेज नारंगपुर शामिल हैं। इस मौके पर जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. प्रवेश कुमार, संबंधित विद्यालयों के प्राचार्य और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। कुल मिलाकर प्रशासन ने परीक्षा को लेकर पूरी तैयारी कर ली है और अब नजरें शांतिपूर्ण व पारदर्शी आयोजन पर टिकी हैं।

पुलिस चौकी के सामने धड़ले से चल रहा अवैध खनन वीडियो वायरल

दैनिक बुलंद मंज़िल

पुलिस चौकी के सामने से मिट्टी से भरा ट्रैक्टर डंपर निकलते हुए

रहरा। मंगलवार की रात का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें रहरा थाना क्षेत्र की जल्लोपुर पुलिस चौकी के आसपास अवैध खनन का खेल बेखौफ चलता दिखाई दे रहा है। वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि पुलिस चौकी से करीब 100 मीटर की दूरी पर अवैध खनन चल रहा है और मिट्टी से लदे ट्रैक्टर-ट्रॉलियां सीधे चौकी के गेट के सामने से गुजरते नजर आ रहे हैं। वायरल फुटेज में रात के सन्नाटे को चीरते हुए वाहनों की लगातार आवाजाही दिख रही है। एक के बाद एक ट्रैक्टर-ट्रॉली चौकी के सामने से निकलती हैं, जिससे यह सवाल उठता है कि आखिर इतनी नजदीक हो रही इस गतिविधि से जिम्मेदार कैसे अनजान रहे? स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कोई एक रात की बात नहीं, बल्कि लंबे समय से चल रहा सिलसिला है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस पूरे मामले में बिना किसी ह्लमिलीभगतह्व के इतना खुला खेल संभव नहीं लगता। हालांकि इन आरोपों की पुष्टि आधिकारिक रूप से नहीं हुई है, लेकिन वायरल वीडियो ने संदेह को और गहरा जरूर कर दिया है। लोगों का कहना है कि जब पुलिस के सामने ही नियमों की अनदेखी हो रही हो, तो आम जनता का भरोसा कमजोर पड़ना स्वाभाविक है। सूत्रों के अनुसार, रात के अंधेरे में मिट्टी का यह कारोबार तेजी से फल-फूल रहा है, जिससे न सिर्फ राजस्व को नुकसान पहुंच रहा है बल्कि पर्यावरणीय नियमों की भी अनदेखी हो रही है। हैरानी की बात यह है कि चौकी के सामने से गुजरते ट्रैक्टर-डंपरों पर कोई रोक-टोक नजर नहीं आई। जिला खनन अधिकारी के बी सिहं ने बताया वायरल वीडियो का मामला संज्ञान में नहीं है जांच कर कार्रवाई की जाएगी

100% दृष्टिहीन क्रिकेटर बने ह्यमैन ऑफ द सीरीजह्व, अब खेल कोटे से नौकरी और राजकीय सम्मान की उठी मांग

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा। अमरोहा की धरती ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि यहां प्रतिभा की कोई कमी नहीं है—चाहे हालात कितने भी चुनौतीपूर्ण क्यों न हों। 100% दृष्टिहीन होने के बावजूद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करने वाले क्रिकेटर देवराज पाल ने जिले का नाम रोशन कर दिया है। बेंगलुरु में आयोजित ह्लसमर्थ क्रिकेट चैंपियनशिप फॉर ब्लाइंड 2025ह्व में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने बी-वन श्रेणी (पूर्ण दृष्टिहीन) में ह्लमैन ऑफ द सीरीजह्व का खिताब अपने नाम किया। देवराज की इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद अब जनपद में उनके सम्मान और भविष्य को लेकर आवाजें बुलंद हो रही हैं। सामाजिक संगठनों और खेल प्रेमियों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि देवराज पाल को खेल कोटे के तहत सरकारी नौकरी दिलाने के लिए शासन को विशेष अनुशंसा भेजी जाए। उनका कहना है कि उत्तर प्रदेश सरकार की खेल नीति के अनुसार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सीधी भर्ती का लाभ मिलना चाहिए, और देवराज इस सम्मान के पूर्ण हकदार हैं। केवल नौकरी ही नहीं, बल्कि उन्हें राजकीय सम्मान देने की भी मांग उठी है। प्रस्ताव रखा गया है कि स्वतंत्रता दिवस जैसे किसी बड़े मंच पर उन्हें ह्लअमरोहा रत्नह्व से सम्मानित किया जाए, ताकि उनकी उपलब्धि को पूरे जिले के सामने गौरव के साथ प्रस्तुत किया जा सके। इसके साथ ही जिला खेल विभाग से उन्हें नगद पुरस्कार राशि प्रदान करने की भी अपील की गई है। देवराज पाल की कहानी संघर्ष और जुनून की मिसाल है। आर्थिक चुनौतियों के बीच रहते हुए उन्होंने अपने खेल को निखारा और अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचे। उनकी सफलता यह साबित करती है कि सीमाएं केवल शरीर की होती हैं, हौसलों की नहीं। स्थानीय स्तर पर उनके प्रशिक्षण और खेल संसाधनों को लेकर भी चिंता जताई गई है। मांग की गई है कि उन्हें आधुनिक खेल किट, कोचिंग और बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि वह भविष्य में और भी बड़े मुकाम हासिल कर सकें। अमरोहा, जो अब तक अपनी कृषि और पारंपरिक ढोलक उद्योग के लिए जाना जाता रहा है, आज देवराज पाल जैसे खिलाड़ियों के कारण खेल मानचित्र पर भी अपनी पहचान बना रहा है। यदि प्रशासन और सरकार की ओर से उन्हें उचित सहयोग मिलता है, तो यह न केवल देवराज के लिए बल्कि पूरे जनपद के युवाओं के लिए एक नई प्रेरणा बनेगा। अब नजरें जिला प्रशासन पर टिकी हैं—क्या अमरोहा का यह ह्लकोहिनूरह्व अपने ही जिले में वह सम्मान और सहारा पाएगा, जिसका वह हकदार है?

कोर्ट के आदेश पर जागी हसनपुर पुलिस : 15 महीने बाद सड़क हादसे में दर्ज हुआ मुकदमा

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा। कोतवाली हसनपुर क्षेत्र का एक सड़क हादसा अब न्यायिक हस्तक्षेप के बाद सुर्खियों में आ गया है। गांव जयतौली निवासी मौहम्मद यामीन ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि 13 जनवरी 2025 को हुए गंभीर सड़क हादसे के बावजूद पुलिस ने कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की। अब न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित मौहम्मद यामीन के अनुसार, वह 13 जनवरी 2025 की शाम करीब 5 बजे गांव के ही फजलू के साथ पैदल रूसतमपुर और गांगटकोला के बीच सड़क पर जा रहे थे। इसी दौरान हरियाणा नंबर की एक तेज रफ्तार कार ने लापरवाही से गलत दिशा में आकर उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना गंभीर था कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों—मारूफ और प्रेम सिंह सहित अन्य लोगों ने घायलों को तुरंत सरकारी अस्पताल हसनपुर पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल अमरोहा रेफर कर दिया गया। हादसे में यामीन के बाएं हाथ और कूल्हे की हड्डी टूट गई, जबकि फजलू के दोनों पैर और हंसली में फ्रैक्चर हो गया। पीड़ित का आरोप है कि घटना की सूचना तत्काल थाना हसनपुर पुलिस को दी गई थी। पुलिस ने आश्वासन दिया कि कार्रवाई की जा रही है, लेकिन न तो रिपोर्ट दर्ज की गई और न ही आरोपी चालक या वाहन मालिक की जानकारी दी गई। इतना ही नहीं, आरोप है कि पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेने के बाद बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के छोड़ भी दिया। इलाज के बाद यामीन कई बार थाने के चक्कर काटते रहे, लेकिन हर बार उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिला। थक-हारकर उन्होंने पुलिस अधीक्षक अमरोहा को भी प्रार्थना पत्र भेजा, लेकिन वहां से भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। आखिरकार न्याय पाने के लिए उन्होंने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायिक मजिस्ट्रेट हसनपुर ने पुलिस को कड़ी टिप्पणी के साथ आदेश दिया कि तत्काल मुकदमा दर्ज कर निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए। कोर्ट के आदेश के बाद अब थाना हसनपुर पुलिस ने संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। इस घटना ने एक बार फिर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अगर पीड़ित समय रहते न्यायालय न पहुंचता, तो संभवतः यह मामला भी ठंडे बस्ते में चला जाता। फिलहाल, अब देखना यह होगा कि जांच में आरोपी चालक और वाहन मालिक तक पुलिस कितनी जल्दी पहुंच पाती है और पीड़ित को न्याय कब तक मिल पाता है।

गजरौला में विवाहिता से मारपीट, तीन तलाक का आरोप—मुकदमा दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

गजरौला। थाना क्षेत्र के मछली मंडी अल्लीपुर में एक विवाहिता के साथ ससुराल पक्ष द्वारा मारपीट और तीन तलाक देने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रोशनजहां पत्नी सलीम, जो कि वर्तमान में अपने मायके मछली मंडी अल्लीपुर में रह रही हैं, ने थाना गजरौला में दी गई लिखित तहरीर में बताया कि उनकी शादी वर्ष 2014 में मुस्लिम रीति-रिवाज के अनुसार सलीम पुत्र मोहम्मद यासीन निवासी नई बस्ती, नौगांवा सादात के साथ हुई थी। कुछ समय से पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा था, जिसके चलते वह अपने मायके में आकर रहने लगी थीं। पीड़िता के अनुसार दिनांक 19 अप्रैल को सुबह करीब 11 बजे उनके पति सलीम अपने दो भाइयों वसीम और हसमुद्दीन तथा एक महिला अफसाना के साथ उनके मायके पहुंचे। आरोप है कि आते ही सभी ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और विरोध करने पर लात-घूंसों से मारपीट की। इसी दौरान उनके पति सलीम ने ह्लतलाकह्व कहकर उन्हें तलाक दे दिया। घटना के दौरान घर में पीड़िता की मां शबाना और भाई रिजवान भी मौजूद थे, जिन्होंने बीच-बचाव करने की कोशिश की। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर एकत्र हो गए। भीड़ जुटती देख आरोपी मौके से फरार हो गए, लेकिन जाते-जाते पीड़िता और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दे गए। पीड़िता ने मंगलवार को थाना गजरौला पहुंचकर पूरे मामले की लिखित शिकायत दी और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया गया है। मेडिकल परीक्षण व साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं समाज में कानून-व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। वहीं, पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे।

नाबालिग से दुष्कर्म और जबरन गर्भपात मामले में मुख्य आरोपी की बहन गिरफ्तार ; जीजा और चिकित्सक पुलिस की पकड़ से दूर

दैनिक बुलंद मंज़िल

नाबालिक किशोरी का गर्भपात कराने वाली पुलिस की गिफ्त में आरोपी महिला

आदमपुर। थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म और फिर जबरन उसका गर्भपात कराने के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने मुख्य आरोपी निर्विकार की बहन कुसुम को गिरफ्तार कर न्यायलय में पेश किया है। हालांकि, इस मामले में शामिल आरोपी का जीजा और गर्भपात करने वाली युवतियाँ अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। मामला करीब छह माह पूर्व का है, जब थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 14 वर्षीय नाबालिग किशोरी जंगल में चारा लेने गई थी। नाबलिग किशोरी के पिता ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया था कि थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी निर्विकार पुत्र सतपाल ने उसे जबरन दबोच लिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने किसी को बताने पर किशोरी को जान से मारने की धमकी दी और डरा-धमकाकर लगातार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए, जिससे किशोरी गर्भवती हो गई। किशोरी के गर्भवती होने की जानकारी मिलने पर मुख्य आरोपी निर्विकार ने अपनी बहन कुसुम और बहनोई अशोक को बुला लिया। परिजनों के अनुसार, ये लोग पहले किशोरी को बहला-फुसलाकर हसनपुर के एक निजी अस्पताल ले गए, लेकिन वहां चिकित्सकों ने गर्भपात करने से मना कर दिया। इसके बाद आरोपी उसे अवैध रूप से क्लीनिक चला रही युवतियों के पास ले गए, जहाँ 28 मार्च को किशोरी की मर्जी के बिना उसका जबरन गर्भपात करा दिया गया। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने निर्विकार, उसकी बहन कुसुम और बहनोई अशोक समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 3 अप्रैल को मुख्य आरोपी निर्विकार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। थाना अध्यक्ष कोमल तोमर ने बताया कि अब पुलिस ने उसकी बहन कुसुम को भी गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहाँ से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस मामले में पुलिस अभी तक मुख्य आरोपी के बहनोई और अवैध रूप से गर्भपात करने वाली महिला चिकित्सक को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। पीड़ित परिजनों ने पुलिस प्रशासन से गुहार लगाई है कि शेष दोनों अपराधियों को जल्द से जल्द सलाखों के पीछे भेजा जाए ताकि पीड़िता को न्याय मिल सके। पुलिस टीम लगातार फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है।

अल्टासाउंड करने वाले चिकित्सक पर कब होगी कार्रवाई

दैनिक बुलंद मंज़िल
अमरोहा ब्यूरो। अभी नाबालिग किशोरी के अल्ट्रासाउंड करने वाले चिकित्सक पर कार्रवाई के लिए परिवार के निगाहें टिकी हैं उनका कहना है कि अगर अल्ट्रासाउंड करने वाला चिकित्सा परिजनों को इसकी सूचना अगर दी जाती तो किशोरी का गर्भपात नहीं होता लेकिन अल्ट्रासाउंड करने वाले चिकित्सक ने मोटी रकम लेकर किशोरी का अल्ट्रासाउंड कर रिपोर्ट को छुपाया सूत्रों के अनुसार नाबालिक किशोरी का अल्ट्रासाउंड हसनपुर में स्थित एक अल्ट्रासाउंड सेंटर पर हुआ था।

डीसीबी बदलने के कारण रहरा में आज सात घंटे की बिजली आपूर्ति रहेगी बंद

दैनिक बुलंद मंज़िल

रहरा। क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए आज का दिन थोड़ी असुविधा लेकर आने वाला है। 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र रहरा पर निर्धारित तकनीकी कार्य के चलते सुबह 9:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इस दौरान उपकेंद्र पर डीसीबी (डिस्ट्रिब्यूशन कंट्रोल ब्रेकर) बदलने का महत्वपूर्ण कार्य किया जाएगा, जिससे भविष्य में बिजली आपूर्ति को अधिक सुचारू और सुरक्षित बनाया जा सके। बिजली विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यह कार्य नियमित रखरखाव का हिस्सा है, जिसे समय-समय पर करना आवश्यक होता है। डीसीबी बदलने से ओवरलोडिंग और तकनीकी खामियों की समस्या में कमी आएगी, जिससे उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा मिल सकेगी। हालांकि, इस कार्य के चलते क्षेत्र में करीब सात घंटे तक बिजली नहीं रहेगी, जिससे दैनिक जीवन प्रभावित हो सकता है। गर्मी के मौसम को देखते हुए बिजली कटौती उपभोक्ताओं के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकती है, खासकर पेयजल आपूर्ति और घरेलू कार्यों पर इसका असर पड़ सकता है। ऐसे में विभाग ने सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे पहले से ही पानी और अन्य जरूरी सुविधाओं की वैकल्पिक व्यवस्था कर लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यदि यह कार्य समय पर और सही तरीके से पूरा हो जाता है, तो भविष्य में बार-बार होने वाली बिजली कटौती से राहत मिल सकती है। वहीं, कुछ लोगों ने मांग की है कि विभाग इस तरह के कार्यों की सूचना और पहले दे, ताकि लोग बेहतर तैयारी कर सकें।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
अमरोहा
संभल
गुरूवार, 23 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

आतिशबाजी के दौरान चिंगारी से पशुशाला में लगी भीषण आग, चार बेजुबान झुलसे

दैनिक बुलंद मंज़िल

रहरा। थाना क्षेत्र के गांव खेलिया पट्टी में खुशियों का माहौल उस वक्त चीख-पुकार में बदल गया, जब बारात की वापसी के बाद की जा रही आतिशबाजी ने किसान सुरेश पुत्र झंडू की दुनिया उजाड़ दी। घर में दुल्हन के स्वागत और पूजन की रस्में चल रही थीं, चारों ओर जश्न का माहौल था और रिश्तेदार उत्साह में आतिशबाजी कर रहे थे। लेकिन इसी दौरान एक चिंगारी पास ही स्थित पशुशाला पर जा गिरी और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की लपटें उठती देख गांव में हड़कंप मच गया। लोग बाल्टियों और पानी के पाइप लेकर आग बुझाने के लिए दौड़े, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था। पशुशाला में बंधे 4 बेजुबान पशु भैंस आग की चपेट में आ गए और बुरी तरह झुलस गए। मवेशियों की दर्दनाक हालत देखकर मौके पर मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। पीड़ित किसान बेटा राहुल कुमार ने बताया कि उन्होंने हाल ही में 75 हजार रुपये में एक भैंस खरीदी थी, जो इस हादसे में गंभीर रूप से झुलस गई। इसके अलावा उनकी तीन अन्य भैंसें और दो लवारें भी आग में झुलस गए। उन्होंने बताया कि यह उनकी आजीविका का मुख्य सहारा था और इस घटना से उन्हें भारी आर्थिक क्षति उठानी पड़ी है। घटना की सूचना मिलते ही रहरा थाना पुलिस और पशुपालन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। डॉक्टरों की टीम झुलसे हुए पशुओं के इलाज में जुट गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और ग्रामीणों से घटना के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि खुशियों के जश्न में बरती जाने वाली लापरवाही किस तरह बड़ी त्रासदी का रूप ले सकती है। गांव में अब जहां एक ओर शादी की खुशियों की यादें थीं, वहीं दूसरी ओर इस हादसे ने गहरा सन्नाटा और चिंता का माहौल छोड़ दिया है। उधर पूरे गांव में चर्चा है कि आतिशबाजी करने वाले युवक पर कोई लाइसेंस नहीं है वह अवैध रूप से आतिशबाजी छोड़ता है। थाना प्रभारी निरीक्षक रहरा अखिलेश कुमार प्रधान ने बताया कि घटना हुई है पुलिस मौके पर पहुंची अगर तहरीर मिलती है तो कार्रवाई की जाएगी।

ट्रांसफार्मर की चिंगारी से किसान की ढाई बीघा गेहूं की फसल जलकर हुई राख

दैनिक बुलंद मंज़िल

डिडौली। थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव पतेई खालसा में मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे ने किसान की महीनों की मेहनत को चंद मिनटों में राख कर दिया। करीब 3:30 बजे खेतों के पास लगे ट्रांसफार्मर से अचानक निकली चिंगारी ने खड़ी गेहूं की फसल को अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और करीब ढाई बीघा गेहूं की फसल जलकर पूरी तरह नष्ट हो गई। पीड़ित किसान वीरपाल पुत्र करन सैनी की मानें तो यह फसल उसकी सालभर की उम्मीदों का सहारा थी, जो अब राख में तब्दील हो चुकी है। आग लगते ही ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोग बाल्टी, पाइप और अन्य संसाधनों के सहारे मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। ग्रामीणों का आरोप है कि इलाके में लगे ट्रांसफार्मर लंबे समय से जर्जर हालत में हैं और उनसे अक्सर चिंगारी निकलती रहती है। कई बार शिकायत के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिसका खामियाजा अब किसान को भुगतना पड़ा है। इस घटना ने बिजली विभाग की लापरवाही पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं, क्षेत्रीय बिजलीघर के जूनियर इंजीनियर (जेई) यासीर अराफात का कहना है कि फिलहाल कोई तार टूटने की पुष्टि नहीं हुई है। मामले की जांच की जा रही है और जांच के बाद ही आग लगने के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। इस घटना के बाद पीड़ित किसान ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है, ताकि उसे हुए नुकसान की कुछ भरपाई हो सके। साथ ही ग्रामीणों ने भी प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में लगे पुराने और खराब ट्रांसफार्मरों की जल्द मरम्मत या बदलने की व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। यह हादसा एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर करता है कि यदि समय रहते व्यवस्थाओं को दुरुस्त नहीं किया गया, तो किसानों की मेहनत यूं ही आग की भेंट चढ़ती रहेगी।

बारात से लौट रहे युवक पर बीच सड़क हमला, लाठी-डंडों से पीटा, रिपोर्ट दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा। हसनपुर क्षेत्र में मंगलवार शाम एक व्यक्ति पर कुछ युवकों द्वारा लाठी-डंडों से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर चार नामजद आरोपियों सहित अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गजरौला थाना क्षेत्र के ग्राम चाकी खेड़ा निवासी पवन कुमार 21 अप्रैल को अपने बच्चे आरव के साथ ग्राम सहसोली में एक बारात में शामिल होने गए थे। शाम करीब 6 बजे वह अपनी कार से वापस घर लौट रहे थे। आरोप है कि जैसे ही वह हिमांशु गैस एजेंसी के पास पहुंचे, तभी पीछे से बाइक पर सवार कुछ युवक उनकी कार के आगे आकर रुक गए और गाली-गलौज करने लगे। पवन कुमार ने जब इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उन पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में पवन के नाक और कंधे पर चोटें आईं। पीड़ित के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके की ओर दौड़े, जिन्हें आता देख हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना के तुरंत बाद पीड़ित ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। बाद में आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और स्थानीय लोगों की मदद से आरोपियों की पहचान की गई। तहरीर में सुमित पुत्र ब्रजलाल उर्फ बिल्लू, अभिषेक पुत्र राजपाल उर्फ राजू, बिजेंद्र पुत्र ऋषिपाल निवासी ग्राम आगापुर तथा अंकित पुत्र राजवीर निवासी ग्राम सहसोली को नामजद किया गया है। पीड़ित ने बताया कि अन्य अज्ञात लोग भी हमले में शामिल थे। पुलिस ने पीड़ित का मेडिकल परीक्षण कराते हुए संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना हसनपुर पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।

लोक अदालत से न्याय की राह : पुलिस-प्रशासन ने कसी कमर

दैनिक बुलंद मंज़िल/असलम सैफी जिला प्रभारी

लोक अदालत की रणनीति पर चर्चा करते प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी

अमरोहा। आगामी 09 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए प्रशासन ने पूरी ताकत झोंक दी है। इसी क्रम में पुलिस क्षेत्राधिकारियों की एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें न्यायिक और प्रशासनिक अधिकारियों ने मिलकर रणनीति तैयार की। जिला जज एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष विवेक के निर्देशन में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता प्राधिकरण के सचिव अभिषेक कुमार व्यास ने की। बैठक में जिले के सभी पुलिस क्षेत्राधिकारी मौजूद रहे और लोक अदालत को प्रभावी बनाने के लिए जरूरी बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। सचिव अभिषेक कुमार व्यास ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि न्यायालय से जारी नोटिसों और समनों की तामीला हर हाल में समय से कराई जाए। उन्होंने कहा कि लोक अदालत की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि अधिक से अधिक पक्षकार समय पर उपस्थित हों, इसलिए तामीला प्रक्रिया में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में यह भी तय किया गया कि जिन मामलों को लोक अदालत में शामिल किया जाना है, उनकी सूची तैयार कर प्राथमिकता के आधार पर नोटिसों की तामीला सुनिश्चित की जाए। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि तामीला की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं, नोडल अधिकारी ज्योति चौधरी ने भी तैयारियों का जायजा लिया और संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लोक अदालत आम जनता के लिए सस्ता, सुलभ और त्वरित न्याय का सशक्त माध्यम है, जिसमें आपसी सहमति से मामलों का निस्तारण होता है। इससे न केवल समय की बचत होती है बल्कि आर्थिक बोझ भी कम होता है। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि लंबित मामलों के पक्षकारों को अधिक से अधिक संख्या में लोक अदालत में शामिल होने के लिए प्रेरित किया जाए, ताकि ज्यादा से ज्यादा मामलों का निपटारा हो सके। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया और लोक अदालत को सफल बनाने के लिए रणनीति पर गंभीर मंथन किया गया।

गहरी नींद में सोता रहा परिवार, चोर संदूक समेत 70 हजार नकदी व कीमती जेवरात लेकर फरार

दैनिक बुलंद मंज़िल/ सर्वेश यादव

चोरी की घटना की जानकारी करती हुए पुलिस

अमरोहा। हसनपुर कोतवाली क्षेत्र में चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित परिवार ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अब्दुल्ला कॉलोनी उर्फ मुबारकपुर कलां निवासी छिद्दा पुत्र बशीर मंगलवार को किसी काम से अपने रिश्तेदारी में गए हुए थे। उनका मकान कस्बा हसनपुर से बाहर एकांत स्थान पर स्थित है। मंगलवार रात घर में उनकी पत्नी जैनब, पुत्र अनस तथा रिश्तेदार हारिश मौजूद थे। सभी लोग रात में सो गए। बुधवार सुबह जब परिवार के लोग जागे तो घर का सामान बिखरा हुआ मिला। अलमारी और अन्य सामान अस्त-व्यस्त देखकर उन्हें चोरी का अंदेशा हुआ। इसके बाद बेटे अनस ने अपने पिता को फोन कर घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही छिद्दा तुरंत घर पहुंचे और हालात देखकर सन्न रह गए। पीड़ित के अनुसार, अज्ञात चोर रात के दौरान घर में घुस आए और एक संदूक उठाकर ले गए। इसके साथ ही अलमारी में रखी करीब 70 हजार रुपये की नगदी और लाखों रुपये के कीमती आभूषण भी चोरी कर लिए। घटना के बाद परिवार में दहशत का माहौल है। पीड़ित ने बताया कि उनका मकान एकांत में होने के कारण चोरों ने आसानी से वारदात को अंजाम दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र में रात्रि गश्त की कमी के चलते इस तरह की घटनाएं बढ़ रही हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और घटनास्थल का निरीक्षण किया। हालांकि अभी तक चोरों का कोई सुराग नहीं लग सका है। पीड़ित परिवार ने कोतवाली हसनपुर में तहरीर देकर चोरी का मुकदमा दर्ज कर जल्द से जल्द चोरों को गिरफ्तार करने और चोरी हुए सामान की बरामदगी की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

गाली का विरोध करना पड़ा भारी– हमलावरों ने दंपती को बेरहमी से पीटा

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा। हसनपुर क्षेत्र के एक गांव में मामूली कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया, जहां चार लोगों ने मिलकर एक दंपती पर लोहे की रॉड और डंडों से हमला कर दिया। इस वारदात में पति के सिर में गंभीर चोटें आई हैं, जबकि पत्नी भी घायल हो गई। घटना के बाद गांव में तनाव और दहशत का माहौल बना हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना मंगलवार की शाम करीब 7 बजे की है। ग्राम रूखालू निवासी कमलेश अपने पति भोजीन्द्र के साथ घर पर मौजूद थीं। इसी दौरान गांव के ही श्रीपाल, सतेन्द्र, जोगीन्द्र और दिनेश अचानक लोहे की रॉड और डंडों से लैस होकर वहां पहुंच गए। आते ही उन्होंने गाली-गलौज शुरू कर दी और भोजीन्द्र को धमकाने लगे। जब कमलेश और उनके पति ने विरोध करते हुए गाली देने से मना किया, तो आरोपी भड़क उठे। देखते ही देखते उन्होंने दोनों पर हमला कर दिया। आरोपियों ने बेरहमी से रॉड और डंडों से मारपीट की, जिससे भोजीन्द्र के सिर में गंभीर चोटें आईं और वह लहूलुहान हो गए। बीच-बचाव करने आई कमलेश को भी नहीं बख्शा गया और उन्हें भी चोटें आईं। कमलेश के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिन्हें देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घायल अवस्था में कमलेश अपने पति को लेकर थाने पहुंचीं और पूरे घटनाक्रम की लिखित तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गांव में इस घटना के बाद से लोगों में भय का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं। फिलहाल पुलिस मामले की तह तक जाने और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

घर लौट रहे युवक की ट्रेन से गिरकर मौत,स्योहारा स्टेशन के पास हुआ हादसा मचा हड़कंप

दैनिक बुलंद मंज़िल मौहम्मद फैजान

स्योहारा। प्राप्त समाचार के अनुसार स्योहारा क्रेलवे स्टेशन के समीप ट्रेन से गिरकर एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान बिहार राज्य के समस्तीपुर जनपद निवासी विष्णनाथ दास (30) पुत्र प्रमोद दास के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह सहारनपुर से शहीद एक्सप्रेस ट्रेन में सवार होकर अपने घर समस्तीपुर लौट रहा था। मृतक राजमिस्त्री का कार्य करता था। घटना उस समय हुई जब ट्रेन स्योहारा रेलवे स्टेशन के समीप पहुंची। इसी दौरान विष्णनाथ दास अचानक ट्रेन से नीचे गिर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

शिक्षा प्रेरकों का धरना, 18 माह के बकाया मानदेय भुगतान की मांग

दैनिक बुलंद मंज़िल सलीम हैदर

बरुकी/बिजनौर। साक्षर भारत मिशन के तहत संविदा पर ग्राम सभाओं में नियुक्त किए गए जनपद बिजनौर के शिक्षा प्रेरकों ने मंगलवार को सचिव साक्षर भारत मिशन एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर में सांकेतिक धरना प्रदर्शन कर अपने बकाया मानदेय के भुगतान की मांग उठाई। धरना स्थल पर एकत्र प्रेरकों ने सरकार पर उन्हें बेरोजगार करने तथा लगभग 18 माह का मानदेय आठ वर्ष बाद भी न देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2009-10 में भारत सरकार द्वारा साक्षर भारत मिशन योजना लागू कर प्रत्येक ग्राम सभा में एक महिला और एक पुरुष प्रेरक की नियुक्ति की गई थी, जिनका कार्य 15 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को साक्षर बनाना था। प्रेरकों ने बताया कि सरकार ने 31 मार्च 2018 को योजना बंद कर दी, जिससे जनपद बिजनौर के करीब 2250 प्रेरक बेरोजगार हो गए। उन्होंने कहा कि साक्षरता अभियान के अलावा उनसे बीएलओ ड्यूटी, हाउसहोल्ड सर्वे और अन्य सरकारी योजनाओं में भी कार्य लिया गया, लेकिन इसके बावजूद उनका बकाया भुगतान नहीं किया गया। प्रेरक एकता कल्याण समिति (पंजीकृत) के जिला अध्यक्ष पुखराज सिंह मलिक ने कहा कि वर्षों से मानदेय न मिलने के कारण प्रेरकों के परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं और उनके सामने रोजी-रोटी की समस्या खड़ी हो गई है। धरना प्रदर्शन के बाद प्रेरकों ने मुख्यमंत्री के नाम जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को दो सूत्रीय मांग पत्र सौंपा, जिसमें बकाया मानदेय एकमुश्त दिलाने तथा अनुभव के आधार पर किसी विभाग में समायोजित करने या बेरोजगारी भत्ता देने की मांग की गई। धरना प्रदर्शन जिला अध्यक्ष पुखराज सिंह मलिक की अध्यक्षता एवं चौधरी ईशम सिंह के संचालन में संपन्न हुआ। इस दौरान वृक्षपाल सिंह, महिपाल सिंह, विपिन कुमार, वंदना, अरविंद शर्मा, वीर सिंह, ब्रह्मपाल सिंह, लिखेंद्र सिंह, नवनीत कुमार, नरेश कुमार, सलोनी, कनक देवी, मनोहरी देवी, शबनम परवीन, नाजिया परवीन, गौरव त्यागी, भूपेंद्र सिंह सहित अनेक प्रेरक मौजूद रहे।

दैनिक बुलन्द मंज़िल
बिजनौर/चंदौसी
संभल
गुरूवार, 23 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

स्योहारा के होनहार बेटे डॉ अनस सैफी ने बढ़ाया क्षेत्र का मान

दिल्ली पंत हॉस्पिटल के न्यूरो सर्जरी विभाग में डॉक्टर पद पर मिली नियुक्ति

दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान

बिजनौर/स्योहारा। जानकारी के अनुसार स्योहारा नगर के ग्राम बीरामपुर निवासी प्रतिभाशाली युवा डॉ. मोहम्मद अनस ने अपनी मेहनत, लगन और निरंतर संघर्ष के बल पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। डॉ. अनस, सम्मानित नागरिक नसीम अहमद के सुपुत्र हैं। उनकी इस सफलता से परिवार, रिश्तेदारों और क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। डॉ. मोहम्मद अनस ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा एमक्यू इंटर कॉलेज के बाद ज्ञान दीप पब्लिक स्कूल (सीबीएसई बोर्ड) से इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण की। छात्र जीवन से ही वह मेधावी, अनुशासित और मेहनती रहे हैं। डॉक्टर बनने का सपना और पढ़ाई के प्रति समर्पण उन्हें लगातार आगे बढ़ाता रहा। बताया जाता है कि डॉ. अनस की माता शमशीर बानो का सपना था कि उनका बेटा एक अच्छा डॉक्टर बने और गरीब, असहाय व जरूरतमंद लोगों की कम आय में बेहतर इलाज कर उनकी सेवा करे। मां के इसी सपने और दुआओं ने डॉ. अनस को हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। मगर अफसोस उनकी मां आज इस दुनिया में नहीं है अगर उनकी मां आज जिंदा होती तो इस उपलब्धि से बहुत खुश होती। वहीं डॉ. अनस के बड़े भाई जुबैर सैफी ने बताया कि उनके छोटे भाई को बचपन से ही डॉक्टर बनने का शौक था। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए उन्होंने बचपन से ही उन्हें सही दिशा दिखाई और अपनी गाइडलाइन के अनुसार मेहनत करने के लिए प्रेरित किया, जिसके परिणामस्वरूप आज डॉ. अनस इस मुकाम तक पहुंचे हैं। वर्ष 2020 में उन्होंने नीट जैसी कठिन परीक्षा सफलता पूर्वक उत्तीर्ण की और सुभारती मेडिकल हॉस्पिटल में एमबीबीएस के लिए चयनित हुए। मेडिकल शिक्षा के दौरान भी उन्होंने अपने ज्ञान, सेवा भावना और परिश्रम से सभी का दिल जीता। एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने के बाद डॉ. अनस ने अपने करियर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास जारी रखे। वर्ष 2026 में उन्होंने जी.बी. पंत हॉस्पिटल का इंटरव्यू सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया, जिसके बाद उन्हें न्यूरो सर्जरी विभाग में डॉक्टर पद पर नियुक्ति मिली है। न्यूरो सर्जरी चिकित्सा जगत का अत्यंत महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण विभाग माना जाता है, जहां मस्तिष्क और नसों से जुड़ी जटिल बीमारियों का उपचार किया जाता है। ऐसे विभाग में नियुक्ति मिलना अपने आप में गर्व की बात है। डॉ. अनस की इस शानदार सफलता पर क्षेत्र के गणमान्य लोगों, मित्रों, शुभचिंतकों और परिजनों ने उन्हें हार्दिक बधाई दी है। सभी ने उनके उज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और निरंतर प्रगति की कामना की है। डॉ. मोहम्मद अनस की यह सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत सच्ची हो, तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती।

जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में होमगार्ड भर्ती परीक्षा तैयारियों को लेकर बैठक सम्पन्न

दैनिक बुलंद मंज़िल/
उप जिला प्रभारी मौहम्मद फैजान

बिजनौर। कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में होमगार्ड भर्ती परीक्षा की तैयारियों के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की सुविधा, यातायात नियंत्रण तथा परीक्षा केन्द्रों पर सभी मूलभूत व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित की जाएं। साथ ही भर्ती प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता न होने पाए, इसके लिए सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। संवेदनशील केन्द्रों पर विशेष निगरानी रखने तथा परीक्षा में नकल रोकने के लिए सख्त कदम उठाने के निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक प्रकाश कुमार द्वारा पीपीटी के माध्यम से शासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों एवं सुरक्षा व्यवस्था की विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराई गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अंशिका दीक्षित, एएसपी प्रकाश कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक जयकरण यादव , सदर एसडीएम रितु रानी सहित समस्त उप जिलाधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ सम्पन्न कराई जाएगी, जिससे अभ्यर्थियों का विश्वास कायम रहे।

जनगणना कार्य को सफल बनाने हेतु स्योहारा नगर पालिका में अधिकारियों व कर्मचारियों की ट्रेनिंग शुरू

दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान

स्योहारा/बिजनौर। नगर पालिका परिषद स्योहारा में भारत की जनगणना-2027 के सफल संचालन एवं जनगणना कार्य हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नगर पालिका परिषद स्योहारा के सभागार में आयोजित हुआ, जिसमें जनगणना कार्य से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रथम चरण में 45 इवैल्यूएटर्स और सुपरवाइजर को प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 21 अप्रैल 2026 से प्रारंभ होकर 23 अप्रैल 2026 तक चलेगा। कार्यक्रम के तीसरे चरण का शुभारंभ 22 अप्रैल 2026 को किया गया। इस अवसर पर अधिकारी वेद प्रकाश बंसल, फील्ड ट्रेनर विजयेंद्र सिंह पाल, अधिकारी श्री जनार्दन लाल, सहायक अधिकारी श्री नरेंद्र सिंह एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। सभी ने प्रशिक्षणार्थियों को जनगणना कार्य की महत्ता एवं जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जनगणना-2027 के तहत नगर पालिका परिषद स्योहारा में कुल 117 स्टेट इवैल्यूएटर्स, 15 सुपरवाइजर, 10 रिजर्व इवैल्यूएटर्स, तथा 2 रिजर्व सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं।जनगणना के दौरान नागरिक स्वयं भी ऑनलाइन पोर्टल एवं मोबाइल एप के माध्यम से अपनी गणना संबंधी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। इसके लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। पालिका ईओ विजेंद्र सिंह पाल ने बताया कि भारत की जनगणना-2027 का प्रथम चरण 22 मई 2026 से प्रारंभ होगा, जिसके अंतर्गत मकानों की गणना की जाएगी। इसके बाद दूसरे चरण में परिवारों एवं व्यक्तियों की गणना की जाएगी।नगर पालिका परिषद स्योहारा द्वारा आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जनगणना कार्य को सफल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

छायाचित्र। संभल - गवां मार्ग के मूसापुर के निकट की है। ई रिक्शा में सवार है यात्री। जान से भी खिलवाड़। ई रिक्शा चालक को न तो अपनी जान का खतरा ना है यात्रियों का। यातायात विभाग के जिम्मेदार अफसरों को संज्ञान लेना चाहिए।

बैलगाड़ी से खेत जा रहे किसान को दबंगों ने रोका, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी

दैनिक बुलंद मंज़िल
संभल/बबराला। थाना बबराला क्षेत्र में दबंगई का एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां खेत जा रहे एक किसान को रास्ते में रोककर उसके साथ अभद्रता की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित ने थाना पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मेहुआ हसन गंज निवासी भगवान सिंह पुत्र रामप्रसाद 21 अप्रैल 2026 की सुबह करीब 5:50 बजे बैलगाड़ी से अपने खेत जा रहे थे। आरोप है कि गांव के ही छिद्दू उर्फ नत्थू पुत्र तोताराम, वीरेन्द्र, ज्ञानेंद्र, विजनेश, संजय पुत्र किताब सिंह व अमरपाल पुत्र सौदान ने रास्ता रोक लिया और लाठी-डंडों के साथ उन्हें घेर लिया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और पुराने मुकदमे को लेकर भी धमकाया। तहरीर में यह भी उल्लेख किया गया है कि मुख्य आरोपी पहले भी पीड़ित के बेटे पर फायरिंग कर चुका है, जिसका मामला न्यायालय में विचाराधीन है।पीड़ित ने आरोप लगाया कि आरोपी लगातार साजिश रच रहे हैं और उसके परिवार को नुकसान पहुंचाने की फिराक में हैं। उन्होंने आशंका जताई है कि अगर उनके या उनके परिवार के साथ कोई अप्रिय घटना होती है, तो इसके जिम्मेदार नामजद आरोपी ही होंगे।भगवान सिंह ने थाना बबराला पुलिस से मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

प्रिया अग्रवाल के पूज्य पिताश्री को दी गई भावभीनी विदाई

दैनिक बुलंद मंज़िल
अलीगढ़। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष प्रिया अग्रवाल के पूज्य पिताश्री एवं अलीगढ़ के प्रतिष्ठित उद्योगपति स्वर्गीय रमेश चन्द्र सिंघल की उठावनी (श्रद्धांजलि सभा) अलीगढ़ में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ सम्पन्न हुई। सभा में बड़ी संख्या में राजनीतिक, सामाजिक एवं व्यापारिक जगत से जुड़े गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। वातावरण अत्यंत भावुक रहा, जहां सभी ने उनके व्यक्तित्व, सरल स्वभाव और समाज के प्रति उनके अतुलनीय योगदान को स्मरण किया।

समाजसेवा और सरलता की मिसाल

स्व. रमेश चन्द्र सिंघल को एक सफल उद्योगपति होने के साथ-साथ समाजसेवा के लिए भी सदैव याद किया जाएगा। उन्होंने अपने जीवन में उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया और हजारों लोगों को रोजगार देकर समाज के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुरादाबाद में भी भाजपा कार्यकताओं, सामाजिक संगठनों एवं शुभचिंतकों द्वारा शोक व्यक्त किया गया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

राष्ट्र निर्माण के लिए आत्म-परिवर्तन और निस्वार्थ सेवा अनिवार्य : नरेश राघव

दैनिक बुलंद मंज़िल
चन्दौसी। सर्व धर्म सामाजिक संगठन के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी नरेश राघव ने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और निस्वार्थ सेवा भाव को जागृत करने के लिए एक प्रेरणादायक संदेश दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा है कि समाज में कुछ करने के लिए हमें खुद को बदलने और अपनी जिम्मेदारियों को समझने की आवश्यकता है। नरेश राघव के संदेश का सार यह है कि समाज में सुधार बाहरी तौर पर नहीं, बल्कि भीतर से आता है। इस संदर्भ में, स्वयं समाज का एक हिस्सा होने के नाते, हमें खुद में निम्नलिखित परिवर्तन करने चाहिए। स्वयं से शुरूआत समाजसेवी नरेश राघव ने कहा कि हम अक्सर बदलाव के लिए

दूसरों का इंतजार करते हैं, लेकिन वास्तविक परिवर्तन तब शुरू होता है जब हम खुद पहल करते हैं। यदि हम गंदगी दूर करना चाहते हैं, तो सबसे पहले हमें अपने घर और आस-पास की सफाई करनी होगी। यदि हम समाज में साक्षरता चाहते हैं, तो हमें अपने आस-पास के एक बच्चे को पढ़ाने का संकल्प लेना होगा। निस्वार्थ सेवा भाव नरेश राघव ने बल दिया कि सेवा के बदले में यश या लाभ की अपेक्षा नहीं होनी चाहिए। निस्वार्थ सेवा ही सच्ची सेवा है। हमें समाज के अभावग्रस्त और जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए, चाहे वह आर्थिक सहायता हो या शारीरिक श्रम। शिक्षा और जागरूकता उन्होंने युवाओं से कहा कि वे समाज में व्याप्त कुरीतियों और अंधविश्वास के खिलाफ आवाज उठाएं। शिक्षा का प्रसार और जागरूकता फैलाना समाज के निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक है। हमें महिलाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान देना चाहिए। अनुशासन और चारित्रिक विकास सर्वप्रथम सामाजिक संगठन का मानना है कि एक अनुशासित और उच्च चरित्र वाला व्यक्ति ही समाज को सही दिशा दे सकता है। हमें खुद को अनुशासित करना होगा और नैतिक मूल्यों का पालन करना होगा। पर्यावरण संरक्षण नरेश राघव ने पर्यावरण की सुरक्षा को समय की मांग बताया है। उन्होंने हर व्यक्ति को अधिक से अधिक पेड़ लगाने और पानी बचाने की अपील की है। समाज में हरियाली और स्वच्छता बनाए रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। एकजुटता और सामाजिक समरसता उन्होंने समाज में एकता और भाईचारे को बढ़ावा देने पर जोर दिया। हमें जाति, धर्म और वर्ग के भेदभाव से ऊपर उठकर कार्य करना चाहिए। नरेश राघव के इस संदेश का मूल मंत्र यह है कि "राष्ट्र निर्माण" केवल नारों से नहीं, बल्कि हमारे कार्यों से होता है। समाज सेवा एक जिम्मेदारी है जो हमारे स्वयं के व्यवहार, शिक्षा और सेवा भाव से शुरू होती है। यदि हम सब ठान लें, तो हम एक मजबूत, विकसित और शिक्षित समाज का निर्माण कर सकते हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में भव्य पदयात्रा का किया आयोजन

दैनिक बुलंद मंज़िल
सम्भल । आज शहर में *नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन एवं महिलाओं को 33% आरक्षण दिए जाने के पक्ष में एक भव्य पदयात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं एवं गणमान्य नागरिकों ने भाग लेकर महिला सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रिया अग्रवाल उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यह अधिनियम देश की महिलाओं को नई दिशा और सशक्त पहचान देने का कार्य करेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी के इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए आभार व्यक्त करते हुए इसे समाज में समानता और सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष आदरणीय डॉ. शैफाली सिंह जी उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि महिलाओं को 33% आरक्षण मिलने से राजनीति में उनकी भागीदारी और निर्णय लेने की क्षमता और अधिक सशक्त होगी। कार्यक्रम संयोजक हेमराज सैनी के साथ साथ इस दौरान सुनीता सैनी, सुनीता शर्मा , ज्योति बंसल , हेमा खत्री , गौरव श्रीवास्तव, अशोक सैनी , विशाल गोलू, रेखा मदान , शशि किरण , हिमानी भटनागर , नीरज कुमार , हेमराज सैनी , विशाल त्यागी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे साथ ही विभिन्न स्कूल के बच्चों बेटियों द्वारा भी इसका समर्थन मिला। पदयात्रा के दौरान पूरे शहर में उत्साह का माहौल देखने को मिला और सभी ने एक स्वर में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद की। यह आयोजन महिलाओं के अधिकारों और सम्मान को सुदृढ़ करने की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल साबित हुआ।

तीन सूत्रीय मांगों को लेकर भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुलंद मंज़िल
चन्दौसी। भारतीय किसान यूनियन टिकैत 100 से 150 कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी चंदौसी को तीन सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। युवा मंडल उपाध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकित ठाकुर के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि क्षेत्र में आवारा पशुओं का आतंक बढ़ता जा रहा है। आवारा पशु किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। कई बार सड़क दुर्घटनाओं का कारण भी बन रहे हैं। प्रशासन से मांग की गई

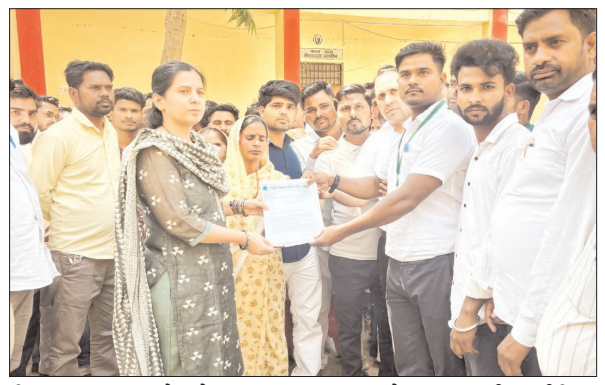

कि आवारा पशुओं को तत्काल गौशाला भिजवाया जाए। दूसरी मांग स्मार्ट मीटर को लेकर रही। किसानों ने कहा कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली के बिल कई गुना बढ़कर आ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या के कारण मीटर रीडिंग भी सही नहीं हो रही है। पुराने मीटर से ही बिलिंग की जाए या स्मार्ट मीटर की खामियों को दूर किया जाए। तीसरी समस्या शादी समारोह में गैस सिलेंडर ना मिलने की बताई गई। यूनियन ने कहा कि शादियों के सीजन में एक परिवार को केवल एक कनेक्शन पर सीमित सिलेंडर मिलते हैं, जिससे सैकड़ों मेहमानों का खाना बनाना मुश्किल हो रहा है। गैस एजेंसी भी अतिरिक्त सिलेंडर देने से मना कर देती है। मांग की गई कि शादी समारोह के लिए प्रशासन विशेष व्यवस्था कर 4-5 अतिरिक्त सिलेंडर उपलब्ध कराए। एसडीएम चंदौसी ने ज्ञापन लेकर सभी समस्याओं के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। इस मौके भारतीय किसान यूनियन के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

क्रिटिकल कॉरिडोर पर कसा पहरा— अमरोहा पुलिस अलर्ट मोड में

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। जनपद में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक चुस्त-दुरुस्त बनाने की दिशा में पुलिस प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। बुधवार को पुलिस सभागार में आयोजित एक अहम बैठक में पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने ह्लक्रिटिकल कॉरिडोरह्व को लेकर अधिकारियों के साथ मंथन किया और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में शक्ति सिंह सहित सभी थाना क्षेत्रों के क्रिटिकल कॉरिडोर प्रभारी मौजूद रहे। इस दौरान जनपद के संवेदनशील मार्गों और स्थानों की गहन समीक्षा की गई, जहां अपराध या दुर्घटना की आशंका अधिक रहती है। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि इन क्षेत्रों में नियमित और सघन गश्त के साथ-साथ सीसीटीवी कैमरों की चौबीसों घंटे निगरानी बेहद जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को समय रहते रोका जा सके। इसके साथ ही यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने पर भी विशेष जोर दिया गया। प्रमुख मार्गों पर यातायात पुलिस की सक्रिय तैनाती, ओवरस्पीडिंग और नियमों के उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाने की रणनीति भी बनाई गई। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके अलावा अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों के संवेदनशील स्थानों का नियमित निरीक्षण करने और जनता के साथ संवाद बढ़ाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि आम लोगों का विश्वास ही पुलिस की सबसे बड़ी ताकत है, इसलिए हर स्तर पर भरोसा कायम रखना जरूरी है। आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस टीमों को अलर्ट मोड में रहने और त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। बैठक के अंत में पुलिस अधीक्षक ने दो टूक कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। कुल मिलाकर, अमरोहा पुलिस अब ह्लक्रिटिकल कॉरिडोरह्व पर पैनी नजर रखकर जिले में सुरक्षा का नया खाका तैयार करने में जुट गई है।

वारंटियों पर शिकंजा—हसनपुर पुलिस की सटीक कार्रवाई, दो आरोपी दबोचे

दैनिक बुलंद मंज़िल /जितेंद्र यादव

अमरोहा। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत हसनपुर पुलिस ने एक बार फिर अपनी सक्रियता का परिचय देते हुए दो वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में की गई। पुलिस टीम ने कुशल रणनीति और सटीक सूचना के आधार पर ग्राम सिंहाली जागीर की अंबेडकर कॉलोनी में दबिश दी, जहां से संजीव और सुशील नामक दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपी एनबीडब्ल्यू (गैर जमानती वारंट) में वांछित थे और लंबे समय से गिरफ्तारी से बचते फिर रहे थे। इनके खिलाफ वर्ष 2022 में दर्ज एक मामले में न्यायालय द्वारा पेशी के आदेश जारी किए गए थे, लेकिन लगातार अनुपस्थित रहने के कारण वारंट जारी हुआ था। थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पूरी सतर्कता के साथ इस कार्रवाई को अंजाम दिया। गिरफ्तारी के बाद दोनों अभियुक्तों को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में अपराध और अपराधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया गया है और किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। इस कार्रवाई से क्षेत्र में पुलिस की कार्यशैली को लेकर सकारात्मक संदेश गया है और आम जनता में सुरक्षा का भरोसा मजबूत हुआ है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी ऐसे अभियानों को लगातार जारी रखा जाएगा।

वारंटी पर कसा शिकंजा—रहरा पुलिस की सक्रियता से आरोपी गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल/ रामवीर सिहं

रहरा। थाना क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता एक बार फिर देखने को मिली, जब लंबे समय से फरार चल रहे एक वारंटी को दबोच लिया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और उच्च अधिकारियों के पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई, जिससे क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने का संदेश गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना रहरा पुलिस ने ग्राम गंगवार निवासी छोटे पारवा पुत्र ईदरीश को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ पूर्व में दर्ज मुकदमे में न्यायालय द्वारा वारंट जारी किया गया था, लेकिन वह लगातार गिरफ्तारी से बचता फिर रहा था। पुलिस टीम ने सटीक सूचना और रणनीति के तहत उसे पकड़ने में सफलता हासिल की। बताया गया कि आरोपी पर उत्तर प्रदेश गुंडा अधिनियम और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज है। न्यायालय में उसकी अगली पेशी निर्धारित थी, जिसके चलते पुलिस उस पर नजर बनाए हुए थी। पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की तैयारी शुरू कर दी। इस गिरफ्तारी में उपनिरीक्षक और पुलिसकर्मियों की टीम ने अहम भूमिका निभाई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी सूरत में कानून से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। स्थानीय लोगों का भी कहना है कि पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल मजबूत हुआ है और अपराधियों में डर का संदेश गया है। वहीं पुलिस प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। कुल मिलाकर, यह गिरफ्तारी पुलिस की सजगता और प्रतिबद्धता का उदाहरण है, जो अपराध मुक्त समाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

परीक्षा से पहले पुलिस लाइन में डिसिप्लिन ड्रिल—एएसपी ने दी सख्त हिदायतें

दैनिक बुलंद मंज़िल/ सर्वेश यादव

अमरोहा। होमगार्ड भर्ती परीक्षा 2026 को लेकर अमरोहा पुलिस ने कमर कस ली है। बुधवार को पुलिस लाइन में आयोजित ब्रीफिंग सत्र में अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया ने परीक्षा ड्यूटी में तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को जिम्मेदारियों का पाठ पढ़ाया। साफ संदेश था— ड्यूटी में कोई ढिलाई नहीं, हर हाल में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण परीक्षा। ब्रीफिंग के दौरान एएसपी ने कहा कि सभी पुलिसकर्मी अपने-अपने ड्यूटी प्वाइंट पर समय से पहुंचें और पूरी सतर्कता के साथ तैनाती निभाएं। उन्होंने विशेष रूप से अभ्यर्थियों की सघन चेकिंग, प्रवेश पत्र और पहचान पत्र के सत्यापन पर जोर दिया। साथ ही परीक्षा केंद्रों के आसपास किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए गए। एएसपी ने यह भी स्पष्ट किया कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके लिए केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अव्यवस्था की स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जाए। ड्यूटी के दौरान व्यवहार को लेकर भी खास हिदायत दी गई। एएसपी ने कहा कि अभ्यर्थियों के साथ शालीनता और संवेदनशीलता से पेश आना जरूरी है, ताकि परीक्षा का माहौल सकारात्मक बना रहे। साथ ही किसी भी आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया देने के लिए सभी कर्मियों को अलर्ट रहने को कहा गया। ब्रीफिंग के अंत में एएसपी अखिलेश भदौरिया ने दो टूक शब्दों में कहा कि कानून-व्यवस्था और परीक्षा की निष्पक्षता से कोई समझौता नहीं होगा। किसी भी प्रकार की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई। पुलिस की इस सख्ती और तैयारी से साफ है कि अमरोहा में होमगार्ड भर्ती परीक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह गंभीर है और हर स्तर पर इसे पारदर्शी और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रयासरत है।

पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र पर हुआ एक परिवार का समझौता

दैनिक बुलंद मंज़िल

चन्दौसी। जनपद पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई की निर्देशन में कुलदीप सिंह अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी एवं क्षेत्रधिकारी डॉ प्रदीप कुमार सिंह के निर्देश अनुसार चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की बैठक चंदौसी परामर्श केंद्र प्रभारी डाङ्क रुकम पाल सिंह की देखरेख में गौशाला रोड पिंक चौकी चंदौसी में संपन्न हुई। जिसमें पति-पत्नी के मध्य हुए आपसी विवादों को परिवार परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ रूकम पाल सिंह के द्वारा काउंसलरों के सहयोग से सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास काउंसलरद्वारा किया गया।जहां कुल 20 पत्रावली को सुना गया 1परिवार का समझौता कराया गया 7 पत्रावली पर आवेदक द्वारा बल न देने के कारण वह अन्य करण से बंद किया गया। इस अवसर पर काउंसलर श्वेता गुप्ता हेड कांस्टेबल मनोहर सिंह होमगार्ड करुणा आदि लोग उपस्थित रहे।

चांदपुर में स्मार्ट प्रीपेड मीटरों के खिलाफ बढ़ा विरोध, सैकड़ों उपभोक्ताओं ने हटाने की लगाई गुहार

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । चांदपुर तहसील क्षेत्र में स्मार्ट प्रीपेड मीटरों को लेकर उपभोक्ताओं का असंतोष तेजी से बढ़ता जा रहा है। चांदपुर और आसपास के क्षेत्रों में सैकड़ों बिजली उपभोक्ताओं ने इन मीटरों को हटाकर पुराने पोस्टपेड मीटर दोबारा लगाने की मांग करते हुए शिकायतें दर्ज कराई हैं। उपभोक्ताओं का आरोप है कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर तकनीकी खामियों से ग्रस्त हैं और इनके लगने के बाद बिजली खर्च अचानक बढ़ गया है। कई लोगों का कहना है कि पहले की तुलना में अब उन्हें बार-बार रिचार्ज करना पड़ रहा है, जिससे घरेलू बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। रिचार्ज के बाद भी नहीं मिलती तुरंत बिजली स्थानीय उपभोक्ताओं ने बताया कि बैलेंस खत्म होने के बाद रिचार्ज करने पर भी कई बार घंटों तक बिजली बहाल नहीं होती। इससे रोजमर्रा के कामकाज और व्यापारिक गतिविधियों पर असर पड़ रहा है। लोगों ने टोल फ्री नंबर 1912, स्थानीय उपकेंद्र और ऑनलाइन माध्यमों से कई बार शिकायत दर्ज कराई, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। रीडिंग बढ़ने की भी शिकायत कुछ उपभोक्ताओं का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली खपत की रीडिंग पहले से अधिक दिख रही है। इससे बिल अप्रत्याशित रूप से बढ़ गए हैं और कई परिवार आर्थिक दबाव महसूस कर रहे हैं। सहमति के बिना मीटर लगाने पर उठे सवाल कई उपभोक्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि उनकी सहमति के बिना ही स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए गए हैं। उन्होंने मांग की है कि भविष्य में किसी भी उपभोक्ता के यहां मीटर लगाने से पहले उसकी अनुमति अनिवार्य की जाए। प्रशासन से कार्रवाई की मांग बढ़ती शिकायतों के बीच स्थानीय लोगों ने प्रशासन और बिजली विभाग से मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि तकनीकी खामियां पाई जाती हैं तो तत्काल सुधार या मीटर हटाने की कार्रवाई की जाए। चांदपुर क्षेत्र में बढ़ते विरोध के बीच अब यह देखना होगा कि संबंधित विभाग उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान किस प्रकार करता है और लोगों को राहत दिलाने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

कागजों में सस्ती जमीन खरीदकर कब्जा कराने के मामलों पर सख्त रुख, एसडीएम चांदपुर ने दिए निर्देश

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । चांदपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम नारनौर समेत अन्य स्थानों पर कागजों में सस्ती जमीन खरीदकर कब्जा कराने के मामलों को गंभीरता से लेते हुए उप जिलाधिकारी (एसडीएम) चांदपुर नितिन तेवतिया ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि इस प्रकार के प्रकरणों में तत्काल प्रभाव से जांच कर उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। एसडीएम चांदपुर नितिन तेवतिया ने कहा कि पिछले दो-तीन वर्षों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिनमें केवल कागजी कार्रवाई के आधार पर सस्ती जमीन खरीदी गई और बाद में प्रभावशाली लोगों द्वारा उस पर जबरन कब्जा करा दिया गया। उन्होंने इसे पूरी तरह अवैध और अनुचित बताते हुए इस पर रोक लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब ऐसे मामलों में राजस्व विभाग किसी भी प्रकार का कब्जा नहीं दिलाएगा, जब तक कि जमीन की खरीद-फरोख्त और उससे जुड़े दस्तावेजों की विधिवत जांच न हो जाए। साथ ही, जिन मामलों में शिकायतें प्राप्त हुई हैं, उनमें पारदर्शिता के साथ जांच कर पीड़ितों को न्याय दिलाने पर जोर दिया गया। लंबित शिकायतों पर जताई नाराजगी एसडीएम चांदपुर नितिन तेवतिया ने बैठक के दौरान अधिकारियों को लंबित शिकायतों के निस्तारण में हो रही देरी पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि गरीब किसानों की जमीन से जुड़े दर्जनों प्रकरण उच्च अधिकारियों के पास लंबित हैं, जिनका शीघ्र निस्तारण किया जाना आवश्यक है। गरीब किसानों के हितों की रक्षा पर जोर उन्होंने कहा कि गरीब किसानों की मेहनत की जमीन पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम चांदपुर नितिन तेवतिया ने राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर जल्द से जल्द निस्तारण करें और भविष्य में इस प्रकार की अनियमितताओं पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाया जाए। इस निर्देश के बाद चांदपुर तहसील क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति है और पीड़ित किसानों को न्याय मिलने की उम्मीद जगी है।

साजिश रचने वाले 7 आरोपी गिरफ्तार, एसडीएम कोर्ट भेजे गए

दैनिक बुलंद मंज़िल

रहरा। थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आपराधिक साजिश रचने की योजना बना रहे सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और उच्च अधिकारियों के पर्यवेक्षण में की गई। पुलिस के अनुसार, मिशन शक्ति टीम और थाना रहरा पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ लोग संगठित होकर संज्ञेय अपराध की योजना बना रहे हैं। इस पर तत्परता दिखाते हुए पुलिस टीम ने घेराबंदी कर सभी सात आरोपियों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों में कोशिंदर, शोभित, मोहित, रनवीर, रणजीत, चरन सिंह और जुल्फिकार शामिल हैं, जो थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांवों के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 170 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद सभी को एसडीएम कोर्ट हसनपुर में पेश किया गया, जहां से आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान में थाना रहरा के उपनिरीक्षक और अन्य पुलिसकर्मियों की अहम भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराध पर नियंत्रण के लिए इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि इससे क्षेत्र में अपराध की घटनाओं पर अंकुश लगेगा।

बिजनौर की डीएमसी रविता राठी का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बढ़ा दिया कद, दिया आशीर्वाद

गंगाजल का कलश सौंपते हुए सोमनाथ यात्रा की शुभकामनाएं भी दी

दैनिक बुलंद मंजिल ब्यूरो चीफ बिजनौर

बिजनौर। लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिजनौर की डीएमसी रविता राठी को गंगाजल का पवित्र कलश सौंपते हुए श्री सोमनाथ यात्रा के लिए शुभकामनाएं प्रदान कीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उनकी यात्रा मंगलमय होने की कामना करते हुए आशीर्वाद भी दिया। डीएमसी रविता राठी ने मुख्यमंत्री के प्रति हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनके लिए अत्यंत सम्मान और प्रेरणा का क्षण है। मुख्यमंत्री जी के स्नेह, आशीर्वाद और शुभकामनाओं से उत्साहित रविता राठी ने कहा कि वह इस पावन अवसर को सदैव याद रखेंगी। इस दौरान उपस्थित लोगों ने भी मुख्यमंत्री जी के इस स्नेहपूर्ण व्यवहार की सराहना की।आपको यहां यह भी बताते चले कि डीएमसी रविता राठी महिलाओं के लिए कार्य करने के साथ ही सरकार की योजनाओं का भी व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार करती है। वह सोशल मीडिया प्लेटफार्म का सदुपयोग कर घर घर सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचा रही है, जिसे लेकर वह बिजनौर जिला मुख्यालय से लेकर प्रदेश की राजधानी लखनऊ तक खूब चचाओं में हैं। बताया जाता है कि सोशल मीडिया पर उन्हें फॉलो करने वालों की तादात भी बहुत ज्यादा है, इस कारण सरकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने में वह एक मजबूत माध्यम बनी हुई है।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
बिजनौर/चंदौसी
संभल
गुरूवार, 23 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

मौत को दावत देता चांदपुर का प्रदर्शनी मेला

शिकायतों के बाद भी बढ़ी अनियमितताएं, कागजों में निपटी जांच

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । चांदपुर में आयोजित प्रदर्शनी मेला इन दिनों अव्यवस्थाओं और प्रशासनिक लापरवाही का बड़ा केंद्र बना हुआ है। जहां प्रशासन द्वारा अनुमति देते समय सुरक्षा के कड़े मानक तय किए गए थे, वहीं जमीनी हकीकत इन दावों को पूरी तरह खारिज करती नजर आ रही है। हजारों की भीड़ के बीच यहां सुरक्षा के नाम पर गंभीर लापरवाही बरती जा रही है, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, अनुमति शर्तों में 15,000 लीटर क्षमता का भूमिगत जल टैंक, पानी से भरे ड्रम, हर दुकान पर फायर एक्सटिंग्विशर और बालू की बाल्टी रखना अनिवार्य किया गया था। लेकिन मौके पर इन व्यवस्थाओं का लगभग अभाव है। न जल टैंक दिखाई देता है, न पर्याप्त पानी की व्यवस्था, और अधिकांश दुकानों पर अग्निशमन के प्राथमिक साधन तक उपलब्ध नहीं हैं। मेले में दुकानों के बीच निर्धारित दूरी का भी पालन नहीं किया गया है। दुकानें एक-दूसरे से सटी हुई हैं, जिससे आग लगने की स्थिति में हालात बेकाबू हो सकते हैं। वहीं प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग मार्ग न होने के कारण भगदड़ का खतरा लगातार बना हुआ है। सबसे गंभीर बात यह है कि जिन बड़े झूलों के संचालन पर अनुमति में स्पष्ट प्रतिबंध था, वे भी खुलेआम संचालित हो रहे हैं। इसके अलावा एम्बुलेंस, फर्स्ट एड और भीड़ नियंत्रण जैसी बुनियादी सुविधाएं भी नदारद हैं। हाल ही में नजीबाबाद में झूले से गिरकर एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ था, जबकि कुशीनगर में झूला टूटने से 30 से अधिक लोग घायल हो चुके हैं। इन घटनाओं के बावजूद चांदपुर मेले में लापरवाही थमने का नाम नहीं ले रही। चौंकाने वाली बात यह है कि इस संबंध में कई बार प्रशासनिक अधिकारियों को ट्विटर (एक्स) के माध्यम से अवगत कराया गया, लेकिन हालात सुधरने के बजाय और अधिक बिगड़ते नजर आए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शिकायतों के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, बल्कि मेले में पहले से अधिक अनियमितताएं बढ़ गई हैं। जानकारी के मुताबिक, इस पूरे मामले की जांच बिजनौर पुलिस द्वारा चांदपुर के प्रभारी निरीक्षक को सौंपी गई थी, लेकिन आरोप है कि चांदपुर पुलिस ने जांच केवल कागजों में ही पूरी कर दी। मौके पर वास्तविक स्थिति का आकलन नहीं किया गया, जिससे लापरवाही पर पर्दा डालने की कोशिश की जा रही है। स्थानीय लोगों ने एक और गंभीर समस्या की ओर ध्यान दिलाया है। मेले के पास सड़क किनारे पार्किंग ठेकेदार द्वारा लोहे की सरिया गाड़कर रस्सी बांध दी गई है, जिससे सड़क संकरी हो गई है और दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। इसके अलावा मेला देर रात तक चलने से आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अभिभावकों का कहना है कि शोर-शराबे के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और वे सुबह समय पर स्कूल नहीं जा पा रहे हैं, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर इस गंभीर लापरवाही का जिम्मेदार कौन है—मेला आयोजक, प्रशासन या संबंधित विभाग? क्या निरीक्षण केवल औपचारिकता बनकर रह गया है? यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो यह लापरवाही किसी बड़े हादसे में बदल सकती है। जरूरत है कि उच्च अधिकारी तत्काल हस्तक्षेप करें, निष्पक्ष जांच कराएं और सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करें।

आईजीआरएस शिकायतों में लापरवाही पर डीएम सख्त, चांदपुर तहसीलदार से मांगा जवाब

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। जनपद में आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही को लेकर जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कड़ा रुख अपनाया है। कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान चांदपुर तहसीलदार को डिफॉल्टर पाए जाने पर उनका जवाब तलब करने के निर्देश दिए गए। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि बार-बार निर्देश दिए जाने के बावजूद शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्तर पर जन शिकायतों के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है, ऐसे में किसी भी प्रकार की ढिलाई सीधे शासन के निदेर्शों की अवहेलना है। चांदपुर तहसील पर विशेष नजर समीक्षा के दौरान चांदपुर तहसील से संबंधित कई शिकायतें लंबित पाए जाने पर डीएम ने नाराजगी जताई। उन्होंने तहसीलदार चांदपुर से स्पष्टीकरण मांगते हुए निर्देश दिए कि सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्र और गुणवत्तापरक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। कठोर कार्रवाई की चेतावनी जिलाधिकारी ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भविष्य में कोई भी शिकायत डिफॉल्टर या असंतोषजनक स्थिति में पाई जाती है तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ एकपक्षीय कठोर कार्रवाई की जाएगी और इसकी जानकारी शासन को भी भेजी जाएगी। प्रतिदिन मॉनिटरिंग के निर्देश उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि आईजीआरएस पोर्टल का प्रतिदिन अवलोकन करें और शिकायतों का तय समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करना ही प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। बैठक में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) शरद कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह, उपनिदेशक कृषि डॉ. घनश्याम सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इस कार्रवाई के बाद चांदपुर तहसील में हड़कंप मचा हुआ है और अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि लंबित शिकायतों का निस्तारण कितनी तेजी से किया जाता है।

चांदपुर तहसील क्षेत्र में गन्ना कटाई के बाद फिर बढ़ा गुलदार का खतरा, वन विभाग अलर्ट

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। चांदपुर तहसील क्षेत्र में गन्ने की फसल कटने के बाद गुलदार एक बार फिर सक्रिय हो गए हैं, जिससे ग्रामीण इलाकों में दहशत का माहौल बना हुआ है। खेतों और रिहायशी इलाकों के आसपास गुलदार की आवाजाही बढ़ने से लोगों में भय व्याप्त है। जानकारी के अनुसार, बिजनौर जनपद में लंबे समय से गुलदार का आतंक बना हुआ है। अब तक सैकड़ों लोग गुलदार के हमलों में घायल हो चुके हैं, जबकि 35 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। गन्ने की फसल कटने के बाद छिपने के स्थान कम होने के कारण गुलदार अब गांवों की ओर रुख कर रहे हैं। वन विभाग ने बढ़ाई निगरानी, लगाए 100 से अधिक पिंजरे डीएफओ जय सिंह कुशवाहा ने बताया कि जहां भी गुलदार की सूचना मिलती है, वहां तत्काल रेस्क्यू टीम भेजी जाती है और पिंजरे लगाए जा रहे हैं। जिले भर में 100 से अधिक पिंजरे लगाए गए हैं, ताकि गुलदारों को सुरक्षित तरीके से पकड़कर जंगलों में छोड़ा जा सके। क्षेत्राधिकारी दुष्यंत सिंह ने दी विस्तृत सलाह चांदपुर वन क्षेत्राधिकारी दुष्यंत सिंह ने बताया कि गन्ने की कटाई के बाद गुलदारों का मूवमेंट बढ़ना स्वाभाविक है, क्योंकि उन्हें छिपने के लिए सुरक्षित स्थान नहीं मिल पाते। ऐसे में वे भोजन की तलाश में गांवों और खेतों की ओर रुख करते हैं। उन्होंने कहा कि वन विभाग की टीमें लगातार गश्त कर रही हैं और संवेदनशील गांवों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। जहां-जहां गुलदार देखे जाने की सूचना मिल रही है, वहां तुरंत पिंजरे लगाने के साथ-साथ आसपास के ग्रामीणों को सतर्क किया जा रहा है।

दुष्यंत सिंह ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा—

खेतों में अकेले न जाएं, समूह में और शोर करते हुए जाएं

सुबह-शाम के समय विशेष सतर्कता बरतें

खुले में न सोएं और अंधेरे में बाहर निकलने से बचें

शौच के लिए भी अकेले न जाएं बच्चों को खेतों और जंगल के किनारे अकेला न छोड़ें उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं से अपील की कि खेतों में काम करते समय छोटे बच्चों को साथ लेकर न जाएं और आसपास की गतिविधियों पर नजर बनाए रखें। किसानों को किया जा रहा जागरूक वर्तमान में गेहूं की कटाई को देखते हुए वन विभाग की टीमें खेतों में जाकर किसानों को जागरूक कर रही हैं और सुरक्षा उपायों की जानकारी दे रही हैं। साथ ही, गुलदार दिखने पर तुरंत वन विभाग को सूचना देने की अपील की जा रही है। वन विभाग का कहना है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है, लेकिन ग्रामीणों की सतर्कता ही इस खतरे से बचाव का सबसे बड़ा उपाय है।

पृथ्वी बचाओ, भविष्य सजाओ : पृथ्वी दिवस पर चांदपुर में जागरूकता की लहर, पौधारोपण से गूंजा क्षेत्र

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । पृथ्वी दिवस के अवसर पर बुधवार को चांदपुर क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण को लेकर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। स्कूलों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय प्रशासन के संयुक्त प्रयास से जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें लोगों को पृथ्वी और पर्यावरण बचाने का संकल्प दिलाया गया। सुबह से ही क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य कार्यक्रम नगर क्षेत्र में हुआ, जहां गणमान्य लोगों, समाजसेवियों और विद्यार्थियों ने सैकड़ों पौधे रोपित किए। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग और प्राकृतिक संसाधनों के दोहन को देखते हुए अब समय आ गया है कि हर व्यक्ति पृथ्वी की रक्षा के लिए आगे आए। विद्यालयों में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को पृथ्वी संरक्षण के महत्व के बारे में बताया गया। बच्चों ने रैली निकालकर ह्लसेव अर्थ, सेव लाइफह्व और ह्लपेड़ लगाओ, पृथ्वी बचाओह्व जैसे संदेश दिए। कई स्थानों पर पोस्टर प्रतियोगिता, भाषण और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी जागरूकता फैलाई गई। सामाजिक संगठनों द्वारा सफाई अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया गया। साथ ही, जल संरक्षण, प्लास्टिक के उपयोग में कमी और हरियाली बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया गया। विश्र हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रशांत तोमर ने कहा कि ह्लपृथ्वी हमारी माता है, इसकी रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है। हमें अपने दैनिक जीवन में ऐसे कदम उठाने होंगे जो पर्यावरण को नुकसान न पहुंचाएं। प्रदेश उपाध्यक्ष स्वाति तोमर ने कहा कि ह्लमहिलाएं घर-परिवार की धुरी होती हैं, यदि वे पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लें तो समाज में बड़ा परिवर्तन संभव है। विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश के प्रदेश मंत्री व वरिष्ठ पत्रकार नागेन्द्र सिंह राजपूत ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ह्लपृथ्वी संरक्षण के साथ-साथ हमें पशु और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा पर भी ध्यान देना होगा। संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र ही सुरक्षित भविष्य की गारंटी है। जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा ने कहा कि ह्लहर व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए, तभी पृथ्वी दिवस मनाने का उद्देश्य सार्थक होगा। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने पृथ्वी को स्वच्छ, हरित और सुरक्षित बनाने का संकल्प लिया। कुल मिलाकर, पृथ्वी दिवस के अवसर पर चांदपुर में जागरूकता और उत्साह का माहौल देखने को मिला, जहां हर वर्ग ने ह्यपृथ्वी है तो भविष्य हैह्व का संदेश अपनाया।

इरशाद ब्लॉक सचिव स्योहारा की मेहनत लाई रंग

पीड़ित को मिला इंसाफ एक लंबे समय से चली आ रही बिजली की समस्या का हुआ पूर्ण समाधान

दैनिक बुलंद मंजिल ब्यूरो चीफ बिजनौर
बिजनौर । मोहम्मद इंतजार पुत्र सरफराज हनीफ मोहल्ला हिंदू चौधरियान कस्बा व थाना स्योहारा जिला बिजनौर मेरी एक समस्या बिजली के बिल को लेकर 2 महीने से बनी हुई थी दर बदर की ठोकरे खाने के बाद फिर मैंने अपनी शिकायत राष्ट्रीय भ्रष्टाचार उन्मूलन समिति में की समिति के पदाधिकारीयो द्वारा तत्काल संज्ञान लिया और संबंधित अधिकारियों से बात की आज मेरी समस्या का समाधान हो गया है राष्ट्रीय भ्रष्टाचार उन्मूलन समिति का में दिल से आभारी हूं और दिल से धन्यवाद करता हूं और माननीय मुरादाबाद मंडल अध्यक्ष फहीम मलिक जी का व इरशाद जी ब्लॉक सचिव स्योहारा का दिल से शुक्रिया अदा करता हूं । अगर आपके आसपास भी कोई समस्या है भ्रष्टाचार पनप रहा है तो आप राष्ट्रीय भ्रष्टाचार उन्मूलन समिति में शिकायत करके समस्या का समाधान करा सकते हैं समिति दवे कुचले लोगों के साथ हमेशा खड़ी है राष्ट्रीय भ्रष्टाचार उन्मूलन समिति मोहम्मद इरशाद ब्लॉक सचिव स्योहारा मुरादाबाद मंडल अध्यक्ष फहीम मलिक जिंदाबाद।

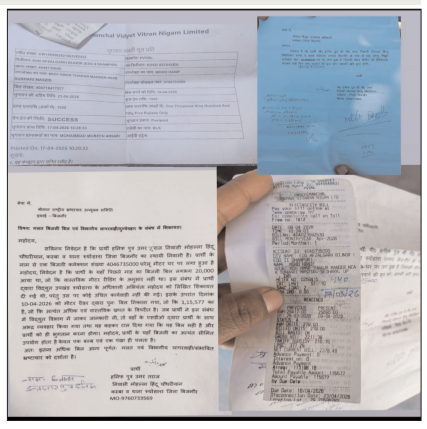

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, के द्वारा मीटिंग का आयोजन किया गया

दैनिक बुलंद मंज़िल
चंदौसी। पनकी और जवाहरपुर ताप विद्युत परियोजनाओं का संचालन-रखरखाव निजी कंपनियों को सौंपने की साजिश से बिजली कर्मियों में तीव्र आक्रोश : उत्पीड़न के खिलाफ प्रदेशव्यापी अभियान जारी विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के केंद्रीय पदाधिकारियों ने उत्पादन निगम की पनकी एवं जवाहरपुर ताप विद्युत परियोजनाओं के संचालन और अनुरक्षण का कार्य निजी कंपनियों को सौंपे जाने के निर्णय पर कड़ा विरोध दर्ज करते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की है। संघर्ष समिति का कहना है कि पावर कॉरपोरेशन के चेयरमैन डॉ. आशीष गोयल, जो उत्पादन निगम के भी चेयरमैन हैं, द्वारा पहले से जारी वितरण निगमों के निजीकरण की प्रक्रिया के बाद अब उत्पादन निगम के निजीकरण की दिशा में भी सुनियोजित कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे बिजली कर्मियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। संघर्ष समिति ने बताया कि पनकी ताप विद्युत परियोजना में लगभग 100 इंजीनियर, 75 जूनियर इंजीनियर, 75 टेक्नीशियन ग्रेड-2, 245 अन्य नियमित कर्मचारी तथा 500 से अधिक संविदा कर्मी कार्यरत हैं। इसी प्रकार जवाहरपुर परियोजना में करीब 150 इंजीनियर, 90 जूनियर इंजीनियर, 100 टेक्नीशियन ग्रेड-2, 135 अन्य कर्मचारी और 500 से अधिक संविदा कर्मी कार्य कर रहे हैं। यदि इन परियोजनाओं का संचालन निजी कंपनियों को सौंपा जाता है, तो लगभग 2000 से अधिक कर्मचारियों की सेवाएं अनावश्यक घोषित कर उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। संघर्ष समिति ने आरोप लगाया कि यह कदम मुनाफा कमाने वाले उत्पादन निगम को कमजोर कर सार्वजनिक क्षेत्र को समाप्त करने की शुरूआत है। पावर कॉरपोरेशन का शीर्ष प्रबंधन एक ओर झूठे आंकड़ों के आधार पर पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल वितरण निगमों के निजीकरण को सही ठहराने का प्रयास कर रहा है, वहीं दूसरी ओर उत्पादन निगम की लाभकारी परियोजनाओं को ह्यूनिफाइड टेंडरह्व के माध्यम से 25 वर्षों के लिए निजी हाथों में सौंपने की साजिश रच रहा है। संघर्ष समिति ने यह भी कहा कि पनकी और जवाहरपुर जैसी आधुनिक परियोजनाएं जनता के कर से निर्मित सार्वजनिक संपत्ति हैं। इन्हें निजी कंपनियों को सौंपना प्रदेश की जनता के साथ विश्वासघात है। संघर्ष समिति ने प्रबंधन पर आरोप लगाया कि निजीकरण लागू करने के लिए भय और उत्पीड़न कर वातावरण बनाया जा रहा है, जिससे कार्यसंस्कृति प्रभावित हो रही है। संघर्ष समिति ने मांग की कि मार्च 2023 से अब तक कर्मचारियों के खिलाफ की गई सभी उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियों को तत्काल वापस लिया जाए तथा उत्पादन निगम के निजीकरण की सभी प्रक्रियाएं निरस्त की जाएं। संघर्ष समिति ने चेतावनी दी कि यदि इन जनविरोधी निर्णयों को वापस नहीं लिया गया, तो आंदोलन को और अधिक व्यापक एवं उग्र किया जाएगा। निजीकरण और उत्पीड़न के विरोध में चल रहे प्रदेशव्यापी जन-जागरण अभियान के तहत आज संभल और रामपुर में विरोध सभाएं आयोजित की गईं, जबकि अन्य जनपदों में भी प्रदर्शन पूर्ववत जारी हैं। संभल और रामपुर की सभाओं को केंद्रीय पदाधिकारियों जितेन्द्र सिंह गुर्जर, महेंद्र राय, मोहम्मद वसीम,निखिल कुमार ने मुख्यतया संबोधित किया।

बिजनौर में सपा को नया नेतृत्व : हनी फैसल बने जिलाध्यक्ष

दैनिक बुलंद मंजिल
फहीम अख्तर

बिजनौर। समाजवादी पार्टी ने संगठन को नई धार देने के उद्देश्य से बड़ा फैसला लेते हुए समाजवादी युवजन सभा बिजनौर के पूर्व ज़िला अध्यक्ष हनी फैसल को पार्टी का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। इस घोषणा के बाद कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। हनी फैसल युवजन सभा के ज़िला अध्यक्ष के रूप में पहले ही अपनी सक्रियता और संगठन क्षमता का परिचय दे चुके हैं। जमीनी स्तर पर मजबूत पकड़ और युवाओं में अच्छी पैठ के चलते पार्टी नेतृत्व ने उन पर भरोसा जताया है। उनकी नियुक्ति को संगठन के विस्तार और मजबूती के लिए अहम कदम माना जा रहा है। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष हनी फैसल ने कहा कि वे पार्टी की नीतियों को आम जनता तक पहुंचाने, कार्यकताओं को एकजुट रखने और क्षेत्र की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का काम करेंगे। उन्होंने सभी कार्यकताओं से मिलकर संगठन को और मजबूत बनाने का आह्वान किया। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं ने इस फैसले का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि हनी फैसल के नेतृत्व में सपा बिजनौर में नई ऊंचाइयों को छुएगी और आगामी चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करेगी।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
मुरादाबाद/बरेली
संभल
गुरूवार, 23 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

राजस्व वसूली में तेजी लाने के निर्देश, लंबित मामलों के निस्तारण पर जोर

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। जिलाधिकारी अनुज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में कर-करेत्तर एवं राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।जिलाधिकारी ने आबकारी, आयकर, परिवहन, स्टाम्प, नलकूप, खनन, मंडी और बाटमाप विभागों को अपने राजस्व संग्रह पर विशेष ध्यान देने को कहा। अवैध शराब की बिक्री पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि शिकायत मिलने पर तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए। वहीं, वाहन कर और खनन विभाग को प्रवर्तन कार्रवाई तेज कर राजस्व

बढ़ाने के निर्देश दिए बैठक में लंबित मामलों के निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी व उपजिलाधिकारियों को पांच वर्ष से अधिक समय से लंबित वादों का शीघ्र निपटारा करने को कहा। साथ ही आरसी की लंबित प्रविष्टियों का मिलान कर उनका निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने धारा 24, 80 और 116 से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने को कहा, ताकि सीएम डैशबोर्ड पर जनपद की रैंकिंग में सुधार हो सके जिलाधिकारी ने कृषि भूमि, आवासीय भूखंड एवं तालाब आवंटन की प्रक्रिया समयबद्ध तरीके से पूरी करने के निर्देश दिए। निवास, आय और हैसियत प्रमाण पत्रों की लंबित आवेदनों को भी शीघ्र निस्तारित करने को कहा गया। इसके अलावा राजस्व परिषद, मंडलायुक्त कार्यालय व शासन से प्राप्त प्रकरणों तथा कृषक दुर्घटना बीमा मामलों के समयबद्ध निस्तारण पर भी बल दिया गया आईजीआरएस शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर जोर देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि असंतोषजनक फीडबैक की स्थिति में सुधार लाया जाए, ताकि जनपद की रैंकिंग बेहतर बनी रहे। फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को इसमें भी सुधार लाने के निर्देश दिए गए बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन संगीता गौतम, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ममता मालवीय, अपर जिलाधिकारी नगर ज्योति सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक जितेंद्र पाल सहित सभी उपजिलाधिकारी, तहसीलदार एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

24 हजार रुपये के विवाद में दंपति की चाकू गोदकर हत्या, इलाके में मची सनसनी

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद जनपद के सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित चक्कर की मिलक में सोमवार रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां महज 24 हजार रुपये के लेनदेन और मकान की रजिस्ट्री के विवाद में एक दंपति की बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और लोगों में दहशत का माहौल बन गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक दंपति का आरोपी से परिचय था और दोनों के बीच काफी समय से पैसों के लेनदेन और कमरे की रजिस्ट्री को लेकर विवाद चल रहा था। सोमवार की रात विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने गुस्से में आकर दंपति पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। इसके बाद क्षेत्राधिकारी, एसपी सिटी और एसएसपी मुरादाबाद भी घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की गहन जांच शुरू कर दी। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और आसपास के लोगों से पूछताछ की।

एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला 24 हजार रुपये के लेनदेन और मकान की रजिस्ट्री के विवाद से जुड़ा हुआ है। आरोपी जो मृतकों का परिचित बताया जा रहा है, चाकू से हमला कर इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज

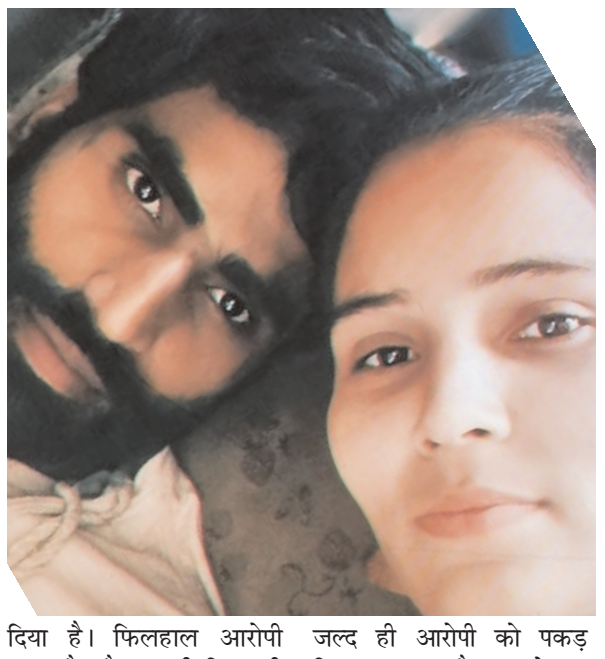

दिया है। फिलहाल आरोपी फरार है और उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें गठित कर दी गई हैं। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपी को पकड़ लिया जाएगा और मामले का खुलासा किया जाएगा। पुलिस पूरे घटनाक्रम की गंभीरता से जांच कर रही है।

चक्कर की मिलक डबल मर्डर केसः मुठभेड़ के बाद दूसरा आरोपी अनस गिरफ्तार, मुख्य आरोपी पहले ही जेल में

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद : जनपद के सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित चक्कर की मिलक इलाके में हुए सनसनीखेज डबल मर्डर केस में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दूसरे आरोपी अनस को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले पुलिस मुख्य आरोपी फहीम को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है जानकारी के अनुसार सोमवार देर रात राजा और उनकी पत्नी फराह की उनके घर में घुसकर बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। बताया जा रहा है कि 5-6 हमलावर जबरन घर में दाखिल हुए और दंपति पर चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई घटना के समय घर में मौजूद उनकी 8 वर्षीय बेटी ने पूरी वारदात देखी और किसी

तरह बाहर निकलकर पड़ोसियों को सूचना दी। इसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची पुलिस जांच में सामने आया है कि यह हत्याकांड मकान की रजिस्ट्री और पैसों के विवाद को लेकर अंजाम दिया गया। इसी रंजिश में आरोपियों ने इस वारदात को अंजाम दिया पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए पहले मुख्य आरोपी फहीम को गिरफ्तार कर जेल भेजा और अब दूसरे आरोपी अनस को भी मुठभेड़ के बाद दबोच लिया है। पुलिस का कहना है कि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है, जबकि पुलिस लगातार निगरानी बनाए हुए है।

असद हत्याकांडः फरार हिस्ट्रीशीटर जफर की संपत्ति कुर्क, पुलिस ने बढ़ाई दबिश

कोर्ट के आदेश पर कुर्की की कार्रवाई, मुख्य आरोपी पर पहले से घोषित है इनाम

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबादः जनपद में चर्चित मोहम्मद असद हत्याकांड के मुख्य फरार आरोपी हिस्ट्रीशीटर जफर के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उसकी संपत्ति कुर्क कर ली है। यह कार्रवाई कोर्ट के आदेश पर की गई है। पुलिस ने आरोपी पर पहले ही इनाम घोषित कर रखा है और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है गौरतलब है कि 27 फरवरी को नागफनी थाना क्षेत्र के बंगला चौराहे पर जिगर कॉलोनी निवासी मोहम्मद असद की गोली मारकर हत्या कर दी गई

एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर आरोपी की संपत्ति कुर्क की गई है।

हत्या आरोपी जफर

थी। असद बुलंदशहर में तैनात एडिशनल सिविल जज आसमा सुल्ताना के पिता और अलवीना बेकरी के संचालक थे। इस सनसनीखेज वारदात को अंजाम देने वाला कोई और नहीं बल्कि उनका सगा साला जफर निकला, जिसने अपने साथियों के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया बताया गया कि प्रॉपर्टी विवाद के चलते इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया। घटना उस समय हुई जब मोहम्मद असद अपने दूसरे साले डेनियल के साथ स्कूटी से लाल मस्जिद तरावीह पढ़ने जा रहे थे। तभी रास्ते में जफर और उसके साथियों ने उन्हें घेरकर गोली मार दी पुलिस ने मामले में नामजद अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, लेकिन मुख्य आरोपी जफर अभी भी फरार चल रहा है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें लगातार प्रयासरत हैं।

आगे जानकारी देते हुए बताए

शादी में डीजे को लेकर विवाद, युवती से मारपीट आरोपी ने दी जान से मारने की धमकी

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

बरेली। शेरगढ़ थाना क्षेत्र में शादी समारोह की खुशियां उस वक्त अफरा-तफरी में बदल गईं, जब डीजे बजाने को लेकर हुए विवाद में एक युवक ने युवती के साथ मारपीट कर दी। घटना थाना शेरगढ़ क्षेत्र के ग्राम पिपरिया की है, जहां देर रात जमकर बवाल हुआ।

नीतू गंगवार के अनुसार, 20 अप्रैल की रात करीब 11 बजे उनके परिवार में चचेरी बहन की शादी का कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान पड़ोस का रहने वाला अवनीश कुमार मौके पर पहुंचा और जबरन डीजे बजाने की जिद करने लगा। परिवार द्वारा मना करने पर आरोपी आग-बबूला हो गया और गाली-गलौज शुरू कर दी।

समझाने पर भड़का, कर दी मारपीट

परिजनों ने जब आरोपी को समझाने का प्रयास किया तो वह और उग्र हो गया। आरोप है कि उसने नीतू गंगवार के साथ लाठी-डंडों और लात-घूंसों से मारपीट की और जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद पीड़िता थाना शेरगढ़ पहुंची और तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

गैराज गैस कांड में सख्ती तेज

दो मौतों के बाद हरकत में पुलिस, आरोपियों की तलाश जारी

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

बरेली। नवाबगंज के गरगईया रोड स्थित गैराज में अवैध गैस रिफिलिंग के दौरान हुए भीषण हादसे में दो मासूमों की मौत के बाद अब पुलिस-प्रशासन एक्शन मोड में आ गया है। मामले में नामजद आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई है, जबकि अवैध गैस रिफिलिंग के नेटवर्क पर भी शिकंजा कसने की तैयारी शुरू हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने तहरीर के आधार पर वर्कशॉप संचालक एसके बाबू, महावीर और कार मालिक रजा हुसैन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

घायलों की हालत नाजुक

हादसे में झुलसे फरमान और साहिल रजा का इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें बेहतर इलाज देने की कोशिश जारी है।

अवैध गैस रिफिलिंग पर चलेगा अभियान

घटना के बाद प्रशासन भी सतर्क हो गया है। जानकारी मिली है कि क्षेत्र में चल रहे अवैध गैस रिफिलिंग और गैराजों की जांच के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। मृतक बच्चों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी सजा और मुआवजे की मांग की है। इलाके के लोगों में भी घटना को लेकर भारी आक्रोश देखा जा रहा है।

रेलवे स्टेशन पर चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार, मोबाइल व नकदी बरामद

जीआरपी मुरादाबाद की कार्रवाई, यात्रियों को निशाना बनाकर करता था वारदात

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में यात्रियों को निशाना बनाकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले एक शातिर चोर को जीआरपी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी का एक मोबाइल फोन और नकदी बरामद की गई है जीआरपी थाने में दर्ज दो अलग-अलग मामलों के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने प्लेटफॉर्म के पास चेकिंग के दौरान आरोपी विवेक सिंह (उम्र करीब 25 वर्ष), निवासी सूरजनगर लाइनपार, थाना मझोला को गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ट्रेन और रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के बैग, मोबाइल और नकदी पर हाथ साफ करता था पुलिस के अनुसार, 14 मार्च 2026 को कुंभ एक्सप्रेस में सफर कर रहे यात्री का बैग काटकर 10 हजार रुपये और सोने की चेन चोरी कर ली गई थी। वहीं 22 फरवरी 2026 को प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर एक यात्री का मोबाइल फोन चोरी हुआ था। इन दोनों मामलों में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही थी गिरफ्तार आरोपी के पास से एक वनप्लस 12फ मोबाइल और करीब 12 हजार रुपये नकद बरामद हुए हैं। आरोपी के खिलाफ पहले से भी आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह पेशेवर तरीके से चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। पुलिस का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी से रेलवे स्टेशन क्षेत्र में होने वाली चोरी की घटनाओं पर लगाम लगने की उम्मीद है। गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक प्रणव कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

दहेज की मांग ने तोड़ी शादीः बारात न आने से मंडप में इंतजार करती रह गई दुल्हन

समझौते के बावजूद नहीं पहुंचा दूल्हा, 15 लाख खर्च के बाद भी अधूरी रह गई शादी; पीड़ित परिवार ने की कार्रवाई की मांग

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। जनपद के पाकबड़ा थाना क्षेत्र स्थित रफतपुरा चौराहा के ख्वाजा गरीब नवाज बैंक्वेट हॉल में बुधवार को उस समय भावुक माहौल बन गया, जब एक दुल्हन अपने दूल्हे का घंटों इंतजार करती रह गई, लेकिन बारात नहीं पहुंची जानकारी के अनुसार, गुलअफशा नाम की युवती का रिश्ता करीब डेढ़ वर्ष पहले बियामीन नामक युवक से तय हुआ था। शादी की तारीख 22 अप्रैल निर्धारित थी और दुल्हन पक्ष ने पूरी तैयारी कर ली थी। परिजनों के मुताबिक, सगाई से लेकर शादी की तैयारियों तक करीब 15 लाख रुपये खर्च किए जा चुके थे आरोप है कि लड़के पक्ष की ओर से लंबे समय से दहेज में नकदी की मांग की जा रही थी। इस विवाद को

लेकर 20 अप्रैल को चौकी पर पंचायत भी हुई थी, जिसमें 10 लाख रुपये में समझौते की बात सामने आई थी। लड़के पक्ष ने शर्त रखी थी कि या तो 10 लाख रुपये दिए जाएं या तय तारीख पर बारात लेकर आएंगे हालांकि, तय दिन सुबह से दोपहर तक इंतजार के बावजूद बारात नहीं पहुंची। इस घटना से दुल्हन और उसके परिवार में मायूसी छा गई दुल्हन गुलअफशा ने भावुक होकर कहा कि दहेज की मांग पूरी न होने के कारण उसकी शादी नहीं हो सकी।ग्राम प्रधान राबुल हुसैन ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच पहले से ही दहेज को लेकर विवाद चल रहा था। घटना के बाद गांव में आक्रोश का माहौल है।पीड़ित परिवार ने पाकबड़ा थाना और संबंधित चौकी में तहरीर देकर आरोपी पक्ष के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

श्री जगन्नाथ स्वामी मंदिर द्वारा आयोजित प्रथम पांच दिवसीय स्थापना दिवस समारोह के द्वितीय दिवस का धूमधाम से हुआ आयोजन

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

आज व्यवस्थापक श्री राधा संकीर्तन मंडल ट्रस्ट रजिस्टर्ड बरेली द्वारा आयोजित जगन्नाथ स्वामी मंदिर के प्रथम स्थापना दिवस समारोह के दूसरे दिवस पर श्री श्याम परिवार के रसिक जनों द्वारा श्री जगन्नाथ स्वामी बलभद्र जी सुभद्रा मैया को अपनी मधुर वाणी से खूब रिहाया गया जिसमें मेरी एक ही तमन्ना रे सांवरे बिहारी, श्याम सुंदर के जो है पुजारी, भक्तों ने हिल मिलकर उत्सव मनाया है बस कमी आपकी श्याम आ जाइये, रूप सलोना देख श्याम का सुध बुध मेरी खोयी नी मै कमली होई नी मै कमली होई, मेरी खुशियों का रहना ठिकाना हमारे घर शाम आए हैं हमारे घर शाम आए हैं, जय जगन्नाथ जय जगन्नाथ जय बलभद्र जय सुभद्रा जय जगन्नाथ आदि भजनों से सभी को झुमा दिया। कार्यक्रम में नरेंद्र मित्तल,अंशुल अग्रवाल,राहुल जोहरी, कुकी अरोड़ा, शिव चावला, प्रदीप अग्रवाल अशोक मौर्य दिनेश शर्मा विकास अग्रवाल समित अग्रवाल एवं भारी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित है कल तृतीय दिवस पर श्री राधाबल्लभ श्री हरिवंश मंडल के रसिक जन प्रभु को अपनी सु मधुर वाणी से रिझायेंगे।

ऑटो चालक को किराया मांगना पड़ा भारी, दबंगों ने की जमकर मारपीट

जान से मारने की धमकी देकर फरार

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

बरेली। बारादरी थाना क्षेत्र में एक ऑटो चालक को सवारी से किराया मांगना भारी पड़ गया। आरोप है कि सवारी और उसके साथियों ने चालक के साथ बेरहमी से मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए।

संजयनगर निवासी ऑटो चालक प्रवीण कुमार गुप्ता ने थाना बारादरी में दी तहरीर में बताया कि वह 20 अप्रैल 2026 की रात करीब 10 बजे श्यामगंज से दुर्गानगर की ओर सवारी लेकर जा रहा था। दुर्गानगर मोड़ के पास ऑटो में बैठा एक व्यक्ति, जिसकी पहचान सोनू उर्फ सोहनलाल पुत्र रघुवीर निवासी दुर्गानगर मोड़ के पास के रूप में हुई, ऑटो से उतरा। जब चालक ने किराया मांगा तो आरोपी आगबबूला हो गया,आरोप है कि सोनू ने पहले खुद मारपीट की, फिर अपने अन्य साथियों को बुला लिया। सभी ने मिलकर ऑटो चालक को बुरी तरह पीटा, जिससे उसके चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। इतना ही नहीं, आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी और मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने थाना बारादरी में शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

पटवाई में प्रतियोगिताएं तथा एक्टिविटीज करवाई गई

दैनिक बुलंद मंजिल

पटवाई। कस्बा स्थित तारक एजुकेशनल अकादमी में बुधवार में पृथ्वी दिवस के अवसर पर विद्यालय सभी कक्षा के विद्यार्थियों के मध्य विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं तथा एक्टिविटीज करवाई गई। जिसमें हरी भरी, खुशहाल धरती पर लहराते वृक्षों के बीच पक्षियों को चहचहाते हुए दिखाया गया और एक स्किट के माध्यम से यह भी दशार्या गया कि धरती पर पेड़ों को काटने से हमें किन किन प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या परमजीत कौर ने भी विद्यार्थियों को पृथ्वी दिवस के बारे में बताते हुए कहा कि सौर मंडल में धरती ही अकेला ऐसा ग्रह है जिसपर जीवन संभव है, इसलिए हमें सभी प्रकार से धरती को सुंदर बनाने व सुरक्षित रखने के सभी भरसक प्रयास करने चाहिएं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि हमें अपनी धरती पर बढ़ते हुए प्रदूषण को रोकने के लिए पूरी कोशिश करनी चाहिए तथा अधिक से अधिक संख्या में पेड़ लगाने चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय के सभी वर्ग के छात्र छात्राओं को विभिन्न प्रकार की एक्टिविटीज करवाई गई, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। किंडरगार्टन वर्ग के विद्यार्थियों ने पृथ्वी दिवस से संबंधित कविताएं सुनाई तथा पृथ्वी दिवस की पिक्चर को सुंदर रंगों से सजाया। कुछ विद्यार्थियों द्वारा पानी बचाओ, धरती बचाओ के नारे भी बनाए गए। वहीं दूसरी तरफ सीनियर वर्ग के विद्यार्थियों ने पोस्टर मेकिंग, मॉडल मेकिंग आदि एक्टिविटीज की। विद्यालय के प्रबंधक सुरेन्द्र सिंह ने विद्यार्थियों द्वारा की गई सभी एक्टिविटीज की सराहना की। इस अवसर पर विद्यालय के सह प्रधानाचार्य अमित बैनर्जी के साथ विद्यालय को ऑर्डिनेटर में कुलदीप कौर के साथ विद्यालय स्टाफ में सिमरनजीत सिंह, पवन, नसरीन, दीपिका, कुमारी सुमैया, आशा, अदनान, दीपेंद्र, कमला, बबिता, ज्योति, श्वेता आदि लोग उपस्थित रहे।

दनियापुर में धूमधाम से मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती

दैनिक बुलंद मंजिल/ सिंहराज सागर

सैफनी। बुधवार को क्षेत्र के ग्राम पंचायत दनियापुर में बुधवार को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पूरे उत्साह, श्रद्धा और सामाजिक एकता के संदेश के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में गांव के गणमान्य नागरिकों, युवाओं और महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर बाबा साहब के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर के संघर्षपूर्ण जीवन, उनके विचारों और समाज के प्रति उनके अमूल्य योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने समानता, शिक्षा और अधिकारों की जो अलख जगाई, वह आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक है।इस अवसर पर अधिवक्ता छत्रपाल सिंह, समिति अध्यक्ष जगदीश सिंह, उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार सहित ऋषिपाल सिंह, पप्पू सिंह, राजेश, सतिश चंद्र व अन्य ग्रामीण प्रमुख रूप से मौजूद रहे। सभी ने सामाजिक समरसता, शिक्षा के प्रसार और संविधान के मूल्यों को सुदृढ़ करने का संकल्प दोहराया।

सैफनी थाना पुलिस ने किया बकरी चोरी कांड का खुलासा, चोरों को जेल भेजा

दैनिक बुलंद मंजिल

सैफनी। थाना क्षेत्र के नया रायपुर गांव से 9 बकरियां चोरी करने के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।जबकि उसके दो साथी अभी फरार बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार 20 अप्रैल को बाबू पुत्र बदलू शाह निवासी नया रायपुर ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें बताया गया था कि उनके घर के बाहर बंधी 6 बकरियां तथा उनकी भाभी नूरजहां की 3 बकरियां अज्ञात चोर सफेद रंग की कार से चोरी कर ले गए। जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू की थी।विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर सैफनी से चंद्रपुर कलां मार्ग पर मझरा घाट जाने वाले रास्ते से एक संदिग्ध कार को रोककर तलाशी ली। कार सवार मोहल्ला गुलाबनगर निवासी जाने आलम को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी में कार से एक बकरी, एक बकरा, अवैध 315 बोर का तमंचा व एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ।पूछताछ में आरोपी ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देने की बात कबूल की। गिरफ्तार आरोपी का चालान कर न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में लगी हुई है।

सर्वप्रथम महंत जी ने श्री श्याम मंदिर में टेका माथा लिया आशीर्वाद

मनोना धाम पहुंचने पर श्याम भक्तों एवं दुकानदारों सेवादारों ने किया भव्य स्वागत

दैनिक बुलंद मंजिल/ विनोद गुप्ता

रामपुर । विश्व विख्यात मनोना धाम के मुख्य मीडिया प्रभारी ठाकुर वेद पाल सिंह कठेरिया ने अपने रामपुर मीडिया प्रभारी विनोद गुप्ता को जानकारी देते हुए बताया कि कलयुग के अवतार प्रभू श्याम बाबा के अन्न भक्त विदेशो मे वाबा श्याम की कृपा वरसाने वाले हिन्दू सनातन संस्कृति का लोहा मनमाने वाले श्री श्याम मंदिर मनौना धाम आंवला बरेली उत्तर प्रदेश के महंत श्री ओमेन्द्र महाराज का तंजानिया अफ्रीका तथा मुम्बई की धार्मिक यात्रा करने के वाद मंगलवार देर शाम धाम पहुचने पर तोरण द्वार से मंदिर तक मालाए पहना कर फूल वर्षा कर तथा रंगीनी अतिशवाजी श्याम के भजनो पर ढोल नगाडो के साथ भव्य स्वागत किया गया महंत जी महाराज ने वाबा श्याम के दरवार मे पहुचकर सवसे पहले वाबा श्याम के दरवार मे माथा टेका फिर अपने कक्ष मे गये महंत जी महाराज के धाम पहुचने से पहले श्याम भक्तो का सैलाव मंदिर पर पहुचने लगा है जवकि महंत जी महाराज 23 अप्रैल को अपने आसन पर बैठेंगे । महंत जी महाराज की यह तंजानिया अफ्रीका की पहली धार्मिक यात्रा थी वहा उन्होंने वाबा श्याम का दरवार लगा कर वाबा श्याम की कृपा तथा सनातन संस्कृति का श्याम भक्तो को महत्व वताया तथा वहा के राष्ट्रपति तथा भारतीय उच्चायोग से भी मुलाकात हुयी । वही तंजानिया से वापस आकर मुम्बई के वोरीवली मे वाबा श्याम का दरवार लगाकर हजारो श्याम भक्तो को आशीर्वाद दिया दरवार मे ऐतिहासिक भीड जुड़ी वही महंत जी महाराज से मुम्बई मे उद्योगपतियों विधायकगण राजनेता वालीवुड केअभिनेता अभिनेत्रियां सिंगर तथा सिनेमा कालाकारो ने आशीर्वाद लिया । महंत जी महाराज अव मंगलवार बुद्धवार छोड़कर प्रतिदिन धाम पर सुबह 9 बजे से 1 तथा शाम को 7 वजे से 10 बजे तक आसन पर बैठकर श्याम भक्तो को आशीर्वाद देंगे । जल्द महंत जी महाराज प्रेस वार्ता कर विदेशी धार्मिक दौरे के वारे मे जानकारी देंगे ।

साइबर सेल शाहबाद पुलिस ने आवेदक की धनराशी दिलाई वापिस

धनराशि वापिस आते ही पीड़ित ने कहा धन्यवाद शाहबाद पुलिस

दैनिक बुलंद मंजिल/ विनोद गुप्ता

शाहबाद रामपुर। मामला कोतवाली शाहबाद क्षेत्र का है जहां आवेदक द्वारा थाना शाहबाद पर किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा अपना रिश्तेदार बताकर आवेदक के खाते में रुपये भेजने के नाम पर दफ उड्डी भेजकर आवेदक से 2300/- रुपये डलवाने के सम्बन्ध में शिकायती दर्ज करायी गयी । बताते चलें कि सोमेन्द्र मीना पुलिस अधीक्षक, रामपुर के निदेर्शानुसार उक्त प्रकरण में साईबर सैल थाना शाहबाद द्वारा तकनीकी संसाधनों का प्रयोग करते हुए अभियुक्त के खाते की जानकारी प्राप्त कर त्वरित कार्यवाही करते हुए आवेदक की 2300 रुपये की धनराशि आवेदक के बैंक खाते में दिनांक 22.04.2026 को वापस करायी गयी ।

उक्त बरामदगी एवं सराहनीय कार्य के लिए आवेदक द्वारा आभार प्रकट किया गया । निश्चित ही साइबर सैल शाहबाद की इस कार्यवाही से जनता के मन में रामपुर पुलिस के प्रति विश्वास सदृढ हुआ है । आवेदक को यह भी बताया गया है कि प्रलोभन में आकर किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, अपना खाता संख्या, पिन, ओटीपी, सीवीवी नम्बर, आदि गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें । साइबर फ्राड/ धोखाधड़ी होने पर तत्काल आनलाईन बेबसाइट www.cybercrime.gov.in पर शिकायत करें या 1930 पर कॉल कर अपनी शिकायत दर्ज कराये । हमारे ब्यूरो विनोद गुप्ता को बताया कि साइबर सेल टीम थाना शाहबाद जनपद रामपुर के निरीक्षक जय प्रकाश सिंह प्रभारी साइबर सेल थाना शाहबाद, उ0नि0 अतिशय जैन साइबर सेल थाना शाहबाद, , कम्प्यूटर ऑपरेटर शैलेन्द्र कुमार थाना शाहबाद जनपद रामपुर आदि मौजूद रहे।

पटवाई जीआईसी कॉलेज में पृथ्वी दिवस मनाया

दैनिक बुलंद मंजिल

पटवाई जीआईसी कॉलेज में पृथ्वी दिवस मनाया पटवाई। बुधवार को कस्बा के राजकीय इंटर कॉलेज में पृथ्वी दिवस मनाया गया। जिसमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता के लिए कार्यक्रमों का आयोजन किया। जिसमें प्रधानाचार्य तरुण कुमार ने विद्यार्थियों को पृथ्वी की सुरक्षित रखने का संकल्प दिलाया। प्रधानाचार्य ने संबोधन में कहा कि पृथ्वी हमारा एकमात्र घर है। जिसकी सुरक्षा और संरक्षण हम सभी को करना है। वही क्लब प्रभारी अमित अग्रवाल ने छात्र छात्राओं को पेड़ लगाने व जल संरक्षण करने और प्लास्टिक के अयोग को करने के प्रेरित किया। इस अवसर छात्र छात्राओं ने मिलकर पौधे लगाए और प्रांगण की साफ सफाई की। कार्यक्रम को सफल बनाने छात्र कपिल गौतम,अर्पित गौतम,और छात्राएं शिक्षा पाल,उपासना,संजना,मनीषा,आदि का सहयोग रहा। इस मौके पर कार्यक्रम संचालक अमित अग्रवाल,योगेंद्र सिंह,राकेश कुमार,महेंद्र सिंह,आदि मौजूद रहे।

शाहबाद मंडी में क्रय केंद्रों की लापरवाही से नाराज भाकियू

दैनिक बुलंद मंजिल

शाहबाद रामपुर। मामला नगर पंचायत शाहबाद मंडी समिति क्रय केन्द्रो का खेल बहुत बड़ा सामने आया है जहां आरोप है कि किसानों के साथ धोखा किया जा रहा है किसानो की गेहूं को बारीक बात कर फेल किया जा रहा है और बिचौलियों के माध्यम से मंडी समिति आढ़त से खरीद कर गेहूं क्रय केंद्र पर बिचौलिए मोटा मुनाहपा कमा रहे हैं अगर यह खेल सभी संस्थाओं के केंद्र प्रभारियो ने बंद नहीं किया तो सभी केंद्र प्रभारी के खिलाफ भारतीय किसान यूनियन टिकैत बड़ा आंदोलन करेगी और वह अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेगी सभी केंद्र प्रभारी का खेल उजागर करने के लिए मय प्रूफ के भारतीय किसान यूनियन टिकैत धरने पर बैठेगी । धरने पर जब तक भ्रष्ट केंद्र प्रभारी पर कार्रवाई नहीं होगी जब तक भारतीय किसान यूनियन धरना प्रदर्शन करेगी । इस मौके पर चौधरी सुनील कुमार सिंह , प्रमुख सचिव रंजीत सिंह यादव ,डॉ फूल सिंह , चौधरी सुंदर पाल , खुशीराम यादव ,नरेंद्र यादव , राजवीर सिंह ,संजीव चौधरी , विकास यादव , तेजपाल सिंह, नवल किशोर आदि सैकड़ो के साथ मौजूद रहे।

देश मे बढ़ रही लव जिहाद एबं धर्मांतरण की घटनाओ को लेकर हनुमान दल ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

बुलंद मंजिल / प्रदीप अग्रवाल

मथुरा देश मे बढ़ रही लव जिहाद एबं धर्मांतरण की घटनाओं को लेकर राष्ट्रीय हनुमान के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित सिंह के आवाहन पर हनुमान दल के कार्यकताओं ने विरोध प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन जिलाधिकारी को दिया। ज्ञापन में राष्ट्रविरोधी शक्तियों द्वारा हिन्दू समाज की महिलाओं व युवतियों को धर्मांतरण एबं लव जिहाद में फंसाकर उनका मानसिक शोषण किया जा रहा है। हनुमान दल जिसका पुरजोर विरोध करता है। हनुमान दल के कार्यकताओं ने राष्ट्रपति से लव जिहाद के खिलाफ एक कानून बनाने की मांग की है। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष डॉ नरेंद्र रावत जिलाध्यक्ष देवेंद्र चौधरी, विशाल पाराशर,संजय तिवारी टीकाराम शर्मा, रामप्रकाश शर्मा, हरिओम चौधरी, आदि मौजूद रहे।

Inauguration of Dr. Luv Gupta Respiratory Care Centre on the occasion of World Earth Day

-Air pollution is having the greatest impact on the lungs: Dr. Luv Gupta

Buland manjil / pradeep agrawal

Mathura. On Earth Day, April 22nd, the Dr. Luv Gupta Respiratory Care Center was inaugurated in Mathura city. Experts expressed concern over the ever-increasing pollution and its impact on human health. Pulmonologist Dr. Luv Gupta stated that air pollution has the greatest impact on the lungs. Research has shown that even non-smokers are now suffering from lung-related diseases, including lung cancer. He also emphasized the need for expanded medical facilities and research in this area. Dr. Luv Gupta, Ram Sewak Gupta, and Priyanka Gupta inaugurated the Dr. Luv Gupta Respiratory Care Center on the first floor of Jindal Street, Govardhan Square, Mathura, by cutting the ribbon. Pulmonologist (chest specialist) Dr. Luv Gupta will provide services at this care center from 4 pm to 7 pm, Monday through Saturday. Treatment for tuberculosis, asthma, allergies, lung cancer, breathing problems, and all lung-related ailments will be available. Dr. Luv Gupta also serves at the Golden Jubilee Hospital Township and other major hospitals in Mathura. Dr. Luv Gupta is a well-known name in the field of pulmonary medicine. Ashish, Srishti, and others were present on the occasion.

Secret of Madagascar's Ancient Baobabs

Estelle Razanatsoa

Madagascar is home to seven species of baobab trees, of which six are found nowhere else on the planet. Many of the trees have been alive for well over 1,000 years. The ancient trees have become symbols of Madagascar itself. They're also gifts to climate science.

Imagine these trees as filing cabinets for climate history. Every year a tree grows, it lays down a new ring, and locked inside that ring are chemical fingerprints that reveal how much rain fell that year.

These records could tell society what it needs to know about the climate history of Madagascar. But until now, this information was hidden in the trunks of the trees.

We are a team of applied palaeoecologists and climate scientists who set out to provide the first ever tree ring rainfall record reconstructed from isotopes in baobab rings in Madagascar.

Isotopes are different forms of the same chemical element that have the same number of protons but a different number of neutrons in their nucleus. Baobab trees absorb carbon dioxide, which contains three carbon isotopes: carbon-12 (light, most common), carbon-13 (heavy, stable but less common), and carbon-14 (rare and radioactive).

The chemistry is elegant: in dry years, trees absorb more of a heavier form of carbon because they close their stomata to conserve water, which leads to higher absorption of ^{13}C relative to normal conditions. In wet years, that signal drops. String enough of these signals together, and combine them with radiocarbon dating that establishes how old the trees are, and you have a natural rain gauge running through the centuries — the first of its kind ever produced for Madagascar.

Our research aimed to increase Madagascar's palaeoclimate records. These are records of temperature, rainfall and climate that span centuries and millennia. When used along with other palaeoecological proxies such as pollen, they help to show how ecosystems function

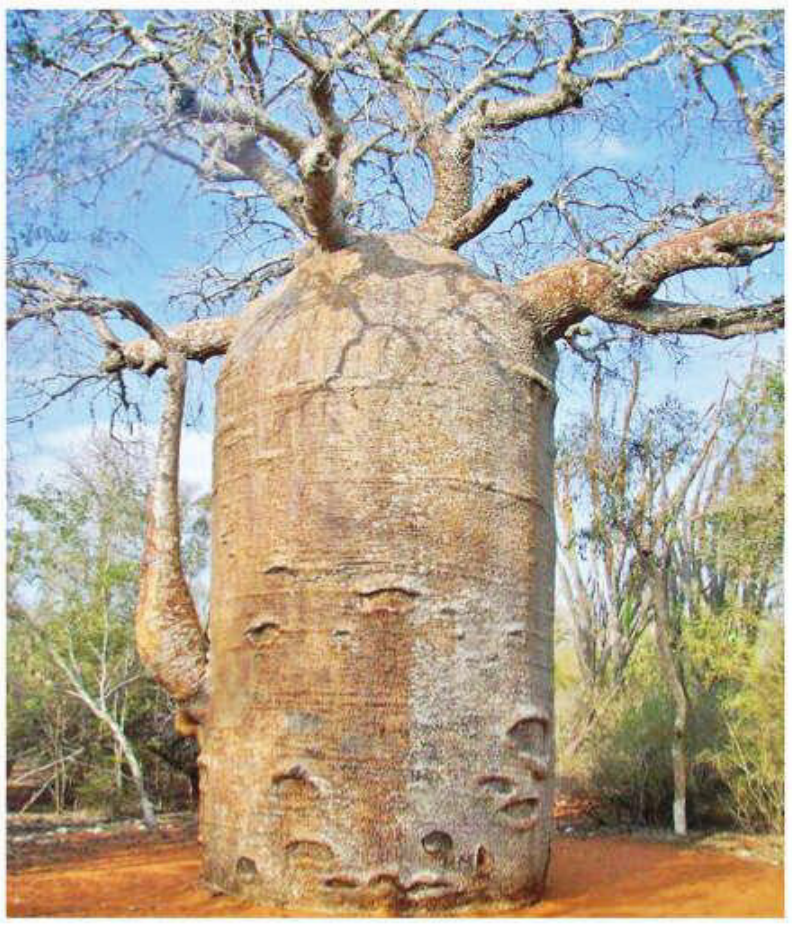

and change over hundreds of years.

Most of the palaeoclimate records in Madagascar are found in mineral deposits like speleothems, stalagmites and sediments, and to date there are not many. Although

> Every year a tree grows, it lays down a new ring, and locked inside that ring are chemical fingerprints that reveal how much rain fell that year.

scientists have previously used this method to generate a 1,000-year rainfall record from baobabs for South Africa, this hadn't been tried in Madagascar.

Our goal wasn't just academic. This kind of long-term evidence has direct, practical relevance for biodiversity conservation, land management, and building resilience to global warming.

From the field to the lab

We went to four baobab trees across south-western Madagascar, the driest corner of the island, and inserted a long borer into the trees to extract samples of the core. This didn't harm the trees. Afterwards, the hole was sealed with a tree sealer to prevent damage by insects or fungi.

The record tells a dramatic story. South-western Madagascar had its wettest era between 1350 and 1450. This was followed by a prolonged and brutal dry spell from 1600 to 1750. From 1750 until today, south-west Madagascar has been in a long-term trend of declining rainfall.

We didn't stop there. We also took sediment samples and analysed charcoal deposits, pollen grains and isotopes preserved in nearby wetlands. These too are natural archives that track changes in fire and vegetation over the same period. We laid these side by side with the baobab tree samples — and something important emerged.

(Courtesy: DTE)

Loneliness and Emotion

Loneliness is something most of us will experience at some point. It is a normal emotion, not a character flaw. But it is also something that can quietly affect how we think and remember, and researchers have long debated whether it might even raise the risk of dementia.

A in Aging and Mental Health, suggests the picture is more complicated than either side of that debate has allowed for.

First, it is worth being clear about what dementia actually is. It is not a single diagnosis but an umbrella term covering a range of conditions — the most familiar being Alzheimer's disease — that cause memory loss, confusion, difficulties with language and a gradual loss of independence.

Cognitive decline, meaning a general slowing or weakening of mental function, is not the same thing. The two terms are often used interchangeably, but they should not be: you can experience cognitive decline without ever developing dementia.

We do not fully understand what causes Alzheimer's. We know that a healthy lifestyle lowers the risk, but it is no guarantee. Plenty of people who have done everything right still develop it. The disease is shaped by genetics, ageing and biological factors we are still working to understand.

The new study followed just over 10,000 adults aged between 65 and 94 over six years. All were in good health at the outset,

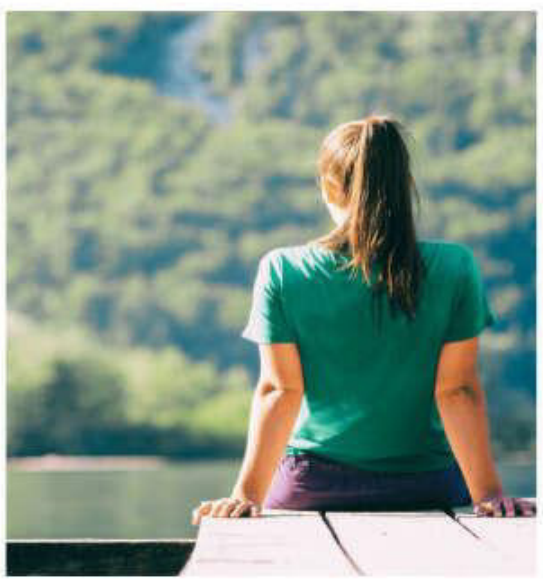

fully independent and free of dementia. Researchers tracked their memory over that period and asked whether loneliness played a role in how it changed.

The answer was nuanced. Loneliness did appear to contribute to memory difficulties — but there was no evidence that it led to dementia itself. That is an important distinction. Memory problems and dementia are not the same thing, and conflating them causes unnecessary alarm. This distinction is crucial, and while the researchers did not conflate the two, this nuance is often lost in interpretation.

How Exercise Works in Brain

New research suggests that regular aerobic exercise can help keep your brain biologically younger. Adults who exercised regularly for a year showed brains that appeared nearly a year younger than those who didn't change their habits.

The study focused on midlife, a critical window when prevention may offer long-term benefits. Even small shifts in brain age could add up over decades.

Looking after your brain is a process that unfolds over many years, and new findings from the AdventHealth Research Institute point to an encouraging option. Researchers report that sticking with a consistent aerobic exercise routine may help the brain remain biologically younger.

This effect could support clearer thinking, better memory, and overall mental well-being.

The research showed that adults who committed to a full year of aerobic exercise had brains that appeared almost a year younger than those of

participants who did not change their level of activity.

Measuring Brain Age With MRI

Published in the Journal of Sport and Health Science, the study examined whether regular aerobic exercise could slow or even reverse what scientists call "brain age."

Brain age is estimated using magnetic resonance imaging (MRI) and reflects how old the brain appears compared to a person's actual age. A higher brain-predicted age difference (brain-PAD) means the brain looks older, and earlier studies have linked this measure to weaker physical and cognitive performance and a higher risk of death.

"We found that a simple, guideline-based exercise program can make the brain look measurably younger over just 12 months," said Dr. Lu Wan, lead author and data scientist at the AdventHealth Research Institute.

"Many people worry about how to protect their brain health as they age. Studies like this offer hopeful guidance grounded in everyday habits. These absolute changes were modest, but even a one-year shift in brain age could matter over the course of decades," added Dr Lu Wan.

Inside the Year-Long Exercise Trial

The clinical trial included 130 healthy adults between the ages of 26 and 58. Participants were randomly assigned to either a moderate-to-vigorous aerobic exercise group or a usual-care control group.

Those in the exercise group completed two supervised 60-minute workout sessions each week in a laboratory and added home-based exercise to reach roughly 150 minutes of aerobic activity per week. This schedule aligned with the American College of Sports Medicine's physical activity guidelines.

आन के नाम पर बेटी की हत्या, प्रेम प्रसंग से खफा पिता ने गला दबाकर ली जान

दैनिक बुलंद मंजिल
यासिर शम्सी।

नगीना। थाना क्षेत्र में झूठी पारिवारिक आनह्न की खातिर एक पिता द्वारा अपनी ही नाबालिग बेटी की हत्या किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। प्रेम प्रसंग से नाराज पिता ने तड़के सोते समय 17 वर्षीय बेटी का गला दबाकर उसकी जान ले ली।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।घटना थाना क्षेत्र के ग्राम बिन्जाहेड़ी की है। बुधवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि गांव में एक व्यक्ति ने अपनी बेटी की हत्या कर दी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घर के अंदर किशोरी का शव बरामद किया।पुलिस क्षेत्राधिकारी राजेश कुमार सोलंकी के अनुसार पूछताछ में आरोपी पिता नजाकत ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।उसने बताया कि बुधवार तड़के करीब चार बजे उसने सो रही बेटी का गला दबा दिया।प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतका का गांव के ही एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था, जिससे परिवार नाराज था।परिजनों द्वारा कई बार समझाने के बावजूद किशोरी के न मानने पर पिता ने यह खौफनाक कदम उठा लिया।बताया गया कि आरोपी के छह बच्चे हैं,जिनमें पांच बेटियां और एक बेटा शामिल हैं।मृतका सबसे बड़ी संतान थी।आरोपी पिता बाहर एक बेकरी में काम करता है।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है।वहीं मृतका के मामा द्वारा तहरीर दिए जाने की तैयारी की जा रही है।पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी, जबकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के कारणों की स्पष्ट पुष्टि होगी।

जंगल में दबाए बारूदी गोले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंजिल
यासिर शम्सी।

बढ़ापुर। थाना क्षेत्र के ग्राम बहेड़ी निवासी कासिम ने 29 मार्च को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि कुछ लोगों ने जानवरों को मारने के उद्देश्य से जंगल में बारूद के गोले बनाकर दबा रखे थे। इसी दौरान एक गोला फटने से उसका पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया।मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की थी।इसी क्रम में बुधवार को बढ़ापुर पुलिस ने मुख्य आरोपी राजवीर सिंह निवासी ग्राम मदपुरी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार,इस मामले में एक अन्य आरोपी काली सिंह को पहले ही 3 अप्रैल को गिरफ्तार किया जा चुका है,जबकि शेष आरोपियों की तलाश जारी है।

क्यारा ब्लॉक में एआरपी (हिंदी) चयन पर शिक्षक प्रमोद कुमार का भव्य स्वागत

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

बरेली। विकास क्षेत्र क्यारा में कार्यरत पूर्व माध्यमिक विद्यालय क्यारा के शिक्षक एवं नव चयनित एआरपी (हिंदी) प्रमोद कुमार का बुधवार को पूर्व माध्यमिक विद्यालय वारीनगला में सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। इस अवसर पर शिक्षकों ने उन्हें मिठाई खिलाकर खुशी जताई और पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई दी। हाल ही में जनपद स्तर पर हुए एआरपी (हिंदी) चयन में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर अपने ही विकास क्षेत्र में चयनित होने पर उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ और शिक्षा मित्र संघ की ओर से उनका अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर जिले के तमाम शिक्षकों ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ के मंडल अध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार शर्मा और शिक्षा मित्र संघ के ब्लॉक अध्यक्ष धर्मेंद्र पटेल ने कहा कि प्रमोद कुमार ने लगभग 10 वर्षों तक प्रभारी प्रधानाध्यापक के रूप में अपने विद्यालय में टीम के साथ मिलकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। उनके प्रयासों से विद्यालय ने निरंतर प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुआ। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदी विषय में जनपद स्तर पर सर्वाधिक अंक प्राप्त कर प्रमोद कुमार ने न केवल अपने विद्यालय बल्कि पूरे क्यारा ब्लॉक का नाम रोशन किया है। कार्यक्रम के अंत में सभी शिक्षकों ने उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल कार्यकाल की कामना की।

शुभलेश बने बरेली सपा के जिलाध्यक्ष, विधानसभा चुनावों में पार्टी को मिलेगा अनुभव का लाभ

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

बरेली। समाजवादी पार्टी ने संगठन में बड़ा बदलाव करते हुए पार्टी के वफादार, कर्मठ, नेतृत्व शिल्पी अनुभवी नेता शुभलेश यादव को एक बार फिर बरेली का जिलाध्यक्ष बना दिया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की अनुमति से प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने उनके नाम की घोषणा कर दी है। सपा के निवर्तमान अध्यक्ष शिव चरन कश्यप के हटने के बाद बरेली में सपा जिलाध्यक्ष को लेकर काफी समय से असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। 2027 विधानसभा चुनाव को देखते हुए पार्टी किसी मजबूत चेहरे की तलाश में थी। कई नामों की चर्चा के बीच आखिरकार पार्टी नेतृत्व ने शुभलेश यादव पर भरोसा जताते हुए उन्हें जिम्मेदारी सौंप दी है। शुभलेश यादव सपा के जुझारू और निष्ठावान कार्यकर्ता हैं। संगठन पर उनकी मजबूत पकड़ और पार्टी में कार्य करने का खासा अनुभव है। पहले रह चुके जिलाध्यक्ष और प्रदेश सचिव शुभलेश यादव पार्टी के पुराने और जमीनी नेता माने जाते हैं। वह पहले भी 2017 से 2019 तक बरेली के जिलाध्यक्ष रह चुके हैं। इसके अलावा वह प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य और प्रदेश सचिव जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी काम कर चुके हैं। संगठन में उनकी पकड़ और कार्यकताओं के बीच मजबूत नेटवर्क को इस फैसले की बड़ी वजह माना जा रहा है।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल

Glamour

संभल
गुरूवार, 23 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

Munmun Dutta offers a peek into her gut-friendly summer morning routine

Actress Munmun Dutta, popular for essaying the role of Babita in the superhit show Taarak Mehta Ka Ooltah Chashmah, on Monday morning gave a peek into her healthy summer morning routine, focusing on gut-friendly foods.

Taking to her social media account, the actress shared visuals of her breakfast, and highlighted the importance of digestive health during summers.

She wrote, "Made our morning glass of great gut health."

In the first video, Munmun is seen preparing a buttermilk-based drink, which she called "morning glass of great gut health".

The drink seems to have ingredients such as chopped onions, fresh coriander leaves, and a fermented base, making it a probiotic-rich drink.

In the other picture, Munmun wrote, "Ragi Ambali: Fermented overnight, great for gut microbiome and digestive health and very cooling for summer months."

Talking about "Ragi Ambali", it is a traditional fermented beverage made using ragi (finger millet).

The cooling drink is prepared by fermenting ragi overnight and is known for supporting gut microbiome and aiding digestion and keeping it cool. Talking about Munmun Dutta, the actress is a fitness freak and enthusiast and often is seen sharing allot many videos and photos from her workout and Yoga sessions.

On the professional front, the ehas been a part of "Taarak Mehta Ka Ooltah Chashmah" for over 15 years and remains one of the most loved faces on the show.

Her on-screen pairing with Iyer has been appreciated by audiences over the years.

Apart from her work, the actress is also an avid animal lover.

She is often seen taking care of stray animals around her and on the sets of the show.

Recently, Munmun had shared pictures of herself rescuing a kitten on a set, whom she also fostered, and was seen spending time with it in her green room.

AJAY DEVGN CELEBRATES DAUGHTER NYSA'S 23RD BIRTHDAY WITH UNSEEN PICTURES AND HEARTFELT WISHES

Bollywood superstar Ajay Devgn is celebrating the 23rd birthday of his elder daughter, Nysa Devgan. On Monday, the actor took to his Instagram, and shared 2 pictures from her childhood. The first picture is of Nysa having a hearty laugh as the moment is captured in the lens.

The 2nd picture features Ajay's wife Kajol with their daughter. The actor also penned a long note in the caption, as he wrote, "That smile is the one I always remember when I look at you and that's the version of you that always stays with me.... May you forever smile with this much happiness. Happy birthday my lil girl @ nysadevgan (sic)".

Ajay and Kajol fell in love while filming their movie 'Hulchul' and strengthened their bond through their work journey on 'Pyaar Toh Hona Hi Tha'. After dating for a few years, Kajol and Ajay got married on February 24, 1999, in a traditional Maharashtrian ceremony.

Ajay Devgn is one of the biggest superstars of Hindi cinema with a solid track record at the box-office. He made his debut with 'Phool Aur Kaante', and established himself as a leading actor in Hindi cinema through the 1990s and 2000s. He is known for his restrained acting style, he built a career spanning action, drama, and comedy. His notable films include 'Jigar', 'Dilwale', 'The Legend of Bhagat Singh', and the 'Golmaal' franchise.

He has also directed and produced films under his banner. He delivered one of the most critical and finest performances in 'Zakhm'. The film was directed by Mahesh Bhatt, and saw the actor playing a man dealing with personal and communal conflict, the role earned him the National Film Award for Best Actor.

'Pati Patni Aur Woh Do' teaser unveils chaos in Ayushmann Khurrana's life as he gets caught between three women

The teaser of Ayushmann Khurrana's upcoming movie 'Pati Patni Aur Woh Do' has been unveiled by the makers on Monday. The movie seems to be bringing back the classic "pati-patni-aur-woh" chaos with a fresh twist and with triple the confusion.

The teaser opens with glimpses from the 1978 film 'Pati Patni Aur Woh', starring Sanjeev Kumar, followed by the 2019 remake featuring Kartik Aaryan.

It then cuts to the latest version, 'Pati Patni Aur Woh Do', introducing Ayushmann in the centre character and in a new-age storyline.

The film seems to revolve around a husband who finds himself entangled between not one or two, but three women, leading to a series of humourous and chaotic situations.

Actor Ayushmann Khurrana headlines the film as Prajapati Pandey, and is joined by Sara Ali Khan, Wamiqa Gabbi, and Rakul Preet Singh in key roles. Actor Vijay Raaz also features in the film, adding to the chaos as a cop.

Backed by T-Series and B R Studios, the film is directed by Mudassar Aziz and produced by Bhushan Kumar, Renu Ravi Chopra, and Krishan Kumar, with Juno Chopra serving as the creative producer.

'Pati Patni Aur Woh Do' is slated to hit theatres on May 15, 2026.

For the uninitiated, the original 'Pati Patni Aur Woh' released in 1978, directed by B.R. Chopra, starred Sanjeev Kumar, Vidya Sinha, and Ranjeeta Kaur.

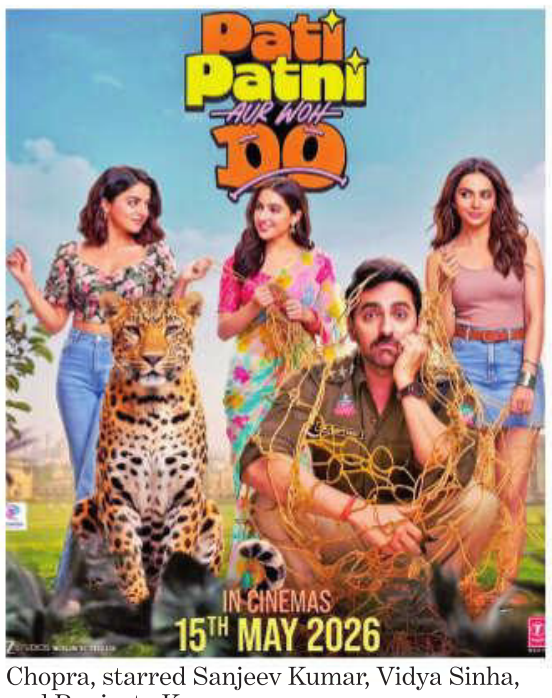

It revolved around an extra-marital affair handled with a mix of satire and social commentary.

The 2019 remake, directed by Mudassar Aziz, featured Kartik Aaryan, Bhumi Pednekar, and Ananya Panday, and presented a modern take on marriage, infidelity with a comic twist.

Rajkummar Rao says baby girl brings luck, calls it a result of destiny and hard work

Actor Rajkummar Rao, who embraced fatherhood a few months ago, addressed the belief that the arrival of his baby girl has brought luck into his life. In an exclusive conversation with IANS, Rajkummar shared that while the timing of certain achievements of his life has been special, he does not necessarily attribute them solely to his daughter's birth.

"She's brought in, I am sure, a lot of love. But there's no pressure. It's our luck, it's our destiny, our hard work," he said. The actor also highlighted that his daughter will have her own path to follow.

"She's a baby, she's our daughter. She has her own journey, so there's no pressure of her bringing in luck," he added, emphasising that he does not want to place expectations on her.

Rajkummar further recalled a significant moment that coincided with the birth of his first daughter.

He mentioned that the day their daughter came into their lives, his wife, actress Patralekhaa, won Best Actress for her movie, Phule.

"The day my baby girl was born, Patralekha won for Phule as the Best Actress," said Rajkummar, adding that he too won many awards after her birth.

For the uninitiated, Rajkummar Rao and Patralekhaa embraced parenthood and welcomed a baby girl on the 15th of November, 2025.

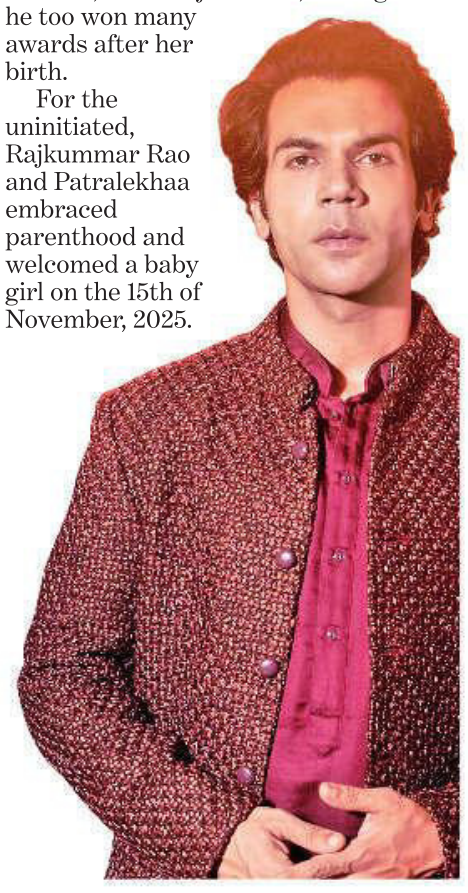

Zaheer Iqbal admits he should have listened to wife Sonakshi Sinha's advice

Actress Sonakshi Sinha was recently seen sharing a video in which her husband, Zaheer Iqbal, admitted that he regretted not listening to her advice.

In a video shared by Sonakshi Sinha on her social media account, she is seen playfully teasing her husband Zaheer Iqbal for not listening to her and ending up ruining his outfit.The couple, who seem to be vacationing at an international location, shared a light-hearted moment as Zaheer admitted on camera that he should have listened to his wife, Sonakshi Sinha.

In the video, Zaheer explains that despite Sonakshi warning him, he still chose to sit on a platform that turned out to be wet.

This resulted in his pants getting completely spoiled during the outing.

Sonakshi is seen laughing it off, as Zaheer is seen acknowledging his mistake and jokingly promising that he will never ignore her advice again.

"Never again in my life, will I not listen to my wife," said Zaheerz which meant that he had learned his lesson and will always listen to his wife going forward.

Sonakshi and Zaheer always manage to entertain their fans through their cute and fun post on social media.

Sonakshi and Zaheer often share a lot of prank videos where they are seen pulling pranks on each other all the time.

For the uninitiated, Sonakshi and Zaheer tied the knot on June 23, 2024, after dating for seven years, and opted for an intimate wedding ceremony at the actress' Mumbai home, which was attended by their close family members and friends.

The couple reportedly fell in love movie Double XL that also start actress Huma Qureshi.

Talking about Sonakshi Sinha, the 38-year-old actress was last seen in 'Jatadhara' alongside Sudheer Babu. The movie was released in both Hindi and Telugu on November 7, 2025.

She had also received immense phrase for her acting in Sanjay Leela Bhansali's Heera Mandi.

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
बरेली
संभल
गुरूवार, 23 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

सीबीगंज के प्राचीन शिव मंदिर की बाउंड्री वॉल तोड़ने पहुंची नगर निगम टीम, विरोध के बाद लौटी बैरंग

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

बरेली। सीबीगंज में स्थित प्राचीन शिव मंदिर को लेकर बुधवार को उस समय तनाव की स्थिति बन गई, जब बरेली नगर निगम की टीम मंदिर की बाउंड्री वॉल तोड़ने के लिए मौके पर पहुंची। हालांकि, स्थानीय लोगों के विरोध के चलते निगम की टीम बिना कोई स्पष्ट कारण बताए वापस लौट गई। जानकारी के अनुसार सुबह के समय नगर निगम के कर्मचारी और कुछ अधिकारी मंदिर परिसर के बाहर पहुंचे और बाउंड्री वॉल को तोड़ने की तैयारी करने लगे। यह देख आसपास के लोग और मंदिर से जुड़े श्रद्धालु मौके पर इकट्ठा हो गए। लोगों का कहना है कि उन्हें इस कार्रवाई की कोई पूर्व सूचना

नहीं दी गई थी क्षेत्रवासियों ने इसका जोरदार विरोध शुरू कर दिया। लोगों का कहना था कि यह मंदिर वर्षों पुराना है और इसकी धार्मिक आस्था से गहरा जुड़ाव है। बिना किसी नोटिस या वैकल्पिक व्यवस्था के इस तरह की कार्रवाई अनुचित है।

एक स्थानीय निवासी ने बताया कि ह्लनगर निगम की टीम अचानक आई और बिना कुछ बताए दीवार तोड़ने की तैयारी करने लगी। जब हमने कारण पूछा तो कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला।ह्व

विरोध बढ़ता देख नगर निगम की टीम ने स्थिति को देखते हुए मौके से वापस लौटने का फैसला किया। हालांकि, टीम की ओर से यह स्पष्ट नहीं किया गया कि वे किस आदेश या योजना के तहत वहां पहुंचे थे।

प्रशासन की चुप्पी

इस पूरे मामले पर अभी तक बरेली प्रशासन या नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। इससे क्षेत्र में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। स्थानीय स्तर पर यह कयास लगाए जा रहे हैं कि नगर निगम किसी सड़क चौड़ीकरण या अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के तहत यह कदम उठाने आया हो सकता है। हालांकि, आधिकारिक पुष्टि के अभाव में यह केवल अनुमान ही है। घटना के बाद क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से इस मामले में स्पष्टता की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि कोई विकास कार्य प्रस्तावित है, तो पहले उनसे बातचीत की जाए और धार्मिक स्थल की संवेदनशीलता को ध्यान में रखा जाए। फिलहाल स्थिति सामान्य है, लेकिन इस घटना ने स्थानीय लोगों में असंतोष जरूर पैदा कर दिया है। आने वाले दिनों में प्रशासन की ओर से क्या रुख अपनाया जाता है, इस पर सभी की नजर बनी हुई है।

बरेली में इंडस्ट्रियल सिटी की शुरूआत: 126 हेक्टेयर जमीन खरीद आज से, किसानों को मिलेगा 4 गुना मुआवजा

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

बरेली। दिल्ली हाईवे किनारे बरेली के विकास का पहिया अब तेज रफ्तार पकड़ने जा रहा है। बीडीए बुधवार से बहुप्रतीक्षित नई औद्योगिक टाउनशिप के लिए भूमि खरीद प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है। खास बात यह है कि करीब 600 किसानों ने पहले ही अपनी जमीन देने पर सहमति जता दी है, जिससे इस मेगा प्रोजेक्ट को जमीन पर उतारने का रास्ता साफ हो गया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत बीडीए करीब 126.30 हेक्टेयर भूमि आपसी सहमति के आधार पर खरीदेगा। किसानों को शासन की नीति के अनुसार बाजार दर का चार गुना मुआवजा दिया जाएगा। इस फैसले से किसानों में उत्साह का माहौल है और बड़ी संख्या में लोग स्वेच्छा से इस योजना से जुड़ रहे हैं।

इन गांवों की बदलेगी तस्वीर

नई औद्योगिक टाउनशिप भिटौरा, नौगवां, फतेहगंज पश्चिमी, चिटौली, रहपुरा जागीर और रसूला चौधरी गांवों की जमीन पर विकसित की जाएगी। बीडीए बोर्ड बैठक में इस प्रस्ताव को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है, जिसके बाद अब रजिस्ट्री की प्रक्रिया शुरू करने की पूरी तैयारी कर ली गई है। परियोजना को तेजी देने के लिए ह्लमुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजनाह्व के तहत सीड कैपिटल प्राप्त करने का प्रस्ताव भी पास किया गया है। इससे शुरूआती विकास कार्यों में वित्तीय बाधाएं नहीं आएंगी और काम समय से शुरू हो सकेगा।

रोजगार और उद्योग का नया केंद्र बनेगा बरेली

बीडीए का दावा है कि दिल्ली हाईवे जैसी प्राइम लोकेशन पर इंडस्ट्रियल टाउनशिप बनने से बड़े उद्योगों का आगमन होगा। इससे बरेली और आसपास के क्षेत्रों में औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। साथ ही, स्थानीय युवाओं के लिए हजारों रोजगार के अवसर भी तैयार होंगे। प्राधिकरण का लक्ष्य है कि भूमि खरीद की प्रक्रिया को पारदर्शी और तेज गति से पूरा किया जाए, ताकि जल्द ही टाउनशिप के विकास कार्य शुरू किए जा सकें। यह परियोजना बरेली को औद्योगिक नक्शे पर नई पहचान देने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है।

बराही जंगल में पुलिस की मुठभेड़, हाफ एनकाउंटर में एक शिकारी गिरफ्तार, साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

पीलीभीत। माधोटांडा थाना क्षेत्र का बराही जंगल में शिकार के आरोपियों और पुलिस के बीच हुई मुठभेड़ में एक शिकारी घायल होकर दबोच लिया गया, जबकि उसके साथी घने जंगल और अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। 15 अप्रैल की रात बराही जंगल में शिकारियों ने संरक्षित वन्यजीव (जंगली सूअर) का शिकार कर डाला। इतना ही नहीं, पकड़े जाने के डर से आरोपियों ने फायरिंग भी की। इस सनसनीखेज वारदात के बाद माधोटांडा थाने में मुकदमा दर्ज हुआ और पुलिस शिकारियों की तलाश में जुट गई।

मुखबिर की भनक, जंगल में बिछा जाल

एसपी पीलीभीत सुकीर्ति माधव मिश्रा ने बताया कि मंगलवार देर रात पुलिस को पुख्ता सूचना मिली कि आरोपी नवदिया गेस्ट हाउस के पास सीतापुर ब्रांच नहर किनारे जंगल में छिपे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने चुपचाप जंगल में घेराबंदी कर दी। हर तरफ सन्नाटा था, लेकिन पुलिस का जाल पूरी तरह बिछ चुका था। जैसे ही आरोपियों को पुलिस की मौजूदगी का अहसास हुआ, उन्होंने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की आवाज से जंगल गूंज उठा। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की और मुठभेड़ के दौरान हरजिंदर सिंह (28) के पैर में गोली लग गई, जिससे वह मौके पर ही धर दबोचा गया।

तमंचा, कारतूस और शिकार का खेल उजागर

गिरफ्तार आरोपी के पास से .315 बोर का तमंचा, दो जिंदा कारतूस और एक खोखा बरामद हुआ है। इससे साफ है कि आरोपी पूरी तैयारी के साथ जंगल में शिकार के लिए उतरे थे। मुठभेड़ के दौरान बाकी आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। पुलिस की टीमें लगातार जंगल और आसपास के इलाकों में दबिश दे रही हैं। जल्द ही सभी आरोपियों को पकड़ने का दावा किया जा रहा है।

पुराना अपराधी निकला घायल शिकारी

पुलिस रिकॉर्ड खंगालने पर सामने आया कि हरजिंदर सिंह पहले भी वन्यजीव संरक्षण अधिनियम समेत कई मामलों में वांछित रह चुका है। यानी यह शिकारियों का कोई पहला खेल नहीं था। इस पूरी कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक अशोक पाल समेत पुलिस टीम के कई जवान शामिल रहे। पुलिस ने साफ कर दिया है कि जंगल में अवैध शिकार करने वालों के खिलाफ अभियान और तेज किया जाएगा, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

जागेश्वर मंदिर गर्भगृह में असलहा पहुंचने पर मचा बवाल, डीएम ने पत्नी संग जारी किया माफी पत्र

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

बरेली। जागेश्वर मंदिर के गर्भगृह में गनर के असलहा लेकर पहुंचने के मामले ने तूल पकड़ लिया। पुजारियों के विरोध और मामला मीडिया में उछलने के बाद बुधवार सुबह डीएम ने अपनी पत्नी के साथ लिखित बयान जारी कर माफी मांग ली। उन्होंने इस घटना को अनजाने में हुई गलती बताते हुए पुरोहित समाज और श्रद्धालुओं से खेद जताया।

सोमवार को डीएम बरेली जागेश्वर धाम दर्शन-पूजन के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान उनका गनर असलहा लेकर गर्भगृह में दाखिल हो गया। जैसे ही यह तस्वीर सामने आई, मंदिर के पुजारियों और श्रद्धालुओं के एक समूह ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई। उनका कहना था कि गर्भगृह की मयार्दा का उल्लंघन हुआ है।

मामला बढ़ा तो प्रशासन हरकत में आया

विवाद बढ़ने पर प्रशासन ने तत्काल कदम उठाते हुए मंदिर के प्रवेश द्वार पर असलहा लेकर प्रवेश न करने का चेतावनी बोर्ड लगवा दिया। मंगलवार शाम को डीएम ने इसे जानकारी के अभाव में हुई घटना बताते हुए मौखिक रूप से खेद भी जताया था। मामला मीडिया में सुर्खियों में आने के बाद बुधवार को डीएम ने विस्तृत लिखित बयान जारी किया। उन्होंने बताया कि 29 जनवरी 2026 को उनके पिता के निधन के बाद उनकी आत्मा की शांति के लिए जागेश्वर धाम में महामृत्युंजय जाप और हवन-पूजन कराया जा रहा था। इसी क्रम में वह सपत्नी अवकाश लेकर मंदिर पहुंचे थे।

हृदय से क्षमाप्रार्थी हूं, दोबारा न होने का दिया आश्वासन

डीएम ने स्पष्ट किया कि संध्याकालीन पूजा के दौरान सिपाही पूजा सामग्री लेकर अनजाने में गर्भगृह के भीतर आ गया, जिसे तुरंत बाहर कर दिया गया। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह अनजाने में हुई गलती थी। अपने बयान में डीएम ने कहा कि वह भगवान जागेश्वर धाम के चरणों में सिर झुकाकर क्षमा मांगते हैं और समस्त पुरोहित समाज व श्रद्धालुओं से भी इस भूल के लिए माफी चाहते हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा नहीं होगी। इस पूरे घटनाक्रम के बाद मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन दोनों अब सतर्क नजर आ रहे हैं, ताकि धार्मिक स्थलों की मयार्दा से जुड़ी ऐसी कोई चूक आगे न हो।

गंगाशील में मुफ्त लगा मेगा हार्ट कैंप, विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम तैनात, जांच में नहीं लगेगा कोई पैसा

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

बरेली। शहर के प्रतिष्ठित गंगाशील अस्पताल में बुधवार (22 अप्रैल) को दिवंगत हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. निशांत गुप्ता की द्वितीय पुण्यतिथि पर निशुल्क हृदय एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चलने वाले इस शिविर में मरीजों को मुफ्त परामर्श और जांच की सुविधा मिलेगी। डॉ. निशांत गुप्ता ने अपने 16 वर्षों के चिकित्सा जीवन में करीब 22 हजार मरीजों का उपचार कर उन्हें नई जिंदगी दी। उनकी स्मृति में आयोजित यह शिविर न सिर्फ श्रद्धांजलि है, बल्कि समाज के प्रति उनकी सेवा भावना को आगे बढ़ाने का प्रयास भी है। फ्री जांच और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम, दिल के मरीजों के लिए सुनहरा मौका शिविर में डॉ. विशाल अग्रवाल (सीटीवीएस सर्जन), डॉ. राहुल सिंह (कार्डियोलॉजिस्ट) और डॉ. मो. कलीम (कार्डियोलॉजिस्ट) मरीजों को निशुल्क परामर्श देंगे।

ब्लड शुगर और ईसीजी जांच पूरी तरह मुफ्त होगी। एक्स-रे और ईको कार्डियोग्राफी पर 50% की छूट मिलेगी।

24 घंटे सेवाएं, हर तरह की हार्ट सर्जरी की सुविधा

गंगाशील अस्पताल का हृदय रोग विभाग 24 घंटे सक्रिय रहता है, जहां एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, पेसमेकर, बाईपास सर्जरी, वाल्व ऑपरेशन और दिल के जटिल उपचार नियमित रूप से किए जा रहे हैं।

दिल की अनदेखी न करें, समय पर जांच ही बचाएगी जिंदगी

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. शालिनी महेश्वरी ने बताया कि आज के दौर में हृदय रोग तेजी से बढ़ रहे हैं। समय पर जांच और सही इलाज ही जान बचाने का सबसे बड़ा जरिया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि इस शिविर का लाभ उठाकर अपने दिल की सेहत जरूर जांचें।

आज ही पहुंचे, फ्री जांच का उठाएं फायदा

अस्पताल प्रशासन ने शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस निशुल्क शिविर का लाभ उठाने की अपील की है, ताकि समय रहते बीमारी की पहचान हो सके और इलाज शुरू किया जा सके।

सड़कों पर आवारा पशु और किसानों की परेशानी, संगठन ने उठाई आवाज

गौशालाओं में भ्रष्टाचार के आरोप, प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

बरेली। आवारा पशुओं की बढ़ती समस्या और गौशालाओं की खराब व्यवस्था को लेकर ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बसी अहमद के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर जल्द सुधार की मांग की। इसके बाद मीडिया से बात करते हुए बसी अहमद ने कहा कि शहर की लगभग हर सड़क पर आवारा पशु घूम रहे हैं, जिससे लगातार सड़क हादसे हो रहे हैं और लोग अपनी जान गंवा रहे हैं या घायल हो रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कई जगह गायें भूख और प्यास से परेशान होकर कचरे में प्लास्टिक खा रही हैं, जो बेहद चिंताजनक है। वहीं किसानों की स्थिति पर बोलते हुए दिपेश भारती और अतीक कर्म इदरीसी ने कहा कि गांवों में किसान रात-भर जागकर अपनी फसलों की रखवाली कर रहे हैं, फिर भी आवारा पशु उनकी मेहनत को कुछ ही समय में बर्बाद कर देते हैं, जिससे किसान कर्ज में डूबता जा रहा है। संगठन के नेताओं ने गौशालाओं में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि पशुओं के लिए आने वाला राशन सही जगह नहीं पहुंच रहा और कागजों में संख्या बढ़ाकर दिखा दी जाती है। उन्होंने मांग की कि गौशालाओं में 24 घंटे सीसीटीवी निगरानी हो और पशुओं के लिए चारा, इलाज और सुरक्षित रहने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कदम नहीं उठाए गए तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे।

महिला पुलिस ने शहर में पैदल गश्त कर दिया सुरक्षा का संदेश

एसएसपी अनुराग आर्य के निर्देशन में भीड़भाड़ वाले इलाकों में बढ़ी पुलिस की सक्रियता

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

बरेली। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य के निर्देशन में महिला थाना बरेली पुलिस द्वारा शहर में अपराध नियंत्रण, शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से मुख्य मार्गों और भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर सघन पैदल गश्त की गई।

गश्त के दौरान पुलिस टीम ने बाजारों, सार्वजनिक स्थलों और प्रमुख चौराहों पर संदिग्ध व्यक्तियों की जांच कर लोगों को सुरक्षा का एहसास कराया। महिला थाना पुलिस की टीम ने शहर के संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल भ्रमण करते हुए आमजन से संवाद स्थापित किया और उन्हें सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। पुलिस ने दुकानदारों और राहगीरों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को दें। गश्त के दौरान यातायात व्यवस्था पर भी नजर रखी गई और नियमों का उल्लंघन करने वालों को चेतावनी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

कटर से हमला कर फोड़ी आंख, उधारी मांगने गया युवक बना खून-खराबे का शिकार

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

बरेली। थाना बारादरी क्षेत्र में उधारी के पैसे मांगने गए युवक पर जानलेवा हमला कर दिया गया। आरोपी ने गाली-गलौज के बाद धारदार कटर से वार कर युवक को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कांकर टोला पुराना शहर निवासी जावेद मियां ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह 21 अप्रैल 2026 को अपने 18,500 रुपये लेने रोहली टोला निवासी अब्बास के पास गया था। आरोप है कि पैसे मांगने पर अब्बास आगबबूला हो गया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। विवाद के दौरान आरोपी ने धारदार कटर निकालकर जावेद पर हमला कर दिया। कटर का वार सीधे उसकी दाहिनी आंख के ऊपर लगा, जिससे वह लहूलुहान हो गया। अचानक हुए हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

जान से मारने की धमकी देकर फरार

घायल जावेद के मुताबिक, शोर मचाने पर आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देता हुआ मौके से फरार हो गया। परिजनों ने घायल को इलाज के लिए भेजा।

पीड़ित की तहरीर के आधार पर थाना बारादरी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की तलाश की जा रही है और जल्द ही गिरफ्तारी किया जाएगी।

बारात में बवाल: कारीगरों पर धारदार हथियार से हमला, लूट और जान से मारने की धमकी

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

बरेली। भोजीपुरा थाना क्षेत्र में एक शादी समारोह के दौरान मामूली कहासुनी ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। बारात में खाना बनाने पहुंचे कारीगरों पर दबंगों ने न सिर्फ लात-घूसों से हमला किया, बल्कि धारदार हथियार से घायल कर दिया। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। ग्राम पीपलसाना चौकी निवासी विनोद गुप्ता के अनुसार, 19 अप्रैल की रात करीब 12 बजे वह अपने भाई जितेन्द्र गुप्ता और रवि गुप्ता के साथ मकरंदापुर स्थित प्रभु पैलेस हाल के पास बारात में खाना बना रहे थे। इसी दौरान खानपुर गांव के सोनू, भूपेंद्र, पप्पू और एक अज्ञात व्यक्ति वहां पहुंचे और जबरन पानी व खाने का सामान मांगने लगे।ह्बकारीगरों द्वारा खुद को काम पर लगे होने की बात कहने पर आरोपियों का पारा चढ़ गया। गाली-गलौज के बाद उन्होंने जितेन्द्र और रवि पर लात-घूसों के साथ धारदार हथियार से हमला कर दिया।

घायल, लूट और धमकी

हमले में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, तब हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि मारपीट के दौरान पैसे और मोबाइल फोन भी गिरकर गायब हो गए। पुलिस ने घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया। पीड़ित विनोद गुप्ता ने भोजीपुरा थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

सड़क पर मिट्टी डालने को लेकर विवाद, युवक को पीटकर दी जान से मारने की धमकी

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

बरेली। थाना बिथरी चैनपुर क्षेत्र के गांव सैदपुर लश्करीगंज में सड़क पर मिट्टी डालने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद मारपीट में बदल गया। आरोप है कि दो युवकों ने एक युवक को बेरहमी से पीटकर घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित नितिन कुमार पुत्र वीरेंद्र सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह 21 अप्रैल 2026 को दोपहर करीब 12:30 बजे साइकिल से खेत से घर लौट रहा था। जैसे ही वह गांव में मुकेश के घर के सामने पहुंचा, सड़क पर फैली मिट्टी के कारण उसकी साइकिल फिसल गई और वह गिरकर घायल हो गया। नितिन के अनुसार, जब उसने सड़क पर मिट्टी डालने को लेकर मुकेश से सवाल किया तो मुकेश और उसका भाई प्रवीन भड़क गए। दोनों ने मिलकर गाली-गलौज शुरू कर दी और विरोध करने पर डंडों, लात-घूंसों से उसकी जमकर पिटाई कर दी।

गंभीर चोटें, दी जान से मारने की धमकी

मारपीट में नितिन को शरीर पर कई खुली और अंदरूनी चोटें आई हैं। आरोप है कि हमलावर उसे जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने थाना बिथरी चैनपुर में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है और तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।